जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 324 प्रभात बीकानेर, गुरूवार 18 जून, 2026 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

तृणमूल और शिव सेना के बाद अब सपा के विघटन की तैयारी है

महिला आरक्षण बिल पारित नहीं होने जैसी शर्मिंदगी भविष्य में नहीं हो, इसके लिए एनडीए ने कमर कस ली है

- **सूत्रों का कहना है कि लोकसभा में कुल 543 सदस्यों में दो तिहाई बहुमत के लिए 362 सदस्यों की जरुरत है और एनडीए के पास 50 कम, यानि 312 सदस्य हैं, वो भी तृणमूल व शिव सेना के बागी सांसदों का समर्थन मिलने के बाद। राज्यसभा में भी दो तिहाई बहुमत में 9 की कमी है। चर्चा है कि इस कमी को पूरा करने के लिए यूपी में सपा को तोड़ने की तैयारी है।**
- **यूपी में भाजपा की सहयोगी पार्टी के नेता ओम प्रकाश राजभर ने साफ कहा कि सपा का विघटन होगा, 100 प्रतिशत होगा। उन्होंने रामगोपाल यादव का नाम लेकर कहा कि उनके पास उन सांसदों की लिस्ट है, जो एनडीए में आना चाहते हैं।**
- **पता चला है कि 19 जून, शिव सेना के स्थापना दिवस पर शिव सेना के बागी सांसदों का गुट औपचारिक रूप से शिंदे गुट में शामिल हो सकता है।**

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जून। तृणमूल कांग्रेस में विभाजन के बाद, आज शिवसेना उद्धव बाल ठाकरे (यूबीटी) के 9 लोकसभा सांसदों में से 6 ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पत्र लिखकर संसद में एक अलग समूह के रूप में मान्यता देने की मांग की। बागी सांसदों ने शिवसेना के एकनाथ शिंदे गुट में विलय की मांग की है।

भाजपा का आधिकारिक रुख यह है कि ये क्षेत्रीय दल अपनी आंतरिक कमजोरियों और विरोधाभासों के कारण टूट रहे हैं। लेकिन राजनीतिक हलकों में बड़े पैमाने पर ऐसी अटकलें हैं कि संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत हासिल करने के उद्देश्य से भाजपा क्षेत्रीय दलों के विघटनों को प्रोत्साहित कर रही है। परिसीमन विधेयक की हार से पैदा हुई राजनीतिक असहजता के बाद, ऐसी चर्चाएँ हैं कि भाजपा संसद में आवश्यक संख्या जुटाने की रणनीति पर काम कर रही है। लेकिन तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) के बागी समूहों का समर्थन मिलने के बाद भी, एनडीए को संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल पाएगा। लोकसभा की कुल 543 सदस्यीय संख्या में, तृणमूल और शिवसेना (यूबीटी) के बागी सांसदों का समर्थन मिलने के बाद एनडीए के पास 312 सदस्य होंगे, जबकि दो-तिहाई बहुमत के लिए 362 सदस्यों की आवश्यकता है। इस प्रकार, एनडीए के पास दो तिहाई बहुमत के आँकड़े से करीब 50 सीटें कम रहेंगी।

राज्यसभा की 245 सदस्यीय संख्या (तीन इस्तीफों के बाद घटकर 243) में एनडीए के पास 154 सांसद हैं, जबकि दो-तिहाई बहुमत के लिए 163 सांसदों की आवश्यकता है। यानी, उसके पास दो -तिहाई बहुमत के आँकड़े से 9 सांसद कम हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या अब समाजवादी पार्टी को भी विभाजित करने की कोशिश की जाएगी?

पिछले कुछ सप्ताहों की इन अभूतपूर्व राजनीतिक घटनाओं ने एकात्मक राज्य व्यवस्था और एक-दलीय शासन (भाजपा का शासन) के उदय जैसी स्थिति को लेकर गंभीर चिंताएँ पैदा कर दी हैं। विपक्षी नेताओं का आरोप है कि देश की राजनीति में क्षेत्रीय दलों की भूमिका समाप्त करने के लिए सत्तारूढ़ पक्ष हर तरह की रणनीति अपना रहा है। शिवसेना के वफादार नेता संजय राउत ने आरोप लगाया कि बागी सांसदों को आर्थिक प्रलोभन दिए गए हैं और उन्हें 15 करोड़ से 50 करोड़ रुपये तक के प्रस्ताव मिले हैं। शिवसेना (यूबीटी) के वफादार नेताओं, संजय राउत, अरविंद सावंत और अनिल देसाई, ने आज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से भेंट की और उनसे आग्रह किया कि मूल पार्टी का पक्ष सुने बिना किसी अलग हुए समूह को मान्यता न दी जाए। शिवसेना (यूबीटी) के बागी सांसदों में संजय जाधव, ओमराजे निम्बालकर, संजय देशमुख, नागेश पाटिल अष्टीकर, भाऊसाहेब वाकचौरे और संजय दीना पाटिल शामिल हैं। बताया जा रहा है कि ये सांसद, जिनमें से कुछ चार्टर्ड विमान से आए, दिल्ली पहुँच चुके हैं। शिंदे गुट के साथ औपचारिक विलय 19 जून, जो शिवसेना का स्थापना दिवस है, को होने की संभावना है। इसी बीच, राजनीतिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रेस लगा रहे ट्रैक्टर ई रिक्शा से भिड़े, 6 महिलाओं की मौत

- **दोनों ट्रैक्टर चालक पकड़े गए।**

बदायूं, 17 जून (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में बदायूं जिले के उझानी कोतवाली क्षेत्र में बुधवार दोपहर को हाइवे पर रेस लगा रहे ट्रैक्टरों ने एक ई-रिक्शा को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में ई रिक्शा सवार छह महिलाओं की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जिलाधिकारी ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए है। ट्रैक्टर चालकों को पकड़ लिया गया है।

जिलाधिकारी राय ने बताया कि पुलिस की जांच में ये पता चला है कि कछला और उझानी के बीच फूलपुर क्षेत्र में बुधवार दोपहर हाईवे पर दो ट्रैक्टर चालक रेस लगा रहे थे। इसी बीच तेज रफ्तार ट्रैक्टरों ने एक ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा पर सवार महिलाएं व अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा, जहां छह महिलाओं को मृत घोषित कर दिया गया।

ग्रामीणों के अनुसार, मोहल्ला मुरावन नगला निवासी तथा हादसे में घायल हुये डाल सिंह के बेटे कुंवर पाल की शादी 29 जून को होनी है। परिवार की महिलाएं शादी की रस्म के लिए भात मांगने पड़ोस के गठोना गांव जा रहीं थीं।

अब क्या करेंगी, ममता बनर्जी?

राजनैतिक गलियारों में चर्चा है कि ममता बनर्जी के सामने तीन विकल्प हैं, जिनमें से वे कोई एक चुन सकती हैं

- **पहला यह कि वे पार्टी के किसी लोकसभा सांसद से इस्तीफा दिलवाकर लोकसभा चुनाव लड़ें और संसद जाएं, लेकिन अब बंगाल में चुनाव जीतना आसान नहीं है।**
- **दूसरा विकल्प है, राज्यसभा का, लेकिन पार्टी के पास मात्र 80 विधायक हैं। इनके बल पर राज्यसभा चुनाव जीतने के लिए उन्हें अपने 5 सदस्यों से इस्तीफा दिलवाना होगा, पर इसमें खतरा यह है कि शेष चार सीटें भाजपा को मिलेंगी।**
- **तीसरा व अंतिम विकल्प है कि फिर से जनता के बीच जाएं और तृणमूल कांग्रेस को पुनर्जीवित करें।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जून। अभी से ये अटकलें शुरु हो गई हैं कि एन.डी.ए. सरकार का मुकाबला करने के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ममता बनर्जी को संसद भेज सकती है।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल से राज्यसभा में 16 सांसद चुने जाते हैं। जिन पाँच राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल पूरा हुआ था, उनके लिए चुनाव इस वर्ष पहले ही हो चुके हैं। इसलिए यदि ममता बनर्जी राज्यसभा में जाना चाहती हैं, तो उन्हें 16 में से कम से कम पाँच सांसदों से इस्तीफा दिलवाना होगा।

वर्तमान स्थिति में राज्यसभा उपचुनाव जीतने के लिए 148 वोटों की आवश्यकता है, जबकि टीएमसी के पास केवल 80 विधायक हैं। इसलिए 80 विधायकों के बल पर राज्यसभा उपचुनाव जीतने के लिए कम से कम पाँच टीएमसी राज्यसभा सांसदों को इस्तीफा देना होगा, जिससे आवश्यक मतों का कोटा घटकर लगभग 50 रह जाएगा। इस स्थिति में टीएमसी एक सीट तो जीत सकती है, लेकिन सबसे अधिक लाभ भाजपा को होगा, क्योंकि वह शेष चार सीटें जीत सकती है। इसलिए यह संभावना कम दिखाई देती है कि ममता बनर्जी राज्यसभा जाएँगी।

ममता बनर्जी के लिए संसद में प्रवेश करने का सबसे आसान रास्ता लोकसभा है। पश्चिम बंगाल से टीएमसी के 29 लोकसभा सांसद हैं। यदि पार्टी के किसी मजबूत क्षेत्र से चुना गया कोई टीएमसी सांसद इस्तीफा देता है, तो ममता बनर्जी उस सीट से चुनाव लड़ सकती हैं और जीत की उम्मीद कर सकती हैं तथा इस प्रकार वे लोकसभा में पहुँच सकती है। लेकिन पश्चिम बंगाल की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए, वह चुनाव टीएमसी के लिए आसान नहीं होगा।

ममता बनर्जी के सामने तीसरा विकल्प यह है कि वे पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को फिर से मजबूत करें और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर यह समझने की कोशिश करें कि किन कारणों से मतदाता टीएमसी से दूर हुए।

बंगाल में लगभग 40 प्रतिशत मतों के साथ ममता बनर्जी अब भी एक लोकप्रिय चेहरा हैं, लेकिन कल्याणकारी योजनाओं के बावजूद, पार्टी की जमीनी पकड़ कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है। वे इस अवसर का उपयोग करके मतदाताओं के साथ पार्टी के जमीनी संबंधों को फिर से मजबूत कर सकती हैं।

निर्धारित समय पर ही होंगे, विधानसभा चुनाव

चुनाव आयोग के सूत्रों ने 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव निर्धारित समय से पहले कराने की संभावना को खारिज किया

- **सूत्रों ने स्पष्ट किया कि चुनाव समय पर ही होंगे। जनगणना का दूसरा चरण अवश्य समय से पहले कर लिया जाएगा।**
- **सूत्रों ने यह भी कहा कि 14 जनवरी से हरिद्वार में कुंभ मेला हो रहा है, इसलिए उत्तराखंड के चुनाव सबसे अंत में होंगे।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जून। सूत्रों के अनुसार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा में विधानसभा चुनाव अगले वर्ष फरवरी में तय कार्यक्रम के अनुसार ही कराए जाएंगे।

जनगणना और कुंभ के कारण चुनाव निर्धारित समय से पहले कराये जाने की खबरों को स्पष्ट करते हुए सूत्रों ने कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

कुछ राजनीतिक दलों ने कहा था कि जनगणना के दूसरे चरण के कारण विधानसभा चुनाव जल्दी कराए जा सकते हैं। उनका तर्क था कि सरकारी कर्मचारी जनगणना कार्य में व्यस्त रहेंगे, जिससे चुनाव कराना कठिन हो जाएगा। जनगणना कार्य में लगे सरकारी अधिकारियों को अक्सर चुनावी ड्यूटी भी दी जाती है।

लेकिन सूत्रों ने स्पष्ट किया कि चुनाव समय पर ही होंगे। इसके बजाय, जनगणना का दूसरा चरण थोड़ा पहले किया जा सकता है, ताकि सरकारी कर्मचारी चुनावी ड्यूटी के लिए उपलब्ध रह सकें।

जनगणना का पहला चरण अप्रैल से सितंबर के बीच हो रहा है, जिसमें मकान सूचीकरण किया जा रहा है। दूसरा चरण फरवरी में पूरे देश में होगा, जिसमें व्यक्तिगत आंकड़े एकत्र किए जाएंगे। इस चरण में जातिगत गणना भी की जाएगी।

इसके अलावा, उत्तराखंड के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बैन के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचा टेलीग्राम

- **हाईकोर्ट ने टैलिग्राम याचिका पर केन्द्र सरकार को नोटिस जारी किया। अगली सुनवाई 18 जून को होगी।**

नई दिल्ली, 17 जून। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 21 जून को नीट-यूजी की दोबारा होने वाली परीक्षा के मद्देनजर सोशल मीडिया मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम को अस्थायी रुप से बंद करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर केन्द्र सरकार को नोटिस जारी किया है। जस्टिस तेजस करिया की बेंच इस मामले पर कल यानी 18 जून को सुनवाई करेगी।

सुनवाई के दौरान, केन्द्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केन्द्र सरकार ने ये आदेश आईटी कानून की धारा 69ए के तहत दिया है। केन्द्र ने टेलीग्राम को कई बार अपना सिस्टम ठीक करने को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूपी में गैर यादव ओबीसी मतों पर है भाजपा का फोकस

इसके लिए भाजपा ने प्रभावशाली जातीय नेताओं के साथ रणनीतिक गठबंधन बनाए हैं

- **भाजपा का 2014 से उन छोटी-छोटी जातियों पर जोर रहा है, जो संख्या में कम हैं, पर अपने-अपने क्षेत्र में चुनावों में निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं।**
- **इन जातियों में निषाद, कुर्मी, राजभर प्रजापति, पाल, विश्वकर्मा आदि प्रमुख हैं।**
- **उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव न केवल 2029 के लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल होंगे, बल्कि योगी सरकार के 10 साल के काम काज का ''लिटमस टैस्ट'' भी होंगे।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जून। उत्तर प्रदेश की राजनीति जाति के इर्द-गिर्द घूमती है। चाहे सवर्ण हों, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) हों या दलित-जाति, ये राज्य की राजनीतिक व्यवस्था का केन्द्रीय आधार बनी हुई है। इस संरचना में दलितों के बाद ओबीसी सबसे प्रभावशाली समूह हैं। लेकिन ओबीसी वोट एक समान नहीं है; यह दो भागों में बंटा हुआ है-यादव और गैर-यादव ओबीसी। जहाँ समाजवादी पार्टी (सपा) यादव समुदाय पर मजबूत पकड़ बनाए हुए है, वहीं, भारतीय जनता पार्टी सुविचारित रुप से गैर-यादव ओबीसी वोट बैंक को साधने की रणनीति पर काम कर रही है। यह रणनीति 2027 विधानसभा चुनावों की उसकी रणनीति का केन्द्र बन चुकी है।

भाजपा अब 2029 लोकसभा चुनाव से पहले होने वाली ''सेमी-फाइनल'' लड़ाई की तैयारी में जुट गई है। दिलचस्प बात यह है कि 2027 के विधानसभा चुनाव योगी आदित्यनाथ सरकार के 10 वर्षों के शासन की परीक्षा भी होंगे।

2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से भाजपा ने यूपी के राजनीतिक नक्शे को बदलते हुए छोटे-छोटे गैर-यादव ओबीसी समुदायों, जैसे कुर्मी, कोइरी, राजभर, प्रजापति, निषाद आदि, को एकजुट करने में सफलता पाई है। यह गठबंधन 2017 और 2022 की जीतों का मुख्य आधार रहा, जिसने बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी के पुराने प्रभुत्व को कमजोर कर दिया।

अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए, भाजपा ने कई जाति-आधारित नेताओं के साथ रणनीतिक गठबंधन किए हैं। डॉ. संजय निषाद (निषाद पार्टी): केवट/निषाद समुदाय को जोड़ने में अहम भूमिका रखते हैं। ओम प्रकाश राजभर (सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी): राजभर वोट बैंक को साधने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अनुप्रिया पटेल (अपना दल-एस): कुर्मी राजनीति का प्रमुख चेहरा हैं, जिनका गठबंधन भाजपा की पकड़ मजबूत करता है।

भाजपा की मौजूदा रणनीति छोटे, लेकिन संख्या में महत्वपूर्ण ओबीसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'शांति समझौते का मसौदा पसंद नहीं आया तो फिर ईरान पर हमला करेंगे'

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप फिर पलटे, फ्रांस में जी-7 समिट में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, ईरान के साथ हुई डील ''फाइनल'' नहीं है

- **ईरान के साथ हुए इस बहुचर्चित शांति समझौते के एमओयू पर एक-दो दिन में ही साइन होने वाले थे, पर, अब यह समझौता ट्रंप के ''मूड स्विंग'' और इज़रायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की अस्तित्व की चिंता और इज़रायली मीडिया के मैकनिज़्म में उलझ कर रह गया है।**
- **''पल में तोला पल में माशा'' वाले अपने अदांज़ में ट्रंप ने साफ कहा, ईरान को कोई राहत नहीं मिलेगी।**
- **डील को लेकर आरंभ से ही परस्पर विरोधी दावे हो रहे हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस ने कहा कि इज़रायल और लेबनान भी डील से बँधे हैं, वहीं इज़रायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा, इज़रायल डील की शर्तें मानने को बाध्य नहीं है।**

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जून। पश्चिम एशिया में शांति समझौते का भविष्य अभी भी अनिश्चित बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर अपना दोहरा रुख दिखाते हुए कहा कि यदि उन्हें समझौते का अंतिम मसौदा पसंद नहीं आया, तो अमेरिका फिर से ईरान पर हमले शुरू कर देगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब वॉशिंगटन और तेहरान के बीच महीनों से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए दो दिन बाद समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।

अगले दो दिनों में जिस एमओयू पर हस्ताक्षर होने की संभावना है, वह ट्रंप के बदलते और अनिश्चित स्वभाव, इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की राजनीतिक दुविधा और ज़ायोनी मीडिया की भूमिका के बीच फँसा हुआ दिखाई देता है।

फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी के साथ पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने बुधवार को कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच हुआ समझौता अभी ''फाइनल नहीं'' है।

ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ समझौता ''फाइनल नहीं'' है। उन्होंने इसे केवल एक ''मैचोरैन्डम ऑफ ''अन्डरस्टैन्डिंग'' बताया। उन्होंने कहा, ''नहीं, यह अंतिम नहीं है। यह एक एमओयू है। अगर मुझे यह पसंद नहीं आया तो हम फिर उन पर गोलीबारी करेंगे, उनके सिर पर बम गिराएंगे। अगर मुझे यह पसंद नहीं आया, अगर उन्होंने ठीक व्यवहार नहीं किया, तो हम फिर से उनके ऊपर बम बरसाना शुरू कर देंगे।''

अपनी राशि मिथुन (जेमिनी) की तरह ट्रंप ने एक ओर सख्त बयान दिया, तो दूसरी ओर समझौते की प्रशंसा भी की। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ एमओयू में तत्काल प्रतिबंध हटाने का प्रावधान नहीं है, लेकिन फिर भी यह एक मजबूत और सकारात्मक कदम है। जी-7 सम्मेलन में उन्होंने कहा, ''यह बहुत मजबूत समझौता है। किसी को ठीक-ठीक नहीं पता कि इसमें क्या है, लेकिन यह बहुत मजबूत है और अधिकांश लोग इससे खुश दिखाई देते हैं।'' उन्होंने बाजारों की सकारात्मक प्रतिक्रिया को भी समझौते पर भरोसे का संकेत बताया।

इस बीच तेहरान ने आरोप लगाया है कि अमेरिका और ईरान के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर होने के बाद से इज़रायल ने लेबनान युद्धविराम का 84 बार उल्लंघन किया है। ईरान ने चेतावनी दी है कि यदि ये हमले जारी रहे तो वह ''कड़ा जवाब'' देगा। यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब दक्षिणी लेबनान में इज़रायली हमलों में चार लोगों की मौत हुई और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने नेतन्याहू से लेबनान के मामले में ''अधिक जिम्मेदारी'' दिखाने को कहा।

टैंकरट्रैकर्स के अनुसार, ईरानी तेल लेकर जा रहा तीसरा टैंकर ओमान की खाड़ी में अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी रेखा को पार कर चुका है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका के साथ किसी भी समझौते में प्रतिबंधों में राहत, ईरान की फ्रीज़ की हुई संपत्तियों की रिहाई और लेबनान से इज़रायल की वापसी शामिल होनी चाहिए।

वॉशिंगटन और तेहरान 19 जून को एक अंतरिम समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर करने वाले हैं, जिसका उद्देश्य ईरान के खिलाफ अमेरिका-इज़रायल युद्ध को समाप्त करना है।

हालाँकि समझौते के कई महत्वपूर्ण विवरण अभी सामने नहीं आए हैं, लेकिन माना जा रहा है कि इस एमओयू से ईरान के परमाणु कार्यक्रम और अन्य लंबित मुद्दों पर 60 दिनों की वार्ता का रास्ता बनने की उम्मीद है। समझौते का पूरा टैक्स्ट अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

अमेरिका और ईरान संघर्ष समाप्त करने के लिए समझौते के करीब पहुँचने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सतर्क रुख अपनाते हुए कहा, ''हमारे पास टूटे हुए वादों का इतिहास है... समझौतों को तोड़े जाने का इतिहास है। यह सब हमारी याद में मौजूद है।''

अमेरिका और ईरान ने वर्चुअल माध्यम से एमओयू पर हस्ताक्षर कर दिए हैं, जिससे अंतिम समझौते की उम्मीद बढ़ी है। लेकिन एक्सियोस की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को इस बात पर ''गंभीर'' संदेह है कि ईरान परमाणु कार्यक्रम को लेकर आवश्यक रियायतें देने को तैयार होगा।

यह भी कहा जा रहा है कि एक्सियोस ऐसी खबरें प्रकाशित कर रहा है जिनसे यह समझौता कमजोर पड़ सकता है। जानकार सूत्रों के अनुसार, एक्सियोस को इज़रायल समर्थक ज़ायोनी समूहों से भारी वित्तीय सहायता मिलती है और वह इज़रायल के रणनीतिक हितों की रक्षा और बढ़ावा देने की दिशा में काम करता दिखाई देता है। घरेलू दबाव का सामना कर रही नेतन्याहू सरकार मौजूदा युद्ध जैसी स्थिति को बनाए रखना चाहती है और प्रस्तावित समझौते के पक्ष में नहीं है।

हालाँकि ट्रंप ने कई बार इज़रायली प्रधानमंत्री के प्रति अपनी नाराजगी जताई है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि वह ज़ायोनी लॉबी के दबाव की पूरी तरह अनदेखी करने की स्थिति में नहीं हैं।

ब्लूमबर्ग द्वारा प्राप्त एक ज्ञापन के अनुसार, अमेरिका और उसके क्षेत्रीय सहयोगी ईरान के पुनर्निर्माण के लिए परियोजनाओं पर काम करेंगे, जिसे युद्ध क्षतिपूर्ति का हिस्सा माना जा रहा है। ज्ञापन में कम से कम 300 अरब डॉलर की सहायता राशि का उल्लेख किया गया है।

हालाँकि दोनों पक्षों का कहना है कि शुक्रवार से होर्मुज़ जलडमरूमध्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

समय सबसे बड़ा चिकित्सक है, वक्त हर घाव का मरहम है। –कहावत

शौर्य-पराक्रम मेवाड़ रत्न महाराणा प्रताप

इतिहास गवाह है कि मुगल सम्राट अकबर के द्वारा दिये गये झूठे आश्वासन, उच्चस्थान, पदाधिकार आदि प्रलोभनों और भय से वशीभूत होकर कई राजपतू राजाओं ने सम्राट अकबर सत्ता के सामने नतमस्तक होकर उनकी अधीनता मंजूर कर ली थी जिससे यह स्थापित हो गया कि अधिकतर राजपूत अपना गौरव खो चुके थे ऐसा प्रतीत होता था कि मानों पूरा राजस्थान ही अपना आत्मगौरव खो कर अकबर की गुलामी स्वीकार कर ली थी। निराशा के ऐसे कठिन समय में मेवाड़ के महाराणा प्रताप का मातृभूमि की रक्षा के लिए राजनैतिक क्षेत्र में प्रवेश हुआ। नि:संदेह अकबर हिन्दुओं के जयचंदों की मदद बल से ही हिन्दू राजाओं को अपने अधीन करता था। तत्कालीन हिंदू राजाओं की कायरता एवं मूर्खता का अकबर ने भरपूर लाभ उठाया। हिन्दू स्वाभिमान को कुचलने के लिए अकबर ने सभी प्रकार के उपाय और लगभग सभी राजपूत राजाओं को अपने आधीन करने में सफल रहा। कई राजपूत राजाओं ने मान-सम्मान को ताक पर रखकर अपनी बेटियों को भी अकबर के दरबार में पहुंचा दिया। यह भारतीय इतिहास का सबसे कलंकित अध्याय है।

किन्तु इसके विपरीत मेवाड़, बूंदी तथा सिरोही वंश के राजा अंत तक अकबर से संघर्ष करते रहे। मेवाड़ के राणा उदयसिंह का स्वतंत्र रहना अकबर के लिए असहनीय था। चूँकि मेवाड़ के राजा उदय सिंह विलासी प्रवृत्ति के थे इसलिए अकबर ने मेवाड़ विजय के लिए भारी भरकम सेना के साथ मेवाड़ पर हमला बोल दिया। दुर्बल उदय सिंह का मनोबल बहुत ही गिरा हुआ था इसलिए वह मैदान छोड़ कर भाग गया। अरावली की पहाड़ियों पर छुप गया। वहीं पर उसने उदयपुर नामक नगर बसाया और राजधानी भी बनायीं। उदय सिंह ने अपनी मृत्यु के पूर्व अपनी कनिष्ठ पत्नी के पुत्र जगमल्ल को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया लेकिन उसके अन्य सरदारों ने जगमल्ल के खिलाफ विद्रोह कर दिया और महाराणा प्रताप को अपना राजा घोषित कर दिया। राजा घोषित होते ही प्रताप को विकट परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। राणा प्रताप के भाई शक्ति सिंह और जगमाल मुगलों से मिल गये। शत्रुओं का मुकाबला करने के लिए मजबूत सैन्य शक्ति की महती आवश्यकता थी। राणा प्रताप सदैव इसी चिंता में लगे रहते थे कि अपनी मातृभूमि को मुगलों से किस प्रकार मुक्त कराया जाये। परम पवित्र चितौड़ का विनाश उनके लिए बेहद असहनीय था। एक दिन राणा प्रताप ने दरबार लगाकर अपनी ओजस्वी वाणी में सरदारों का स्वतंत्रता की लड़ाई के लिए आव्हान करके उनमें नया जोश भरा तथा युद्ध की प्रेरणा प्रदान दी।

एक बार शीतल भाट उनके दरबार आ पहुंचा और शौर्य तथा वीरता की कविताएं सुनायीं। शीतल भाट की ओजस्वी वीरता का संदेश देने वाली कविता सुनकर महाराणा ने अपनी पगड़ी उतारकर भाट को इनाम में दे दी। राजपूतों के लिए उसकी पगड़ी आन नान धान। महाराणा प्रताप ने अचानक उस पर धावा बोल दिया। अचानक हमले से सभी मुगल सैनिक भाग खड़े हुये। इसी प्रकार महाराणा ने कई अन्य किले भी अपने आधीन कर लिये। बाद में उदयपुर भी राणाप्रताप के कब्जे में आ गया। इस प्रकार महाराणा प्रताप एक के बाद एक किले जीतते चले गये। महाराणा प्रताप की वीरता की बातें सुनकर अकबर शांत रह गया और उसने अपना सारा ध्यान दक्षिण की ओर लगा दिया। लगातार युद्ध करते रहने और संकटों को झेलने के कारण महाराणा का शरीर लगातार कमज़ोर होता जा रहा था। 19 जनवरी 1597 के दिन अंतिम सांस ली। भारतीय इतिहास के पुराण पुरूष महाराण प्रताप सिंह स्वाधीनता की रक्षा करने वाले मेवाड़ के स्वनामधन्य वीरों की मणिमाला मे सुर्कतिमान हैं।

अकबर को महान कहना चाहिए या फिर महाराणा प्रताप को? यह सवाल पिछले कई वर्षो से भारतीयों के मस्तिष्क में एक अनसुलझी पहेली बना हुआ है। यों तो अकबर और प्रताप दोनों अपनी अपनी जगह महान थे। दोनों के कारण भारत को फायदा हुआ। अकबर और प्रताप से हम आज भी बहुत कुछ सीख सकते हैं, बशर्ते हम शांत मन से चिंतन करें कि उस समय हुआ क्या था? अगर आप भारत को एक सूत्र में बांधने के काम को महान मानते हैं तो अकबर द्वारा की गई कोशिशे काबिले तारीफ थी, वहीं अल्प साधनों किन्तु अपनी मातृभूमि की स्वाधीनता और गौरव के लिये अद्भुत वीरता ओर प्राण न्योछावर करने के मजबूत इरादों के साथ आक्रमणकारी का सामना करते हुए आक्रान्ता को पीछे धकेलने का साहस मेवाड़ रत्न राणाप्रताप ने ही किया, इसलिये राणाप्रताप भी महान कहलाने के अधिकारी हैं।

महाराणा प्रताप मेवाड़ की अस्मिता के प्रतीक तो हैं ही उनका नाम देशभक्ति, स्वाभिमान और दृढ प्रण के लिये सम्मान के साथ लिया जाता है। उन्होंने जीवन पर्यन्त मेवाड़ की आजादी एवं अस्मिता के लिए मुगल बादशाह अकबरके साथ साथ निरंतर संघर्ष किया एवं कभी भी अकबर की आधीनता स्वीकार नहीं की। अकबर ने महाराणा प्रताप को समझाने के लिये एवं दिल्ली सल्तनत की अधीनता स्वीकार करने हेतु कई दूतों को भेजा जिनमें प्रमुख जलाल खान कोरची (सितम्बर 1572), मानसिंह (1573), भगवान दास (सितम्बर-अक्टूबर 1573) एवं टोडरमल (दिसम्बर 1573) मुख्य है। महाराणा प्रताप का जन्म 15 मई 1540 यानि ज्येष्ठ शुक्ला तृतीया, विक्रम संवत 1597 को कुम्भलगढ़ में महाराणा उदयसिंह एवं माता राणी जीवत कँवर के यहाँ हुआ था। महाराणा प्रताप की माता का नाम जैवन्ताबाई था, जो पाली के सोनगरा अखैराज की बेटी थी। महाराणा प्रताप को बचपन में कीका के नाम से पुकारा जाता था। महाराणा प्रताप का राज्याभिषेक गोगुंदा में हुआ। महाराणा प्रताप ने अपने जीवन में कुल 11 शादियां की थी। कहा जाता है कि उन्होंने ये सभी शादियां राजनीतिक कारणों से की थी।

मेवाड़ के आदिवासी भीलों ने हल्दी घाटी में अकबर की फौज को अपने तीरो से रौंद डाला था सभी भील महाराणा प्रताप को अपना बेटा मानते थे और राणा जी बिना भेद भाव के उन के साथ रहते थे। आज भी मेवाड़ के राजचिन्ह पर एक तरफ राजपूत है तो दूसरी तरफ भील। शत्रु सेना से घिर चुके महाराणा प्रताप को उनके विद्रही भाई शक्ति सिंह ने बचाया, किन्तु इस युद्ध में राणाप्रताप के प्रिय घोड़े चेतक की भी मृत्यु हो गई।

अकबर कूटनीती का जानकार था इसलिए उसने अपनी दो लाख सेना का नेतृत्व सलीम व मान सिंह को सौंपा। यह युद्ध बहुत ही भयंकर था। महाराणा प्रताप ने पूरी सजगता-वीरता के साथ युद्ध लडा लेकिन यह निर्णायक नहीं रहा। हल्दी घाटी की लड़ाई (18 जून 1576) हल्दीघाटी का कण-कण आज भी प्रताप की सेना के शौर्य, पराक्रम और बलिदानों की कहानी कहता है। 18 जून 1576 का भारत के इतिहास में एक विशिष्ट स्थान है क्योंकि इसी दिन प्रसिद्ध हल्दीघाटी की लड़ाई में लगभग बाईस हजार आजादी के मतवाले राजपूतों के साथ राणा प्रताप ने अकबर की मुगल सेना के सेनापति राजा मानसिंह एवं आसफ खाँ की अस्सी हजार सैनिकों की विशालकाय सेना का वीरता पूर्वक सामना किया था। हल्दीघाटी की लड़ाई मात्र एक दिन चली परन्तु इसमें 14000 राजपूत सैनिकों को अपने प्राणों की आहुती देनी पड़ी। हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप की तरफ से लडने वालों के अंदर मुस्लिम सरदार हकीमखां सूरी भी थे। मेवाड़ के आदिवासी भीलों ने हल्दी घाटी में अकबर की फौज को अपने तीरो से रौंद डाला था सभी भील महाराणा प्रताप को अपना बेटा मानते थे और राणा जी बिना भेद भाव के उन के साथ रहते थे। आज भी मेवाड़ के राजचिन्ह पर एक तरफ राजपूत है तो दूसरी तरफ भील। शत्रु सेना से घिर चुके महाराणा प्रताप को उनके विद्रही भाई शक्ति सिंह ने बचाया, किन्तु इस युद्ध में राणाप्रताप के प्रिय घोड़े चेतक की भी मृत्यु हो गई। चित्तौड़ की हल्दीघाटी में चेतक की समाधि बनी हुई है। चेतक का अंतिम संस्कार महाराणा प्रताप और उनके भाई शक्ति सिंह ने किया था। महाराणा प्रताप के भाले और कवच का वजन 80 किलो था। महाराणा प्रताप की तलवार कवच आदि सामान उदयपुर राज घराने के संग्रहालय में रखे हुए हैं। मेवाड़ राजघराने के वारिस को एकलिंग जी भगवान का दीवान माना जाता है।

दानवीर भामाशाह का त्याग युद्धभूमि पर उपस्थित बाईस हज़ार राजपूत सैनिकों में से केवल आठ हज़ार जीवित सैनिक युद्धभूमि से किसी प्रकार बचकर निकल पाये। मेवाड़ को जीतने के लिये अकबर ने सभी प्रयास किये किन्तु वो सफल नहीं हो सका। निरंतर सघर्ष के कारण महाराणा की आर्थिक हालत दिन-प्रतिदिन कमजोर होती गई एवं एक बार तो वो विचलित भी हो गये। विपत्तियों के इन क्षणों में भामाशाह ने अपने जीवन की सारी कमाई को राणाप्रताप को अर्पित कर मेवाड़ की रक्षा हेतु लड़ाई चालू रखने का निवेदन किया। भामाशाह की यह आर्थिक सहायता लगभग 25000 राजपूतों की सेना के 12 साल तक का वेतन और निर्वाह के लिए पर्याप्त थी। अपनी दानशीलता के लिए भामाशाह भी इतिहास पुरुष बने इसीलिये आज भी कई राज्यों में उनके नाम से जन कल्याणकारी योजनायें चला रहें हैं।

झाला सरदार मन्नाजी का बलिदान हल्दीघाटी का युद्ध अत्यन्त घमासान हो गया था। एक समय ऐसा आया जब शहजादा सलीम पर राणा प्रताप स्वयं आक्रमण कर रहे थे, दोनों लहूलुहान हो गये थे, इस दृश्य को देखकर कर हजारों मुगलसैनिक सलीम की रक्षा करने हेतु उसी तरफ़ बढ़े और राणाप्रताप को चारों तरफ़ से घेर कर उन पर प्रहार करने लगे। राणाप्रताप के सिर पर मेवाड़ का राजमुकुट लगा हुआ था अत:मुगलों ने मिलकर उन्हीं को निशाना बना लिया था वहीं दुसरी तरफ राणाप्रताप के रणबाकुरें राजपूतसैनिक भी प्रताप को बचाने के लिए अपने प्राण को हथेली पर रख कर संघर्ष कर रहे थे। दुर्भाग्यवश प्रताप संकट में फँसते जा रहे थे। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए झाला सरदार मन्ना जी ने स्वामिभक्ति का एक बेमिसाल आदर्श प्रस्तुत करते हुए अपने प्राणों का बलिदान कर दिया। झाला सरदार मन्नाजी तेजी के साथ युद्ध भूमि में सैनिकों को चीरते हुए आगे बढे और राणा प्रताप के सिर से मुकुट उतार कर अपने सिर पर रख लिया और तेजी के साथ कुछ दूरी पर जाकर मुगलों से घमासान युद्ध करने लगे। मुगलों ने झाला सरदार मुन्नाजी को ही प्रताप समझा और उस पर टूट पड़े, इस तरह राणाप्रताप को राष्ट्र युद्ध भूमि से दूर निकल जाने का अवसर मिल गया। उनका सारा शरीर असंख्य घावों से लहूलुहान हो चुका था। युद्धभूमि से लौटते समय राणाप्रताप मेवाड़ के वीर मन्नाजी को अपने प्राणों की आहुती देते देखा। इस युद्ध में नगण्य संख्या में मौजूद राजपूतों ने बहादुरी के साथ मुगलों का सामना किया, परन्तु तोपों तथा बंदूकधारियों से सुसज्जित शत्रु की विशाल सेना के सामने उनका समूचा परिश्रम निष्फल रहा। इतिहास के पन्नों में झाला सरदार मुन्ना जी का बलिदान स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जायेगा।

राणा प्रताप का इतिहास प्रसिद्ध घोड़ा चेतक मूल रूप से काठियावाड़ मूल का अश्व था जो उनको उनके प्राणो से ज्यादा प्रिय था। चेतक की चाल हवा से भी ज्यादा थी। हल्दी घाटी की लड़ाई उसकी एक पाँव बुरी तरह से जख्मी हो गया उसके बावजद चेतक ने प्रताप की जान बचाई और वीर गति को प्राप्त हुआ था। आज भी उसकी स्वामी भक्ति को आदर से याद किया जाता है। आज जब समस्त राष्ट्र सांप्रदायिक दंगों की विभिषिका से ग्रस्त है और गंगा-जमुना संस्कृति खतरे में है। वहीं दुसरी तरफ महाराणा प्रताप की नीतियां और कार्यशेली मेवाड़ और राजस्थान में सैकड़ों वर्षों से चली आ रही हिदू-मुस्लिम एकता को बताती हैं।

डॉ. शर्मा के मुताबिक अब्दुल रहीम खान-ए-खाना को अकबर ने हल्दीघाटी युद्ध के बाद अजमेर का सूबेदार बनाया था रहीम खान को एक ही आदेश था महाराणा प्रताप को जिंदा या मुर्दा पकड़ना है। इसके लिए रहीम ने अपना कैंप आबू की तलहटी में लगाया। उस समय प्रताप सुंधा माता की पहाड़ियों में रह रहे थे। प्रताप के बेटे अमर सिंह ने रहीम के कैंप का पता पता लगा करके और उसे युद्ध में परास्त करके उसकी बेगम को अगवा कर प्रताप के पास ले आए। अमर सिंह ने तर्क दिया कि जो मुगल उनके साथ करते हैं वहीं वो उनके बच्चों के साथ करेंगे। जैसे ही ये बात महाराणा प्रताप को पता चली तो वे अमर सिंह पर क्रोधित होकर अपना आपा खो कर अपने बेटे अमर सिंह को वापस महिला को सम्मान से सुरक्षित उनके कैंप में भिजवाने की व्यवस्था के आदेश दिए। प्रताप ने कहा चाहे वो हिंदू हो या मुस्लिम नारी, स्त्री हमेशा भारतीय संस्कृति में आदरणीय रही है। इसका परिणाम होता है कि रहीम खुद अकबर को कहता है कि प्रताप इतने महान हैं। ऐसे महान व्यक्तित्व के खिलाफ वह संघर्ष नहीं कर सकता। इसके बाद रहीम की अजमेर से सूबेदारी हटा दी गई थी। अब्दुल रहीम ही बाद में श्रेष्ठ कवि रहीम के रूप में पहचाने गए।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. जे.के. गर्ग, पूर्व संयुक्त निदेशक
कालेज शिक्षा, जयपुर

ताबीज से ट्रांजिस्टर तक: विवेकानंद के सपने से विज्ञान के कदम तक - तथ्यपरक जन-जागृति लेख

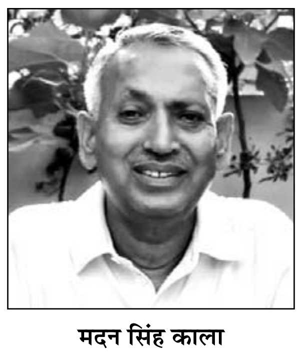

मदन सिंह काला

धर्म दुनिया भर में कैसे पनपा? 12 हजार साल पहले खेती शुरू हुई। इंसान ने सोचा– 'बारिश कौन कराता है?' जवाब नहीं था। मिस्त्र ने सूरज को 'रा' कहा, यूनान ने बिजली को 'ज्यूस' (Zeus)। भारत में ऋग्वेद 1500 ईसा पूर्व : अग्नि, वरुण, इंद्र की स्तुति। डर और अनिश्चितता से 'प्रकृति-पूजा' निकली। फिर गांव और शहर बने। 10 हजार लोग साथ रहें तो नियम चाहिए। राजा के डंडे से ज्यादा 'भगवान का डर' काम आया। मिस्त्र के फिरऔन 'ईश्वर का बेटा' कहलाए, भारत में राजा 'इंद्र का अंश'। धर्म दो खंभों पर खड़ा हुआ– 1. प्रकृति का डर, 2. समाज चलाने का नियम। –आज संयुक्त राष्ट्र के 193 देशों में 4,300 से ज्यादा धर्म-संप्रदाय दर्ज हैं। पर जड़ एक– जो समझ नहीं आया, उसका जवाब भगवान के नाम पर रचित ग्रंथो से दिया।

'मानो मत, जानो' की चिंगारी कब फूटी? 600 ईसा पूर्व यूनान में थेल्स ने पानी को मूल बताया– भगवान को नहीं। भारत में चार्वाक बोला– 'भस्मीभूतस्य देहस्य पुनरागमनं कुत:'। अर्थात जला हुआ शरीर वापस कैसे आएगा? बुद्ध ने कहा– 'ईश्वर पर बहस मत करो, दुख का कारण खोजो'। धर्म से असली बगावत 1543 में हुई। कॉपरनिकस ने कहा, 'धरती नहीं, सूरज केंद्र है'। इसे चर्च ने 1616 में बैन किया। 1633 में गैलीलियो ने कहा "पृथ्वी सूर्य के चारों ओर परिक्रमा लगाती है" –उससे धार्मिक दबाव में माफी मंगवाई। 1859 में डार्विन: 'ऑरिजिन ऑफ स्पीशीज' – बाइबल हिल गई। –कैसे? बाइबल कहती थी भगवान ने सभी जीव 6 दिन में एक जैसे बनाए। डार्विन ने कहा नहीं, जीव 'प्राकृतिक चयन' से धीरे-धीरे बदले, इंसान भी विकास का नतीजा है। इंसान 'ईश्वर की खास रचना' से 'कुदरत का उत्पाद' बन गया। इसलिए चर्च काँप गया।– विज्ञान का सूत्र बना: 1. देखो, 2. सोचो, 3. करके दिखाओ, 4. दुनिया से जांच कराओ। 'आप्त-वाक्य' की जगह 'प्रयोग-वाक्य' आया।

1660 में लंदन में 'रॉयल सोसाइटी' बनी। राजा का आदेश– 'यहाँ बाइबल पर बहस नहीं, प्रकृति पर प्रयोग होगा'। 1666 में पेरिस 'एकेडमी ऑफ साइंसेज'। जर्मनी ने 1809 में हम्बोल्ट यूनिवर्सिटी मॉडल दिया– पढ़ाई, लैब और फैक्ट्री। अमेरिका ने 1790 में पेटेंट कानून – 'नया बनाओ, 20 साल कमाओ'। 1868 में जापान के मेजी सम्राट: 'पश्चिमी विज्ञान सीखो, वरना गुलाम बनोगे'। 1917 में लेनिन ने यूएसएसआर साम्यवाद की सत्ता और बिजलीकरण को अपना लक्ष्य बनाया। 1978 में देंग शियाओपिंग: 'विज्ञान पहली उत्पादक शक्ति है'। वर्तमान के विकसित देशों ने धर्म को ड्राइंग-रूम में भेजा, बजट को लैब में।

आँकड़े झूठ नहीं बोलते: 2023 मानव विकास सूचकांक टॉप-10: स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, जर्मनी, अमेरिका। ये देश सकल घरेलू उत्पाद का औसत 3 प्रतिशत रिसर्च पर लगाते हैं। 1901-2023 विज्ञान नोबेल: अमेरिका 409, ब्रिटेन 138, जर्मनी 111, जापान 29, भारत 9 – जिनमें 3 मूल भारतीय। प्रति व्यक्ति आय 2023: अमेरिका 80,412 डॉलर, भारत 2,601 डॉलर। विश्व बौद्धिक संपदा संगठन 2023: अमेरिका ने 55,266 पेटेंट फाइल किए, चीन 70,015, भारत 8,013। –जहाँ पेटेंट, वहाँ प्रोडक्ट। जहाँ प्रोडक्ट, वहाँ एक्सपोर्ट। जहाँ एक्सपोर्ट, वहाँ डॉलर।–

–भारत का विज्ञान – गौरव भी, गड्ढा भी।– 800 ईसा पूर्व सुश्रुत ने 300 सर्जरी, 120 औजार लिखे। 500 ईस्वी आर्यभट्ट ने पाई 3.1416, धरती का व्यास 99.8 प्रतिशत सही निकाला। 700 ईस्वी ब्रह्मगुप्त ने 'गुरुत्वाकर्षण' दिया– न्यूटन से 1000 साल पहले। नागार्जुन ने पारा-शोधन, भास्कर-द्वितीय ने कैलकुलस की नींव। फिर 1200 ईस्वी बाद नालंदा जला। तुर्क-मुगल काल में 'इल्म' मदरसों तक सिमटा, 'शिल्प' जाति में बँधा। अंग्रेज आए तो हमने रेल देखी, बनाई नहीं। आजादी के बाद: 1948 भाभा-एटॉमिक एनर्जी, 1969 साराभाई-इसरो, 1974 इंदिरा गांधी का पहला पोखरण, –1998 अटल बिहारी वाजपेई सरकार का पोखरण-2 – 11 से 13 मई तक 5 परमाणु परीक्षण, प्रतिबंधों के बावजूद भारत परमाणु शक्ति बना-, 2008 चंद्रयान-1, 2014 मंगलयान पहले प्रयास में, 2023 चंद्रयान-3 दक्षिणी ध्रुव पर पहला। कोविड में 2.2 अरब वैक्सीन डोज, 100 देशों को सप्लाई। यूपीआई से 2023 में 13.9 अरब लेनदेन एक महीने में। कुछ क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता भी आई है जैसे अंतरिक्ष और वैक्सीन में हम नंबर-1 हैं। पर चिप, पैसेंजर जेट इंजन, एमआरएनए प्लेटफॉर्म, लिथियम रिफाइनिंग में अब भी 70-95 प्रतिशत आयात।

1893 में स्वामी विवेकानंद शिकागो गए। धर्म-संसद में भारत का सिर ऊँचा किया। पर अमेरिका की फैक्ट्री, लैब देखकर सो नहीं पाए। दूसरी बार अमेरिका गये और 3 मार्च 1900 को सैन फ्रांसिस्को में बोले: _'India is saturated with religion. What India wants is not religion, but bread.'_ यानी भारत धर्म से सराबोर है। भारत को धर्म नहीं, रोटी चाहिए। 1898 में स्वामी विवेकानंद ने, जब जहाज पर टाटा से मिलन हुआ तो 'मंदिर नहीं, विज्ञान की लैब बनाओ' का संदेश दिया। टाटा ने 1909 में आईआईएससी बनवाया। 1899 कलकत्ता प्लेग में खुद झाड़ू उठाई। बोले-जब तक मेरे देश में एक कुत्ता भी भूखा है, मेरा पूरा धर्म उसे रोटी देना है।

–अब रिसर्च इनोवेशन बनाम उञ्ज का हिसाब देखते हैं:– यूनेस्को 2022: जो देश रिसर्च पर खर्च करता है, वही दुनिया पर राज करता है। भारत कहाँ?– भारत 0.64 प्रतिशत – दुनिया में 39वां नंबर। रिसर्चर प्रति 10 लाख आबादी: इज़राइल 8,342, अमेरिका 4,452, चीन 1,307, भारत सिर्फ 253। प्राइवेट सेक्टर की हिस्सेदारी: अमेरिका 78 प्रतिशत, चीन 77 प्रतिशत, भारत 36.4 प्रतिशत। यानी हमारे सेठ लैब नहीं, मॉल खोलते हैं और विदेशी सामान की ट्रेडिंग करते हैं।

परिणाम : वाणिज्य मंत्रालय 2023-24: कुल आयात 677 अरब डॉलर। 1. कच्चा तेल 179 अरब – 87 प्रतिशत निर्भर। 2. इलेक्ट्रॉनिक्स 89 अरब – 60 प्रतिशत चीन। 3. सेमीकंडक्टर 26 अरब – 99 प्रतिशत आयात। दवा का कच्चा माल एपीआई 68 प्रतिशत चीन से। रक्षा आयात 2.93 अरब डॉलर – दुनिया में चौथा बड़ा खरीदार। –सीधा गणित है जो 3 प्रतिशत लगाता है, वो ही बेचता है। जो 0.64 प्रतिशत लगाता है, वो खरीदता है।– हम 'असेंबली हब' बने, 'इनोवेशन हब' नहीं। विवेकानंद ने 125 साल पहले 'material civilization' माँगी थी। हम अब भी माँग रहे हैं।

–भारत को पंथनिरपेक्षता क्यों चाहिए? विवेकानंद ने ही बताया।– पहला – प्रतिभा किसी की बपौती नहीं। 140 करोड़ में हर धर्म-जाति में विवेक है। अगर आईआईटी का फॉर्म 'धर्म' पूछे, तो कलाम, नादेला, पिचाई कैसे निकलेंगे? नासा में 36 प्रतिशत वैज्ञानिक भारतीय मूल के – क्योंकि अमेरिका ने 1965 में धर्म-रंग देखना बंद किया। दूसरा – निवेश। 2022 में भारत को 49 अरब डॉलर एफडीआई मिला। मूडीज: 'सामाजिक अशांति 1 प्रतिशत बढ़े तो निवेश 2 प्रतिशत घटता है'। तीसरा – विज्ञान का माहौल। विवेकानंद 1896 लंदन: _'Science and religion will meet and shake hands'_ यानी विज्ञान और धर्म मिलेंगे और हाथ मिलाएंगे। शर्त – 'धर्म तरक्की में रोड़ा न बने'। धर्म के नाम पर अकाल मृत्यु के ग्रास बने लोगों का इतिहास :'एनसाइक्लोपीडिया ऑफ वॉर्स' के अनुसार 1763 युद्धों में से 7 प्रतिशत 'पूरी तरह धार्मिक'। क्रूसेड 1095-1291 – 10-30 लाख मौतें। यूरोप के धार्मिक युद्ध 1524-1648 – 80 लाख से 1 करोड़। भारत विभाजन 1947 – 10-20 लाख। 21वीं सदी आतंक – 2000-2023 तक 2.1 लाख मौतें। कुल 2.5-3.5 करोड़। – तुलना: प्रथम विश्वयुद्ध में 2 करोड़, ष्ठ के अनुसार कोविड-19 से दुनिया भर में 70 लाख और भारत में 5.3 लाख दर्ज मौतें।–

–अब उत्पादन के स्त्रोतों पर विचार करते हैं।– एसोचैम 2022: भारत की 'फेथ इकोनॉमी' 3.2 लाख करोड़ सालाना। इसमें से 30 प्रतिशत ताबीज-यंत्र-रत्न यानी 96,000 करोड़ का 'चमत्कार उद्योग'। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण 2022-23 के अनुसार 68 लाख लोग 'धार्मिक कर्मकांड' को मुख्य पेशा बताते हैं। इस अनुत्पादक व्यवसाय से पुजारी, मौलवी, ज्योतिषी, कथावाचक अलीशान जीवन का आनंद लेते हैं। इनकी संख्या ऑस्ट्रेलिया की आबादी के बराबर है। तुलना: आईटी सेक्टर 54 लाख रोजगार, 3.2 लाख करोड़ एक्सपोर्ट। ऑटो सेक्टर 37 लाख रोजगार, 2.8 लाख करोड़ कारोबार। पर धार्मिक सेक्टर के ये 68 लाख लोग न तो पेटेंट बनाते हैं, न एक्सपोर्ट। टैक्स? आईटी सेक्टर से सरकार को 1.1 लाख करोड़। फेथ इकोनॉमी ज्यादातर टैक्स-फ्री। तिरुपति का बजट 5,123 करोड़ – पंजाब के यूनिवर्सिटी बजट से दोगुना। काशी में चढ़ावा 100 करोड़ से 500 करोड़ हुआ। पर 'चमत्कार उद्योग' का जीएसटी नहीं के बराबर है जबकि अमेरिका जैसे विकसित देशों में धार्मिक संस्थानों को वार्षिक आयकर रिटर्न भरना पड़ता है। विवेकानंद ने कहा, 'भूखे को धर्म का उपदेश देना पाप है'।

–दो बातें जो इतिहास की किताबों में नहीं मिलती।– पहला – 'जुगाड़' बनाम 'डीप-टेक'। 0.5 रुपये में मंगलयान भेज देते हैं, पर प्रोसेसर अमेरिकी। हम 'सस्ता' कर लेते हैं, 'नया' नहीं बना पाते। 2023 में ओपनएआई, गूगल, मेटा ने एआई पर 50 अरब डॉलर लगाए। भारत की कुल फंडिंग 5 अरब डॉलर। दूसरा – जाति लैब का दीमक। आईआईटी बॉम्बे 2023: 50 प्रतिशत आत्महत्या दलित-आदिवासी छात्रों की। कारण – 'तुम कोटा(आरक्षण)से आए हो'। –विज्ञान को 'पहचान' नहीं, 'प्रतिभा' चाहिए।–

देश को प्रगतिशील बनाने के लिए पहला कदम – बजट। 0.64 प्रतिशत से 2 प्रतिशत 2030 तक। चीन ने 1996 में 0.57 प्रतिशत से 2022 में 2.43 प्रतिशत किया। दूसरा – प्राइवेट सेक्टर। टाटा, रिलायंस को 10 साल टैक्स-छूट अगर बेसिक-साइंस लैब खोलें। (Corporate Social Responsibility)' से 'आरएंडडी' शिफ्ट। तीसरा – शिक्षा। कक्षा 3 से 'सवाल पूछो' प्रोजेक्ट शुरू किया जावे। विद्यार्थी को 10वीं में 20 नंबर उसको यह बताने पर मिलें कि 'फलां प्रयोग फेल क्यों हुआ'। इससे उसमें सोचने की क्षमता का विकास होगा। धर्म ग्रंथ पढ़ाओ, पर कार्बन-डेटिंग भी। चौथा – पाखंड दंड-संहिता। '10 मिनट में वशीकरण' बोलने वाले को 3 साल जेल। ताबीज पर 28 प्रतिशत GST + 'इससे नौकरी नहीं लगती' वार्निंग। पाँचवाँ – पंथनिरपेक्षता। आर्टिकल 5151A(h) – वैज्ञानिक सोच अनिवार्य। दंगा भड़काने वाले नेता की पेंशन-पासपोर्ट-चुनाव रद्द।

वर्तमान में धरती पर लगभग 8 अरब लोग हैं। 84 प्रतिशत किसी न किसी धर्म को मानते हैं। धर्म ने कला, संगीत, नैतिकता दी, इसके लिए शुक्रिया। पर भूख, बीमारी व जीवन की अनेकों भौतिक समस्याएं विज्ञान ने मिटाई। "1900 में भारत में जन्म के समय जीवन प्रत्याशा सिर्फ 23-24 साल थी – क्योंकि 1000 बच्चों में से 200-250 बच्चे 1 साल से पहले ही मर जाते थे। आज 70 साल है – आधुनिक चिकित्सा, वैक्सीन और एंटीबायोटिक के कारण न कि यज्ञ आदि के कारण से।" 1960 में अकाल से लाखों मरे, आज 80 करोड़ को मुफ्त अनाज– –बोरलॉग के गेहूं से, भंडारे से नहीं।– विवेकानंद: – 'पहले रोटी, फिर राम'–। –'पहले लैब, फिर मंदिर'–। हमने योग दिया, पर चिप-जेट इंजन अब भी खरीदते हैं। योगा मैट 100 डॉलर, चिप 10 हजार डॉलर। चुनाव तुम्हारा: ताबीज बेचकर 2.5 ट्रिलियन रहें, या ट्रांजिस्टर बेचकर 10 ट्रिलियन बनें? –लैब में घंटा नहीं बजता, पर वहाँ बजने से दुनिया की घंटी बजती है।– विवेकानंद का सपना 'विश्वगुरु' नहीं, 'विज्ञान-आध्यात्म में स्वावलंबी भारत' था। –उठो, जागो – और लैब चलो।

-मदन सिंह काला,
पूर्व आई.ए.एस

सेवा शिविर में जयसिंह का बरसों से अटका भूमि बंटवारा एक घंटे में हुआ

- **ब्यावर के अतीतमण्ड में आयोजित सेवा शिविर में जयसिंह को न्याय मिला**

जयपुर। ब्यावर जिले की जवाजा पंचायत समिति के अतीतमण्ड निवासी जयसिंह पुत्र गोकुल सिंह खातेदारी भूमि का बंटवारा नहीं होने से परेशान था। उसे लोन लेने, उन्नत बीज, कृषि यंत्र अनुदान, पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ लेने के लिए पहले साझेदारों के चक्कर काटने पड़ते, फिर पूरा लाभ भी नहीं मिल पाता। जमीन का मामला होने के कारण उसे धोखाधड़ी का भी डर था, लेकिन विभिन्न कारणों से बंटवारा नहीं हो पा रहा था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयसिंह जैसे लोगों के मन की मुराद सुनी और गत 12 जून से प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर लगवाना शुरू किया। अतीतमण्ड में सेवा शिविर लगने की जानकारी मिलने पर जयसिंह शिविर में पहुंचा और शिविर प्रभारी को इस सम्बंध में प्रार्थना पत्र दिया।

शिविर प्रभारी उपखण्ड अधिकारी ने तहसीलदार को प्रार्थी की खातेदारी भूमि का बंटवारा करके उनके समक्ष प्रकरण पेश करने का आदेश दिया। ब्यावर तहसीलदार ने हलका पटवारी व गिरदावर को बंटवारा करने के आदेश दिए। हलका पटवारी व गिरदार ने मौके पर जाकर बंटवारा प्रस्ताव तैयार कर शिविर में तहसीलदार ब्यावर को पेश किया जिसे तहसीलदार ने शिविर में स्वीकृत किया। यह पूरी प्रक्रिया एक घंटे में हो गयी।

इस पर जयसिंह ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार प्रकट करते हुए कहा कि नेता भाषण देते हैं, आश्वासन देते हैं, हमारे मुख्यमंत्री पब्लिक के काम करते हैं। हम सौभाग्यशाली हैं कि हीरे जैसा मुख्यमंत्री हमको मिला है। भगवान मुख्यमंत्री जी पर स्वास्थ्य एवं दीर्घायु का आर्शीवाद बनाये रखें।

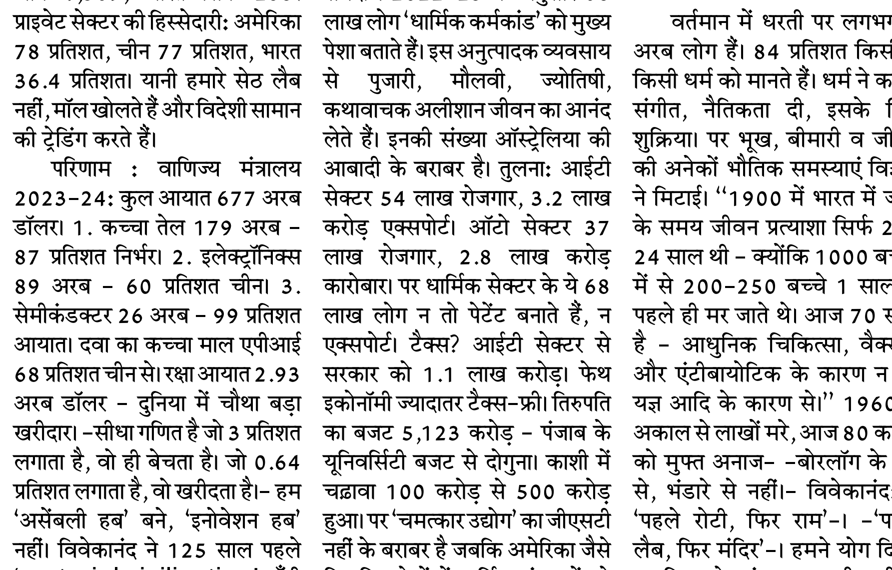

सेवा शिविर में तहसीलदार ने जयसिंह को बंटवारा पत्र सौंपा।

राशिफल गुरूवार 18 जून, 2026

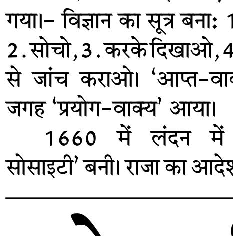

पंडित अनिल शर्मा

द्वितीय ज्येष्ठ मास (शुद्ध), शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2083, पुष्य नक्षत्र दिन 11:32 तक, व्याघात योग सायं 5:35 तक, वणिज करण प्रात: 8:19 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कर्क मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-कर्क, शुक्र-कर्क शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सवार्थ सिद्धि योग, गुरू पुष्य और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 11:32 तक है। रवियोग आज दिन 11:32 तक है। आज भद्रा प्रात: 8:19 से सायं 6:59 तक है। आज विनायक चतुर्थी, गुरू पुष्य योग, उमा चतुरथी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:20 तक, चर 10:45 से 12:28 तक, लाभ अमृत 12:28 से 3:53 तक, शुभ 5:36 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:19

मेष
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आज व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

सिंह
आज घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आवश्यक कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आज उचित सफलता मिल सकती है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

मकर
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कुंभ
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

प्रसूता राहिला स्वस्थ होकर डिस्चार्ज, अन्य मरीजों की हालत में भी लगातार सुधार

बीकानेर, (कासं)। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज से संबद्ध पीबीएम अस्पताल से जुड़ी प्रसूताओं के उपचार मामले में राहत की खबर सामने आई है। गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के कारण आईसीयू में भर्ती छह प्रसूताओं में से दो को स्वास्थ्य में सुधार होने पर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। इनमें प्रसूता राहिला को मंगलवार को सफल उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। वहीं एक अन्य प्रसूता को भी स्वस्थ होने पर अस्पताल से घर भेजा जा चुका है।

बुधवार को पोस्ट कोविड आईसीयू में भर्ती एक और प्रसूता को छुट्टी दे दी गई है। प्रसूता राहिला को सफल इलाज के बाद डिस्चार्ज किया गया। वहीं एक अन्य प्रसूता तारा देवी को भी स्वस्थ होने पर अस्पताल से घर भेजा जा चुका है। राहिला की स्थिति भर्ती के समय काफी गंभीर थी। उसका हीमोग्लोबिन मात्र 6 ग्राम प्रति डेसीलीटर था तथा यूरिन आउटपुट लगभग शून्य था। स्थिति को देखते हुए उसे आईसीयू में भर्ती कर विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में गहन उपचार दिया गया। उपचार का सकारात्मक परिणाम यह रहा कि उसका यूरिन आउटपुट बढ़कर लगभग

बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भर्ती प्रसूता राहिला के स्वास्थ्य में सुधार होने पर उसे डिस्चार्ज कर घर भेजा।

3500 मिलीलीटर प्रतिदिन तक पहुंच गया तथा हीमोग्लोबिन बढ़कर 8.2 ग्राम प्रति डेसीलीटर हो गया।

भर्ती के समय उसे सांस लेने में परेशानी थी और फेफड़ों में पानी भरने की समस्या भी थी, जो अब पूरी तरह नियंत्रित हो चुकी है। चिकित्सकों ने उसके स्वास्थ्य में संतोषजनक सुधार के बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार अन्य दो प्रसूताओं की स्थिति में भी लगातार सुधार हो रहा है। यदि यही प्रगति बनी रही तो आगामी दो-तीन दिनों में उन्हें भी डिस्चार्ज किया जा सकता है।

- **प्रसूताओं के उपचार में किडनी फैल होने से तबीयत बिगड़ने का मामला**
- **आईसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट पर उपचाराधीन दो मरीजों की देखभाल के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम 24 घंटे निगरानी रखे हुए है**

वहीं आईसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट पर उपचाराधीन दो मरीजों की देखभाल के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम 24 घंटे निगरानी रखे हुए है और उन्हें सर्वोत्तम उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। एसपी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. सुरेन्द्र कुमार सहित विशेष चिकित्सकीय टीम लगातार मरीजों की मॉनिटरिंग कर रही है। इस टीम में अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. रेखा आचार्य एवं डॉ. नीति शर्मा स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डॉ. संतोष खजोटिया, डॉ. सुमन बुडानिया, नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. जितेन्द्र फलोदिया, न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. खेताराम शर्मा तथा निश्चेतन विभाग से डॉ. विशाल एवं श्वसन रोग विभाग के डॉ. रवि चांडक के साथ मेडिसिन तथा पोस्ट कोविड आईसीयू स्टाफ इत्यादि शामिल है।

जसरासर थाने के बाहर ग्रामीणों का प्रदर्शन

जसरासर, (कासं)। जसरासर थाना क्षेत्र में ग्रामीणों ने पुलिस पर बिना कारण लोगों को थाने लाने का आरोप लगाते हुए थाने के बाहर प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी भी की।

यह प्रदर्शन बिरमेरी कुआं के पास से कुछ युवाओं को पुलिस द्वारा पूछताछ के लिए थाने ले जाने के विरोध में किया गया। युवकों ने आरोप लगाया कि अपने घरों के पास खड़े थे, तभी थानाधिकारी आलोक सिंह और पुलिसकर्मी मदनलाल, सुंदरलाल, अनिल, जगदीश, श्रवण और राजेन्द्र उन्हें बिना किसी कारण थाने ले आए।

थानाधिकारी आलोक सिंह ने इस मामले पर स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि कुछ बाइक सवार युवक शराब के नशे में गाली-गलौज कर रहे थे। इस सूचना पर पुलिस ने संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था और संतोषजनक जवाब मिलने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी- जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत की। समझाइश के बाद ग्रामीण धरना प्रदर्शन और नारेबाजी समाप्त करने पर सहमत हो गए। नोखा पुलिस अधीक्षक जरनेल सिंह ने बताया कि गलतफहमी के कारण करीब 200 लोग थाने के बाहर एकत्रित हो गए थे।

सार-समाचार

नीट परीक्षा तैयारी का जायजा लिया

बीकानेर कलेक्टर निशांत जैन ने नीट परीक्षा तैयारियों की समीक्षा बैठक ली।

बीकानेर, (कासं)। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए), नई दिल्ली द्वारा आयोजित नीट (यूजी) 2026 परीक्षा का आयोजन 21 जून को दोपहर 2 बजे से सायं 5:15 बजे तक जिले के निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर किया जायेगा। परीक्षा के सफल, निष्पक्ष एवं सुचारू संचालन के लिए अब तक की गई तैयारियों की समीक्षा बुधवार को जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट निशांत जैन ने की। जिला कलेक्टर ने कहा कि परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, गोपनीय परीक्षा सामग्री के सुरक्षित वितरण एवं संग्रहण सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जायेगी तथा अभ्यर्थियों की संख्या के अनुसार सुरक्षा कर्मियों की नियुक्ति की जायेगी। जिला कलेक्टर ने कहा कि परीक्षा से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करें तथा उन्हें सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन अतिरिक्त गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ करें। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से परीक्षा का आयोजन हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसमें किसी प्रकार की कमी नहीं रहे। बैठक में नगर निगम आयुक्त सिद्धार्थ पलनीचामी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) बी.एल.मीणा सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद थे।

बिना तेल का भोजन बनाया

प्रधानमंत्री की अपील पर म्हारा प्यारा राजस्थान विकास समिति की महिलाओं ने बिना तेल का भोजन बनाया।

बीकानेर, (कासं)। प्रधानमंत्री द्वारा रसोई में तेल के कम उपयोग की अपील को समर्थन देते हुए म्हारा प्यारा राजस्थान विकास समिति की महिलाओं ने एक अनूठी पहल की। समिति की महिलाओं ने नीलम शेखावत के नेतृत्व में बिना तेल के स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन तैयार कर आमजन को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान महिलाओं ने खमन, इडली, ढोकला, दही राबड़ी, दाल मूंग, रागा उडद, चावल, सब्जी, सलाद और फल जैसे विभिन्न व्यंजन बिना तेल के बनाकर प्रस्तुत किए। महिलाओं ने संदेश दिया कि कम तेल का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है और इससे कई बीमारियों से बचा जा सकता है। इस अभियान में कविता यादव, सरिता कौशल, सुनीता गुर्जर, मीनू सोनी, संतोष शर्मा, करूणा गुप्ता, पिंकी, उर्मिला पारिक, नीलम शेखावत, सुशीला तनेजा, लक्ष्मी साहरण और खुशबू जाट ने भागीदारी निभाई। समिति की महिलाओं ने कहा कि प्रधानमंत्री की इस पहल को घर-घर तक पहुंचाकर लोगों को स्वस्थ भोजन के लिए प्रेरित किया जायेगा।

श्रीगंगानगर में आंधी-बारिश का अलर्ट

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के प्रभाव से मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। मंगलवार को तेज आंधी के साथ हुई बारिश के बाद बुधवार सुबह मौसम साफ नजर आ रहा है, लेकिन हवाएं काफी तेज चल रही हैं। मौसम विभाग ने आज भी जिले में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम राडार स्टेशन श्रीगंगानगर पर बुधवार सुबह न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार को न्यूनतम तापमान 26.5 डिग्री और अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री रहा, जबकि सोमवार को न्यूनतम 27.8 डिग्री और अधिकतम 32.0 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन-चार दिन तक जिले में ऐसा ही मौसम बना रहने की संभावना है। विभाग ने अलग-अलग क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी दी है।

वांटेड ड्रग सप्लायर को दबोचा

फेफाना, (निसं)। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में लम्बे समय से वांछित चल रहे ड्रग सप्लायर सतीश उर्फ सोनू (40) को गिरफ्तार किया है। आरोपी रावतसर पुलिस थाने में दर्ज मामले में फरार चल रहा था। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह मीणा के निर्देशानुसार हनुमानगढ़ जिले में नशा तस्करी और अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। फेफाना थानाधिकारी नरेन्द्र कुमार और उनकी टीम ने यह सफलता हासिल की। गौरतलब है कि पिछले वर्ष 9 मार्च 2025 को रावतसर पुलिस थाना के उपनिरीक्षक ईमीचंद और उनकी टीम ने गश्त के दौरान सुभाष यादव पुत्र अंबिका यादव को 10 किलोग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया था। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया था। इसी मामले की जांच फेफाना थानाधिकारी नरेन्द्र कुमार कर रहे हैं। गिरफ्तार सतीश उर्फ सोनू इस मामले में मुख्य सप्लायर के रूप में वांछित था।

पीबीएम ट्रोमा सेंटर में रात्रिकालीन सोनोग्राफी सुविधा शुरू करने की मांग

बीकानेर, (कासं)। भाजपा देहात जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया की अगुवाई में भाजपा नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र वर्मा से मुलाकात कर पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में रात्रि 8 बजे के बाद सोनोग्राफी सुविधा प्रारंभ करने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि बीकानेर संभाग के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल पीबीएम ट्रोमा सेंटर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाओं एवं गंभीर अवस्था के मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं, लेकिन रात्रि 8 बजे के बाद सोनोग्राफी सुविधा उपलब्ध नहीं होने से मरीजों एवं उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई बार गंभीर मरीजों को जांच के लिए पीबीएम अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग स्थित 22 नंबर कक्ष तक जाना पड़ता है, जिससे समय की बर्बादी होती है और उपचार में भी देरी होती है।

जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया ने कहा कि जनहित को ध्यान में रखते हुए ट्रोमा सेंटर में रात्रिकालीन सोनोग्राफी

पीबीएम ट्रोमा सेंटर में रात्रिकालीन सोनोग्राफी की मांग को लेकर प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र वर्मा से भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की।

सुविधा प्रारंभ करने के लिए आवश्यक चिकित्सकीय स्टाफ एवं संसाधनों की व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि आपातकालीन मरीजों को समय पर जांच एवं उपचार मिल सके। उन्होंने कहा कि यह सुविधा शुरू होने से आमजन को राहत मिलेगी और सरकारी चिकित्सा सेवाओं के प्रति लोगों का विश्वास और मजबूत होगा। मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र वर्मा ने प्रतिनिधिमंडल को कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कहा कि विषय का परीक्षण कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का प्रयास किया जायेगा। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता भवानी पाईवाल, ओबीसी मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता महावीर सिंह चारण, जिला महामंत्री दिलीप सिंह राजपुरोहित, जिला प्रवक्ता महेन्द्र ढाका एवं आईटी संयोजक सुरेन्द्र स्वामी उपस्थित थे।

नशे में धुत दो गुट भिड़े, चार युवक गिरफ्तार

लूणकरनसर, (कासं)। गोगामेड़ी क्षेत्र में मंगलवार रात नशे में धुत दो गुटों के बीच झगड़ा हो गया। इस दौरान बदमाशों ने तेज रफ्तार में स्कॉर्पियो और कैम्पर गाडियां दौड़ाई, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। एक गाड़ी में तोड़फोड़ भी की गई।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन तब तक दोनों पक्षों के लोग वहां से भाग चुके थे। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय निवासियों ने बताया कि नशे में धुत युवकों ने आपस में झगड़ा किया और गाड़ियों से उत्पात मचाया। एएसआई रामनिवास मीणा ने जानकारी दी कि पुलिस ने देर रात कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के दो-दो युवकों को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए युवकों में वार्ड 29 लूणकरनसर निवासी सिकंदर बेटा नत्थू खां पडिहार, वार्ड 32 लूणकरनसर निवासी रवि सलाम बेटा हैदर अली, वार्ड 11 निवासी महेश नाथ बेटा मोमननाथ और एक अन्य युवक शामिल हैं। पुलिस इस मामले की आगे की जांच कर रही है।

नशा तस्कर के अवैध कब्जे पर चला बुलडोजर

- **भुट्टों का बास क्षेत्र में प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने पहुंचकर अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया**
- **अपराध और नशा तस्करी के जरिए अर्जित की गई अवैध संपत्तियों तथा कब्जों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी**

बीकानेर, (कासं)। अपराधियों और नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बीकानेर पुलिस ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए एक नशा तस्कर के अवैध कब्जे को ध्वस्त कर दिया। भुट्टों का बास क्षेत्र में प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने पहुंचकर अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया।

यह कार्रवाई आईजी ओमप्रकाश और पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के निर्देशन में करीब एक घंटे चली कार्रवाई में बदमाशों की अवैध सम्पत्ति को ध्वस्त किया गया है। मौके पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में अवैध कब्जे को हटाने की प्रक्रिया पूरी की गई। कार्रवाई जग्गू उर्फ शकील के अवैध निर्माण के खिलाफ की गई। आरोपी के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत सात मुकदमे दर्ज हैं और वह वर्तमान में जेल में बंद है।

कार्रवाई के दौरान सीओ सिटी अनुष्ठा कालिया, थाना अधिकारी सुरेन्द्र पचार सहित पुलिस और प्रशासन के अन्य अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अपराध और नशा तस्करी के जरिए अर्जित की गई अवैध संपत्तियों तथा कब्जों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाले तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जायेगी। अपराधियों और नशा तस्करों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जायेगा।

दुकान में आग लगाने के आरोपी को 5 साल की सजा

- **पिस्तौल दिखाकर शराब के लिए रूपए मांगे, रूपये नहीं देने पर दुकान में आग लगा दी थी**

बीकानेर, (कासं)। सेशन न्यायाधीश अश्विनी विज ने दुकान में घुसकर पिस्तौल दिखाने, शराब के लिए रूपए मांगने और पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने के आरोपी को 5 साल का कारावास और दो लाख रूपए अर्थदंड की सजा सुनाई है।

परिवादी रामस्वरूप ने 7 अप्रैल, 2024 को देशनोक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया कि उसने देशनोक-नापासर सड़क पर परचून, खल, चूरी और सब्जी की दुकान कर रखी है। 6 अप्रैल, 24 की सुबह करीब 6:15 बजे आरोपी प्रेमसिंह निवासी सुरधना चौहानान ने मोबाइल पर धमकी दी कि उधार सामान और रूपए नहीं दिए तो उसकी दुकान में पेट्रोल डालकर आग लगा देगा। परिवादी के पिता को भी फोन कर धमकाया।

रात करीब 9:45 बजे जब वह अपनी दुकान पर बैठा था, तब आरोपी प्रेमसिंह अचानक दुकान के अंदर घुस आया। पिस्तौल तान दी और डराते-धमकाते हुए शराब पीने के लिए रूपए मांगे। दुकान को आग लगाने की धमकी दी। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद आरोपी प्रेमसिंह को दोषी माना और 5 साल के कारावास व 2 लाख के अर्थदंड की सजा सुनाई। अदालत में राज्य सरकार की ओर से पैरवी लोक अभियोजक राधेश्याम सेवक और परिवादी की ओर से रामरतन गोदारा ने पैरवी की।

करंट लगने से 5 भेड़ों की मौत

गजनेर, (कासं)। राष्ट्रीय राजमार्ग-11 पर गोयलरी फांटे के पास बुधवार को बिजली लाइन की चपेट में आने से पांच भेड़ों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गजनेर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार यह घटना तब हुई जब भेड़ गोयलरी फांटे के निकट चर रही थी। इसी दौरान वे विद्युत लाइन के संपर्क में आ गई, जिससे पांचों भेड़ों की तत्काल मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। उन्होंने संबंधित विभाग और पुलिस को इसकी सूचना दी।

सूचना मिलने पर गजनेर थाने के एएसआई वीरेन्द्र सिंह पुलिस जाब्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। एएसआई वीरेन्द्र सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी जुटाई। पुलिस द्वारा घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

पीबीएम में नई मेडिसिन विंग शुरू करने के लिए 9 प्रभारी बनाये

- **करीब 100 करोड़ लागत वाली इस विंग के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्तियां मंगलवार को कर दी गई**

बीकानेर, (कासं)। संभाग के सबसे बड़े पीबीएम अस्पताल में सबसे बड़ी मेडिसिन विंग को शुरू करने का इंतजार अब खत्म हुआ। करीब 100 करोड़ लागत वाली इस विंग के लिए विभिन्न नोडल अधिकारियों की नियुक्तियां मंगलवार को कर दी गई। मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. मनोज माली को नई विंग का आरएमओ नियुक्त किया गया है।

नई मेडिसिन विंग के हैंडओवर करने की प्रक्रिया इसी महीने पूरी हुई है। एसपी मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल ने मंगलवार को बिल्डिंग की पूरी फाइल पीबीएम अधीक्षक को भेज दी। अधीक्षक ने विंग शुरू करने के लिए 9 प्रभारी बनाये हैं। इन्हें एक सप्ताह में सोनोग्राफी, एक्स रे मशीन लगाने, फार्मेसी खोलने सहित तमाम व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अगले सप्ताह संभवतया 24 जून को राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी की बैठक में नई विंग के संबंध में प्रस्तावों का अनुमोदन कराया जायेगा।

इसे लेकर सोसायटी के अध्यक्ष संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा से भी चर्चा की गई है। गौरतलब है कि चार मंजिला सीएम मूंदड़ा मेमोरियल हॉस्पिटल का 76 हजार स्क्वायर फीट में निर्माण एरिया 3.10 लाख स्क्वायर फीट है। सरकारी क्षेत्र में ऐसी पहली मेडिसिन विंग है, जिसमें मरीजों के लिए 527 बैड के साथ ही सैनिकों के लिए अलग से वार्ड बनाया गया है। बिल्डिंग में 232 आधुनिक टॉयलेट हैं, जिनमें इमरजेंसी बेल भी है।

नई मेडिसिन बिल्डिंग में ये सुविधाएं जनरल वार्ड 9, 3 आईसीयू 20 बैड, 1 आइसोलेशन वार्ड 9 बैड, सिंगल बैड कॉटेज 39, डबल एंड थ्री बेड कॉटेज 14, 1 कैदी वार्ड 11 बैड, 1 आर्मी वार्ड 9 बैड, डॉक्टर्स चैम्बर 8, पानी विद आरओ 16, 232 टॉयलेट, 91 बाथरूम, लेक्चरर थिएटर 150 चेयर, वेटिंग हॉल 600 चेयर, सीसीटीवी कैमरे 165, ऑक्सीजन प्लांट आदि शामिल है।

महिलाओं ने पीबीएम में अव्यवस्थाओं, चिकित्सकीय लापरवाही पर रोष जताया

बीकानेर, (कासं)। पीबीएम सुधारो जनआंदोलन के तहत सातवें दिन जिला महिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष शशिकला राठौड़ व देहात अध्यक्ष शांति बेनीवाल के नेतृत्व में पीबीएम अस्पताल के मुख्य द्वार के सामने धरना प्रदर्शन किया गया। पीबीएम सुधारो जनआंदोलन के तहत आंदोलनकारी महिलाओं ने अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्थाओं, चिकित्सकीय लापरवाही और भ्रष्टाचार के मामलों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार की मांग की।

शहर अध्यक्ष शशिकला राठौड़ एवं देहात अध्यक्ष शांति बेनीवाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रसूताओं की डिलीवरी के दौरान चिकित्सकीय लापरवाही से छह महिलाओं की किडनी खराब होने का मामला अत्यंत गंभीर और चिंताजनक है। उनका

बीकानेर में जिला महिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष शशिकला राठौड़ व देहात अध्यक्ष शांति बेनीवाल के नेतृत्व में पीबीएम अस्पताल के मुख्य द्वार के सामने धरना देकर विरोध जताया।

आरोप है कि इस घटना ने अस्पताल में उपचार व्यवस्था और मरीजों की सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि पीबीएम अस्पताल में मरीजों को अपेक्षित स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही है। चिकित्सकीय लापरवाही के कारण अनेक मरीजों की मौत हो चुकी है तथा अस्पताल प्रशासन विभिन्न समस्याओं के समाधान में विफल साबित हुआ है। उन्होंने राज्य के चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर द्वारा प्रसूताओं के प्रति असोभनीय बयान की भी कड़े शब्दों में निन्दा की।

देहात अध्यक्ष बिशनाराम सियाग व शहर अध्यक्ष मदनगोपाल मेघवाल ने स्पष्ट किया कि उनकी लड़ाई किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं बल्कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, पारदर्शी व्यवस्था और जनहित के लिए है। उन्होंने कहा कि जनता को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है। पीबीएम अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्थाओं और भ्रष्टाचार के मामलों पर कार्रवाई की मांग की। पीबीएम सुधारो जनआंदोलन में निम्नाकिंत मांगे प्रमुखरूप से सरकार व प्रशासन के सामने रखी गई हैं, उनके समाधान हेतु चेतावनी दी हैं।

अवैध पिस्टल सहित युवक गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (कासं)। जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गोलूवाला थाना पुलिस ने एक युवक को अवैध देसी पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान लखासर, गोलूवाला निवासी विकास (19) के रूप में हुई है। विकास का नाम पूर्व में एक चर्चित हत्या प्रकरण में भी सामने आ चुका है।

जानकारी के अनुसार उपनिरीक्षक लाल बहादुर चंद्र के नेतृत्व में पुलिस टीम गश्त पर थी। इसी दौरान एलकेएस नहर पटड़ा के पास लखासर क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करते हुए विकास को एक अवैध देसी पिस्टल सहित पकड़ा। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच एएसआई भगवान सुथार को सौंपी गई है। पूछताछ में आरोपी के आपराधिक पृष्ठभूमि से जुड़े तथ्य सामने आये हैं।

लाखों की चोरी का 2 माह बाद भी खुलासा नहीं

- **पीड़ित ने एसपी से शिकायत करते हुए आरोप लगाया कि जांच में कोई प्रगति नहीं हो रही और उन्हें गोलमोल जवाब दिए जा रहे हैं**

जसरासर, (कासं)। जसरासर कस्बे में करीब 20 लाख रूपये मूल्य के सोने की चोरी के मामले में दो माह बाद भी पुलिस को कोई सफलता नहीं मिली।

इस मामले में पीडित ने बीकानेर पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा से मुलाकात कर शीघ्र खुलासे की मांग की है। यह चोरी 23 अप्रैल को शिव मंदिर के आगे स्थित एक ढाणी में हुई थी। घटना के संबंध में 25 अप्रैल को जसरासर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई थी।

पीड़ित ने एसपी से शिकायत करते हुए आरोप लगाया कि जांच में कोई प्रगति नहीं हो रही है और उन्हें केवल गोलमोल जवाब दिए जा रहे हैं। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए जांच अधिकारी को बदलने की भी मांग की है। ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी नाराजगी व्यक्त की है। उनका कहना है कि काकड़ा, झाड़ेली और जसरासर के बिश्नोई बास में भी सोने, चांदी और नकदी की बड़ी चोरियां हुई हैं, जिनका आज तक कोई खुलासा नहीं हुआ है। हाल ही में ग्रामीणों को बिना किसी स्पष्ट कारण के थाने में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। जिसके विरोध में उन्होंने नारेबाजी और प्रदर्शन किया। इस दौरान जिला प्रमुख मोडाराम मेघवाल, श्रीराम, हरिराम, गौरीशंकर, लालचंद, विनोद और पूनमचंद सहित कई ग्रामीणों ने पुलिस के प्रति अपनी नाराजगी जताई।

गुजरात में हुई बस दुर्घटना में डूंगरपुर और बांसवाड़ा के सात लोगों की मौत

27 यात्री घायल हुए, हादसे के समय बस में अधिकांश यात्री गहरी नींद में थे

डूंगरपुर, (निसं)। गुजरात के वड़ोदरा शहर में बुधवार तड़के हुए सड़क हादसे में नौ साल के बच्चे सहित सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 यात्री घायल हो गए। मरने वाले सभी लोग डूंगरपुर और बांसवाड़ा के रहने वाले थे। बांसवाड़ा से सूरत (गुजरात) जा रही बालाजी ट्रैवल्स की स्लीपर बस कोटंबी स्टेडियम (वड़ोदरा) के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। हादसे के समय अधिकांश यात्री गहरी नींद में थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दुर्घटना सुबह करीब चार बजे हुई। दुर्घटना के बाद बस में चीख-पुकार मच गई। कई यात्री बस के अंदर फंस गए। सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ एनडीआरएफ और वड़ोदरा अग्निशमन विभाग की टीमें पहुंचीं। एनडीआरएफ की छठी बटालियन के कमांडेंट सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सुबह 4.40 बजे कंट्रोल रूम को दुर्घटना की सूचना मिली थी। टीम ने आधुनिक उपकरणों और कटिंग मशीनों की सहायता से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। जिले के पाडवा की रहने वाली पिंकी भाटिया, डूंगरपुर के टामटिया की रहने वाले प्रीत पुत्री हितेश भाटिया, डूंगरपुर निवासी महेंद्र

हादसे में बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

- **बांसवाड़ा से सूरत जा रही बालाजी ट्रैवल्स की स्लीपर बस वड़ोदरा के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई**
- **प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार या ड्राइवर की लापरवाही को हादसे की वजह माना जा रहा है, जांच शुरु**

कुमार पुत्र भोगीलाल पांड्या, डूंगरपुर के सागवाड़ा निवासी विनोद पुत्र नरेश डामोर और ड्राइवर डूंगरपुर के राजवाड़ा निवासी ड्राइवर मुकेश पुत्र जीवाजी डिंडोर की मौत हो गई। इसके अलावा मृतकों में हरजिंगभाई वलजीभाई कटारा और एक अज्ञात व्यक्ति शामिल है। प्रीत की मां पायल नाई घायल हो गई है। बच्चे की मौत और महिला के घायल होने की खबर के बाद परिवार के लोग वडोदरा के लिए रवाना हो गए हैं। गांव में भाटिया समाज के चार घर हैं, जो एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। इसी क्रम में घायलों में पायल नाई, पिंकी रावल, मनीषा रावल, रामचंद्र डोरिया, शिल्पा पाटीदार, महेंद्र कटारा, आशीष यादव, आशीष कटारा, बंसीलाल राणे, जीवराज भाई, गुंजनबेन, नाराचया, पिंटू चरपोट, विजय कटारा, भैरूलाल मीना, सीमा यादव, सागर कटारा, भगवती भाई, कल्पेश गौर, पैलबेन नाई, शील, सुरेशभाई डिंडोर, रमेशभाई, पंकज भाई चरपोट, कमलेश भाई कटारा, मायाबेन पाटीदार सहित अन्य यात्री शामिल हैं।

वडोदरा के एसएसजी अस्पताल के आरएमओ डॉ. हितेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि हादसे के बाद 27 घायलों को हॉस्पीटल लाया गया है। इसमें से 2 की हालत गंभीर है। उन्हें आईसीयू में भर्ती किया है। डॉक्टरों ओर नर्सिंगकर्मियों की टीम अलर्ट मोड में हैं। फिलहाल दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार या ड्राइवर की लापरवाही को हादसे की वजह माना जा रहा है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए ट्रैफिक जाम हो गया। बाद में ट्रक और क्षतिग्रस्त बस को हटाकर यातायात सुचारु कर लिया गया था। हादसे की सूचना मिलते ही बस में सफर कर रहे यात्रियों के परिजनों में चिंता बढ़ गई। कई परिवार फोन और अन्य माध्यमों से अपने रिश्तेदारों की जानकारी जुटाने में लगे रहे।

अलवर के मालाखेड़ा में जमीन विवाद में फायरिंग, एक घायल

जमीन के टुकड़े को लेकर सगे भाई और करीबी रिश्तेदार का विवाद बताया जा रहा है

अलवर, (निसं)। अलवर के मालाखेड़ा थाना इलाके के बडेर गांव में जमीन के एक टुकड़े को लेकर दो परिवारों के बीच विवाद इस कदर बढ़ गया कि बात सीधे लाठी-डंडों, पथराव और खुलेआम फायरिंग तक पहुंच गई। इस हिंसक झड़प में एक व्यक्ति के पैर में गोली लग गई, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं जमीन पर गिर पड़ा। घटना के बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया और मौके पर चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत जांच शुरू कर दी है।

- **ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की**

स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक इस खूनी संघर्ष में आमने-सामने आए दोनों पक्ष कोई और नहीं, बल्कि आपस में सगे भाई और करीबी रिश्तेदार हैं।

इन दोनों भाइयों के बीच काफी लंबे समय से पैतृक जमीन के बंटवारे को लेकर आपसी मनमुटाव और कानूनी विवाद चल रहा था। बीते सोमवार को एक पक्ष ट्रैक्टर लेकर विवादित खेत को जोतने के लिए पहुंच गया। जब दूसरे पक्ष ने इसका विरोध किया, तो पहले उनके बीच तीखी कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते गाली-गलौज और फिर लाठी-डंडों से मारपीट में बदल गई।

महिला ने दुष्कर्म का आरोप लगाया

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के जिला पश्चिम में कुड़ी भगतासनी पुलिस थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने पूर्व मित्र पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है कि अश्लील वीडियो और फोटो से उसे ब्लैकमेल कर सार्वजनिक करने की धमकी दे रहा है। पीड़िता की रिपोर्ट पर अब जांच की जा रही है। पुलिस को दी रिपोर्ट में पीड़िता ने बताया कि करीब दस-बारह वर्ष पूर्व उसकी एक युवक से दोस्ती हुई और बाद में दोनो के बीच घनिष्ठता बढ़ने पर संबंध भी बन गए। इस दौरान उसके वीडियो और फोटोग्राफ्स भी खींच लिए गए। आरोपी युवक ने शादी के बाद भी उसका पीछा नहीं छोड़ा और फोटो वीडियो सार्वजनिक करने की धमकियां दे रहा है।

सीकर में 30 साल के युवक की संदिग्ध मौत

सीकर, (निसं)। सीकर में 30 साल के युवक की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। युवक का शव रेस्टोरेंट के एक कमरे में मिला। परिजनों की मौजूदगी में मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमॉर्टम करवाया गया। हालांकि परिजन मोर्चरी के बाहर धरने पर भी बैठे रहे। पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार शव मिलने की सूचना पर परिजन रेस्टोरेंट पहुंचे तो मृतक की नाक पर चोट के निशान मिले। उसे तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया। परिजनों ने कहा कि जिस रेस्टोरेंट पर विजय का शव मिला है, उसके जरिए ही 27 मई को विजय ने एक प्लॉट करीब 30-35 लाख रुपए में बेचा था।

एसएचओ गोकुलपुरा प्रीति बेनीवाल ने बताया कि मंगलवार शाम दासा की ढाणी फाटक के पास स्थित शेखावाटी रेस्टोरेंट से सूचना मिली कि एक युवक मृत अवस्था में मिला है। ऐसे में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता लग सकेगा। मृतक विजय जांगिड़ (30) पुत्र बनवारीलाल जांगिड़ निवासी राधाकिशनपुरा का रहने वाला था। और फर्नीचर ठेकेदारी का काम करता था। वह सात भाई-बहनों में तीसरे नंबर का था। विजय मंगलवार सुबह 11:30 बजे अपने घर से निकला था।

मंडफिया : भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में 14 जून चतुर्दशी को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती बुधवार को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव की उपस्थिति में दूसरे चरण में हुई। दूसरे चरण से भंडार से 8 करोड़ 26 लाख 46 हजार 200 रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पूर्व प्रथम चरण में हुई भंडार गिनती से 17 करोड़ 55 लाख रुपए नगद प्राप्त हुए थे। दोनों चरणों को मिलाकर 25 करोड़ 81 लाख 46 हजार 200 रुपए नगद प्राप्त हुए। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष वैष्णव, सदस्य पवन तिवारी, संपदा प्रभारी भेरूगिरी गोस्वामी, मनोहर लाल चोबीसा सहित मंदिर एवं बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

सीकर में युवक और युवती ने सुसाइड किया

सीकर, (निसं)। सीकर में एक युवक और युवती के सुसाइड का मामला सामने आया है। युवक ने सीकर के सदर थाना इलाके के नानी बीहड़ में सुसाइड किया, जबकि युवती ने कोतवाली थाना इलाके में अपने कमरे में सुसाइड कर लिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर दोनों के शव परिजनों को सौंप दिए हैं

सदर थाना इलाके में 22 साल के युवक अभिषेक उर्फ मोनू ने नानी बीहड़ में सुसाइड किया। जिसने पेड़ पर फंदा लगा लिया। सुबह ग्रामीणों की सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद शव का पोस्टमॉर्टम करवाया। मौके से कोई भी सुसाइड नोट नहीं मिला। वहीं कोतवाली थाना इलाके में जगमालपुरा फाटक के पास 20 साल की युवती शहनाज ने सुसाइड कर लिया। हैड कॉन्स्टेबल कल्याण सिंह ने बताया कि युवती मानसिक अवसाद में थी, जो मूल रूप से श्रीगंगानगर की रहने वाली है, लेकिन वर्तमान में अपने परिवार के साथ सीकर में ही रहती थी।

नीट अभ्यर्थी उमेश की संदिग्ध मौत मामले की जांच जारी

- **घटनास्थल से एक नोट मिलने के बाद पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है**
- **पहले दो प्रयासों में कोचिंग संस्थानों के माध्यम से तैयारी की थी, जबकि इस बार घर पर रहकर स्वअध्ययन कर रहा था**

नवलगढ़/सीकर, (निसं)। नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे 22 वर्षीय छात्र उमेश माली की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने न केवल उसके परिवार बल्कि पूरे शिक्षा जगत को स्तब्ध कर दिया है। नवलगढ़ क्षेत्र के वीणादास की ढाणी कारी निवासी उमेश की मौत के मामले में उद्योग नगर थाना पुलिस गहन जांच में जुटी हुई है। घटनास्थल से एक नोट मिलने के बाद पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार उमेश माली नीट परीक्षा का तीसरा प्रयास कर रहा था। पहले दो प्रयासों में उसने कोचिंग संस्थानों के माध्यम से तैयारी की थी, जबकि इस बार वह घर पर रहकर स्वअध्ययन कर रहा था। आगामी 21 जून को प्रस्तावित परीक्षा से ठीक पहले हुई इस घटना ने कई प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार उमेश अपने परिवार के साथ सीकर स्थित एक रेजीडेंसी में रह रहा था। सोमवार सुबह वह अपनी मां को वीणादास की ढाणी छोड़कर वापस लौटा था। उस समय घर में वह अकेला था, जबकि उसकी बड़ी बहन और छोटा भाई कोचिंग के लिए गए हुए थे। दोनों के वापस लौटने पर घटना का पता चला, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक साक्ष्य एकत्रित किए तथा घटनास्थल से मिले नोट को भी कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार नोट में लिखा था, मैं बहुत दूर जा रहा हूं, पता नहीं कहां जा रहा हूं, सॉरी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और सभी तथ्यों का परीक्षण किया जा रहा है।

घटना के बाद परिवार गहरे सदमे में है और विस्तृत बयान अभी सामने नहीं आ पाए हैं। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के कारणों को लेकर स्पष्ट स्थिति सामने आ सकेगी। फिलहाल पूरे मामले पर क्षेत्रवासियों और विद्यार्थियों की नजरें टिकी हुई हैं। एक होनहार छात्र की असमय मौत ने एक बार फिर युवाओं पर बढ़ते शैक्षिणक दबाव, प्रतियोगी परीक्षाओं की चुनौतियों और परीक्षा व्यवस्था में विश्वास से जुड़े सवालों को चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

नीट पेपर लीक में सरकार ने उचित कार्रवाई नहीं की : सचिन पायलट

राहुल गांधी के दौरे को लेकर सचिन पायलट भी कोटा पहुंचे

कोटा, (निसं)। राहुल गांधी के दौरे को लेकर सचिन पायलट भी कोटा पहुंचे। पूर्व उपमुख्यमंत्री पायलट का सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं में स्वागत किया। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि देश की शिक्षा प्रणाली और परीक्षा का व्यवस्था से लाखों बच्चे और परिवार शिकार हो गए हैं। नीट पेपर लीक से 22 लाख बच्चों से धोखा हुआ और उनका विश्वास टूट गया। सीबीएसई ने कॉपी की चेकिंग में भी प्रॉब्लम आई है। लगातार जवाब देने से भागने का काम सरकार कर रही है। सीबीआई की जांच जारी है, लेकिन अभी तक ना शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा दिया है, ना ही कोई प्रभावी कार्रवाई की है।

- **नीट पेपर लीक से 22 लाख बच्चों से धोखा हुआ : सचिन पायलट**

पायलट ने कहा कि राहुल गांधी ने अभियान चालू किया है यह देश की भावना से जुड़ा हुआ है। अपना भविष्य ढूंढ रहे देश के नौजवान और मेहनत कर परिवार का पेट काटकर बच्चों को पढ़ा रहे परिवार संकट से गुजर रहे है। इस व्यवस्था ने राजस्थान समेत पूरे देश में कई नौजवानों को आत्महत्या करने पर मजबूर किया गया है। इस व्यवस्था के विरुद्ध में नौजवान छात्रों से संवाद करने, रिस्पांसिबिलिटी और अकाउंटेबिलिटी तय करने के लिए राहुल गांधी ने मुहिम छेड़ी है। उसकी पहल कोटा से हुई है। बड़ी संख्या में कोटा में बच्चे पढ़ते हैं। साथ ही जो युवा भविष्य के बारे में चिंतित थे उनसे संवाद है। सोई हुई सरकार हर जुर्म से मुंह फेर रही है। कोटा में राहुल गांधी के कार्यक्रम में बच्चों को नहीं भेजने का दबाव बनाया गया, दूसरी तरफ पोस्टर बैनर भी हटाए गए।

आसाराम की तबीयत बिगड़ी

जोधपुर, (कासं)। सेंट्रल जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम की तबीयत एक बार फिर अचानक बिगड़ गई है। स्वास्थ्य में गिरावट आने के बाद उन्हें कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच एम्स जोधपुर में भर्ती कराया है, जहां डॉक्टरों की एक अलग टीम उनकी जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार आसाराम का पिछले कुछ दिनों से आरोग्यम अस्पताल में इलाज चल रहा था। वहां उनकी सेहत में सुधार न होने और कुछ जांचों की आवश्यकता को देखते हुए राजस्थान हाईकोर्ट ने उन्हें एम्स जोधपुर में शिफ्ट करने के आदेश दिए थे। हाईकोर्ट के इन्हीं आदेशों की पालना में जेल प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उन्हें एम्स पहुंचाया है। आसाराम के समर्थकों की भीड़ को देखते हुए पुलिस ने कड़ी व्यवस्था की। सेंट्रल जेल और आरोग्यम अस्पताल से लेकर एम्स परिसर तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। पुलिस की गाड़ियों और हथियारबंद जवानों के कड़े घेरे में आसाराम को अस्पताल के भीतर ले जाया गया। एम्स जोधपुर पहुंचने के बाद वरिष्ठ और विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक विशेष टीम ने तुरंत आसाराम के स्वास्थ्य की कमान संभाल ली है।

मसूदा में नील गाय घायल अवस्था में मिली

मसूदा, (कासं)। निकटवर्ती ग्राम देवमगरी बुधवार को एक नील गाय गोली लगने से घायल अवस्था मे मिली। मिली जानकारी के अनुसार नरेगा मेट सांवरलाल साइड पर हाजरी भरने मौके पर पहुंचा, वहां पास में एक नीलगाय घायल मिली, जिसके गोली लगी हुई थी। गोली लगने से घायल नील गाय के जंगली कुत्ते द्वारा उसके कान काट लिए। घटना की जानकारी देव मंडल टीम को मिलने पर ज मौके पर पहुंची। घायल नील गाय को देव मंगरी पशु उप स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचाया जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया। वन विभाग को नील गाय के घायल होने की जानकारी मिलने पर वन विभाग से वनपाल सांवरलाल एवं सेठाराम ने मौके पर पहुंचकर आगे खरवा वन कार्यालय में पहुंचाया। सूचना पर नीलगाय को वंदे गौ मातरम चेरिटेबल ट्रस्ट ब्यावर उपचार के लिए पहुंचा दिया गया है।

जोधपुर के बासनी थाने में पूछताछ के लिए बुलाए युवक ने जहर खाया, मौत

- **इलाज के दौरान अस्पताल में युवक की मौत हो गई, परिजनों ने शव लेने से इनकार किया**
- **महिला के गायब होने के मामले में युवक को मंगलवार को पूछताछ के लिए थाने बुलाया था**
- **परिजनों ने धरना देकर पुलिस पर कार्रवाई और आश्रित को सरकारी नौकरी, मुआवजे की मांग की**

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के बासनी थाने में पूछताछ के लिए बुलाए युवक ने जहर खा लिया। इलाज के दौरान अस्पताल में युवक की मौत हो गई। परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया और एम्स अस्पताल में धरने पर बैठ गए। वे पुलिस पर कार्रवाई और आश्रित को सरकारी नौकरी, मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं।

पुलिस के अनुसार सर गांव निवासी तीस वर्षीय अमृत वैष्णव की मौत हुई है। महिला के गायब होने के मामले में मंगलवार दोपहर करीब 2.30 बजे पूछताछ के लिए थाने आया था। पुलिस का कहना है कि युवक अपने साथ जहर लेकर आया था। मौका पाकर जहर खा लिया। युवक के चाचा दलपत ने बताया कि अमृत की शादी हो गई थी, लेकिन गौना नहीं हुआ था। वह पिछले कुछ साल से एक महिला से बात करता था। वह महिला 11-12 दिन पहले घर से गायब हो गई। उसके परिजनों ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले में 12 जून को अमृत को पूछताछ के लिए बासनी थाने बुलाया गया था। मैं भी उसके साथ आया था। पुलिस ने पूछताछ के बाद वापस भेज दिया। दलपत ने बताया कि सोमवार शाम को हैड कॉन्स्टेबल सतपाल सिंह का कॉल आया, उसने कहा था कि यदि मंगलवार को वह महिला नहीं मिली तो तुम्हें अंदर डाल दूंगा। इसके चलते भतीजा टेंशन में आ गया था। वह रात भर सो नहीं पाया। 16 जून को सुबह जल्दी थाने से कॉल आ गया। भतीजे ने उसे दोपहर में बताया कि पुलिस थाने बुला रही है, तब वह भतीजे को लेकर थाने पहुंचा। थाने में गायब महिला के पक्ष की 4-5 महिलाएं मौजूद थीं। अमृत थाने में अंदर गया तो महिलाओं ने उसका गला पकड़ने की कोशिश की। बाद में अमृत को पुलिस एक कमरे में पूछताछ के लिए लेकर चली गई। मैं 5 मिनट तक बाहर खड़ा रहा। बाद में उन महिलाओं ने विरोध कर मुझे थाने से बाहर निकलवा दिया। जब मैं स्वागत कक्ष में जाकर बैठा तो मुझे वहां से भी बाहर भेज दिया गया।

दलपत ने बताया कि अमृत को ढाई घंटे तक वापस नहीं भेजा तो मैं थाने के अंदर गया और पुलिस वालों से कहा कि पूछताछ पूरी हो गई हो तो इसे भेज दीजिए। हमारा टिफिन सर्विस का काम है। टिफिन सप्लाई करने जाना है। इस पर पुलिस ने कहा कि आज इसे पट्टे मारेंगे तब सच बताएगा कि महिला को कहां गायब करवाया है, जबकि 12 जून को हुई पूछताछ में पुलिस को सबकुछ बता दिया था, कि महिला को गायब करने में इसका कोई रोल नहीं है। इस पर भी पुलिस ने अमृत को नहीं छोड़ा और मुझे थाने से भगा दिया। मैंने पुलिस से अमृत का मोबाइल मांगा था, लेकिन देने से मना कर दिया। मेरे वहां से रवाना होते समय अमृत ने मुझे अपना पर्स दिया था। मैं शाम करीब 4.30 बजे पाल शिल्पग्राम पहुंचा था तो अमृत के फोन से पुलिस ने मुझे फोन किया कि आप थाने आ जाओ इसने जहर खा लिया है। कहा कि सीथे एम्स आ जाओ इसे एम्स में एडमिट कराया है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) वेस्ट नरेंद्र सिंह देवड़ा ने बताया कि बासनी थाने में एक महिला की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज थी, इस मामले में अमृतलाल संदिग्ध था, क्योंकि जब सीडीआर खंगाली गई थी तो सबसे ज्यादा फोन अमृत के फोन से किए गए थे। उसके फोन से 251 कॉल किए गए थे, भागने के बाद का लास्ट कॉल भी अमृत के मोबाइल पर ही किया गया था। उन्होंने बताया कि अमृत ने पूछताछ में बताया कि वह करीब 5 साल से उस महिला से बात करता है। थाने में जांच अधिकारी पूछताछ के बाद इधर-उधर हुए तो उसने जहर खा लिया, उसके बाद उसने पुलिस को बताया कि उसने जहर खा लिया है। उसके बाद उसे एम्स ले जाया गया। उन्होंने बताया कि एम्स लाने के बाद थाने के अंदर घटना होने के चलते जुडिशियल मजिस्ट्रेट को भी इन्फॉर्म किया गया था। वह भी एम्स हॉस्पिटल पहुंचे, जहां उसके बयान रिकॉर्ड किए गए। उसके बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

देवड़ा ने कहा कि अब तक की जांच में सामने आया है कि जब उसने जहर खाया तो उसने पुलिस को बताया कि उस महिला ने उसे धोखा दे दिया था। इसके चलते उसे नहर चौराहे से जहर खरीदा था। जिस जगह घटना हुई थी, वहां पर कैमरे लगे हुए थे, जिसकी भी लापरवाही रही है वो रिकॉर्ड में आ जाएगी।

को-ऑपरेटिव बैंक ने सवा चार लाख लेकर फर्जी एफडीआर दी

श्रीगंगानगर में को-ऑपरेटिव मिनी बैंक की डूंगरसिंहपुरा ब्रांच का मामला

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीगंगानगर में को-ऑपरेटिव मिनी बैंक की डूंगरसिंहपुरा ब्रांच में दो भाइयों को सवा चार लाख रुपए जमा कराने के बाद फर्जी एफडीआर थमा दी गई। जब दोनों भाई पैसों की जरूरत पड़ने पर एफडी भुनाने पहुंचे तो बैंक ने साफ मना कर दिया। अब बैंक मैनेजर विनोद कुमार समेत अन्य कर्मचारियों पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

- **जब दोनों भाई पैसों की जरूरत पड़ने पर एफडी भुनाने पहुंचे तो बैंक ने साफ मना कर दिया, अब बैंक मैनेजर विनोद कुमार समेत अन्य कर्मचारियों पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया**
- **जांच कराई तो पता चला कि बैंक मैनेजर ने अन्य कर्मचारियों के साथ मिलीभगत कर पैसे हड़प लिए**

गांव गणेशगढ़ निवासी सुनील कुम्हार ने लालगढ़ जाटान पुलिस स्टेशन में दी गई शिकायत में बताया कि 13 मई 2025 को उन्होंने और उनके भाई ने मिनी बैंक डूंगरसिंहपुरा में 4 लाख 24 हजार 72 रुपए की चार एफडीआर दो साल के लिए बनवाई थीं। बैंक मैनेजर विनोद कुमार ने भरोसा दिलाया था कि उनका बैंक अन्य बैंकों की तुलना में ज्यादा ब्याज देता है। सुनील ने तीन और उनके भाई ने एक एफडी बनवाई। मैनेजर ने बैंक की मोहर लगाकर और हस्ताक्षर करके सभी एफडीआर सौंप दी। 4 मई को जरूरत पड़ने पर जब दोनों भाई एफडी तुड़वाने बैंक पहुंचे तो कर्मचारियों ने पहले टालमटोल किया। कभी कुछ दिन बाद आइए तो कभी दूसरे बहाना बनाते रहे।

आखिरकार बैंक ने कह दिया कि उनके यहां ऐसी कोई एफडीआर दर्ज ही नहीं है। जब सुनील कुम्हार और उनके भाई ने जांच कराई तो पता चला कि बैंक मैनेजर विनोद कुमार ने अन्य कर्मचारियों के साथ मिलीभगत कर उनके पैसे हड़प लिए और फर्जी एफडीआर बनाकर दे दिए। फिलहाल पुलिस ने शिकायत पर बैंक मैनेजर विनोद कुमार सहित अन्य कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच एएसआई चैनसिंह कर रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निर्माणाधीन सैटेलाइट हॉस्पिटल का निरीक्षण किया

उपमुख्यमंत्री ने गुणवत्ता और समयबद्धता के निर्देश दिए

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने हॉस्पिटल का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को 'प्रगति पथ यात्रा' कार्यक्रम के अंतर्गत विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में निर्माणाधीन सैटेलाइट हॉस्पिटल का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

- **उपमुख्यमंत्री ने हॉस्पिटल की विभिन्न व्यवस्थाओं और निर्माण कार्यों की स्थिति का अवलोकन करते हुए अधिकारियों से प्रगति की जानकारी प्राप्त की**

यह कार्यक्रम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास, सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के ऐतिहासिक 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री ने हॉस्पिटल परियोजना की विभिन्न व्यवस्थाओं और निर्माण कार्यों की स्थिति का अवलोकन करते हुए अधिकारियों से प्रगति की जानकारी प्राप्त की।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में देशभर में स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने और आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार भी इसी संकल्प के साथ जनहित और विकास कार्यों को गति दे रही है तथा स्वास्थ्य क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं ताकि क्षेत्रवासियों को शीघ्र ही आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। उपमुख्यमंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार गुणवत्तापूर्ण विकास और जनकल्याण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

नाबालिग दुष्कर्म पीडिता को गर्भ समाप्त करने की अनुमति

- **नाबालिग को 25 सप्ताह का गर्भ समाप्त करने की अनुमति दी**

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के चलते गर्भवती हुई नाबालिग को राहत देते हुए उसे 25 सप्ताह का गर्भ समाप्त करने की अनुमति दे दी है। इसके साथ ही अदालत ने संबंधित जिले के मेडिकल बोर्ड को कहा है कि वह सभी जरूरी चिकित्सा सुविधाओं के साथ पीडिता का गर्भपात करें। इस दौरान यदि शिशु का जन्म होता है तो उसकी देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी राज्य सरकार उठाएगी। जस्टिस बिपिन गुप्ता की एकलपीठ ने यह आदेश पीडिता की ओर से अपनी मां के जरिए दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि नाबालिग लडकी को उसकी इच्छा के विपरीत अवांछित गर्भावस्था को पूरा करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। यह मामला केवल चिकित्सीय सीमाओं का नहीं, बल्कि एक नाबालिग के जीवन, गरिमा और उसके मौलिक अधिकारों से जुडा है। अदालत ने कहा कि गर्भावस्था दुष्कर्म का परिणाम है और नाबालिग पीडिता ने स्पष्ट रूप से गर्भ जारी रखने से इनकार किया है। ऐसे में उसे बच्चे को जन्म देने के लिए मजबूर करना उसके मौलिक अधिकारों के खिलाफ है। सुनवाई के दौरान मेडिकल बोर्ड की ओर से कहा गया कि गर्भावस्था जारी रखना पीडिता के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है, हालांकि गर्भ समापन की प्रक्रिया उच्च जोखिम वाली होगी।

याचिका में अधिवक्ता सोनल सिंह ने बताया कि नाबालिग दुष्कर्म के कारण गर्भवती हुई है और वह इस अवांछित गर्भ को जारी रखना नहीं चाहती।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महाराणा प्रताप जयंती पर बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर उनके छात्राचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

पुलिस कमिश्नर जामडोली थाने पर 20 को जनसुनवाई करेंगे

जयपुर। आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम रखने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल बीस जून (शनिवार) को दोपहर 11.30 से 01.30 बजे तक जामडोली पुलिस थाने पर जनसुनवाई करेंगे।

इस दौरान आदर्श नगर सर्किल के जवाहर नगर,आदर्श नगर,ट्रांसपोर्ट नगर एवं जामडोली थानों के परिवादियों की जनसुनवाई की जावेगी।

जनसुनवाई का उद्देश्य संबंधित क्षेत्र के परिवादियों की समस्याओं का तुरंत निस्तारण करते हुए आमजन को राहत पहुँचाना है।

इस अवसर पर विशेष पुलिस कमिश्नर(ऑपरेशंस) ओमप्रकाश, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (अपराध) अजय सिंह, पुलिस उपायुक्त (पूर्व) रंजीता शर्मा, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पूर्व) आलोक सिंघल, सहायक पुलिस आयुक्त (आदर्श नगर) सहित संबंधित थाना प्रभारी एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

लगता है अनुसंधान अधिकारी को साइबर अपराध की जांच का तरीका नहीं पता : हाईकोर्ट

- **अदालत ने कहा कि कोर्ट की ओर से बार-बार क्यूआर कोड और यूपीआई आईडी को लेकर रिपोर्ट मांगने के बावजूद अब तक कोई स्पष्ट रिपोर्ट पेश नहीं की गई। जिससे जाहिर होता है कि अनुसंधान अधिकारी को साइबर अपराध के मामलों की जांच करने का तरीका नहीं पता**

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने साइबर अपराध से जुड़े मामले में जेल में बंद दो आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के आदेश देते हुए प्रकरण के जांच अधिकारी पर कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि कोर्ट की ओर से बार-बार क्यूआर कोड और यूपीआई आईडी को लेकर रिपोर्ट मांगने के बावजूद अब तक कोई स्पष्ट रिपोर्ट पेश नहीं की गई। जिससे जाहिर होता है कि अनुसंधान अधिकारी को साइबर अपराध के मामलों की जांच करने का तरीका नहीं पता। जस्टिस रवि चिरानिया की अवकाशकालीन एकलपीठ ने यह आदेश वाजिब और साहिल की द्वितीय जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता आरोपियों को अपनी चल-अचल संपत्तियों, बैंक खातों, यूपीआई आईडी, डिजिटल वॉलेट और अन्य वित्तीय विवरण की जानकारी जांच अधिकारी को देनी होगी। इसके साथ ही आरोपियों को अपने लैपटॉप, मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का ब्यौरा भी उपलब्ध कराना होगा। अदालत ने कहा कि आरोपी बिना सूचना दिए नया सिम कार्ड, बैंक खाता या डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग नहीं कर सकेंगे। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि याचिकाकर्ता आरोपियों की ओर से यदि जमानत की किसी भी शर्त की अवहेलना की जाती है या वे इसी तरह के किसी अन्य अपराध में लिप्त पाए गए तो जमानत को निरस्त किया जा सकता है।

द्वितीय जमानत याचिका में अधिवक्ता राजीव कुमार ने कहा कि मामले में गत 30 जनवरी को डीग जिले के नगर पुलिस थाने में साइबर अपराध को लेकर एफआईआर दर्ज हुई थी। जिसमें याचिकाकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से पेश पहली जमानत याचिका को आरोप पत्र पेश होने के बाद दायर करने की प्रार्थना पर खारिज कर दिया गया था। मामले में अब आरोप पत्र पेश हो चुका है। वहीं मामले में बहुत छोटी राशि शामिल होने के साथ ही अनुसंधान भी पूरा हो गया है। ऐसे में उन्हें जमानत दी जाए। जिसका विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कहा कि आरोपियों पर गंभीर आरोप हैं। ऐसे में उन्हें जमानत नहीं दी जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपियों को सशर्त जमानत देते हुए जांच अधिकारी पर कड़ी टिप्पणी की है।

हल्दीघाटी शौर्य स्मृति समारोह आज

जयपुर। तंवरावती राजपूत सभा, राजस्थान के तत्वावधान में हल्दीघाटी के अमर बलिदानी राजा रामशाह तंवर एवं उनके वीर पुत्रों की स्मृति में 18 जून को शाम 6 बजे झोटवाड़ा स्थित यू.एस. पैराडाइज में हल्दीघाटी शौर्य स्मृति समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। समारोह में प्रसिद्ध क्षित्रय विचारक, लेखक एवं इतिहास चिंतक डॉ. ओमेन्द्र सिंह रत्नु मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करेंगे।

29 अनुकम्पा नियुक्ति मामलों में राहत, 4 कर्मचारियों की सेवा समाप्त

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मृतक राजकीय कर्मचारियों के आश्रितों को राहत देते हुए अनुकम्पा नियुक्ति के 29 प्रकरणों में शिथिलता प्रदान की है। साथ ही विभागीय जांच के 19 लंबित मामलों का निस्तारण करते हुए अनुशासनहीन अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने आवेदन में विलम्ब के 16 मामलों में शिथिलता देकर मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को सरकारी नौकरी देने का अनुमोदन किया है। इसके अलावा न्यूनतम आयु सीमा और विलम्ब अवधि से जुड़े 9 मामलों में भी राहत प्रदान की गई है। वहीं आश्रित पत्नी की सुविधा के अनुसार निकटस्थ स्थान पर पदस्थापन सुनिश्चित करने के लिए विभाग परिवर्तन के चार मामलों में भी शिथिलता दी गई है। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से मृतक आश्रित परिवारों को आर्थिक और सामाजिक संबल मिलेगा।

दूसरी ओर, विभागीय जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर हाउसकीपर पद पर कार्यरत सत्यदेव सिंह कृष्णवत, गिरिराज प्रसाद मीणा, योगेन्द्र सिंह सिसोदिया और तरुण जोशी की सेवाएं समाप्त करने का निर्णय लिया है।

वन भूमि पर कब्जे के विवाद में दो पक्ष भिड़े, चार गिरफ्तार

- **गलता गेट थाना क्षेत्र के नागतलाई इलाके में वन विभाग की सरकारी भूमि पर कब्जे का विवाद**
- **पुलिस वायरल वीडियो सहित पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है**

जयपुर। गलता गेट थाना क्षेत्र के नागतलाई इलाके में वन विभाग की सरकारी भूमि पर कब्जे के विवाद को लेकर एक ही समुदाय के दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और लाठी-डंडों, पत्थरों तथा मुक्कों से एक-दूसरे पर हमला कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में करीब एक घंटे तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात को नियंत्रित किया और कार्रवाई करते हुए चार लोगों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार नागतलाई क्षेत्र में वन विभाग की भूमि को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई थी। देखते ही देखते विवाद ने उग्र रूप ले लिया और दोनों ओर से मारपीट शुरू हो गई। झगड़े के दौरान पत्थरबाजी भी हुई, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में कई युवक लाठियां लेकर एक-दूसरे पर हमला करते दिखाई दे रहे हैं। वहीं कुछ लोग पत्थर फेंकते नजर आ रहे हैं। वीडियो में महिलाओं और बच्चों के बीच चीख-पुकार का माहौल भी दिखाई देता है। वही

वायरल वीडियो में एक युवक कथित रूप से एक बच्चे का गला पकड़कर उसे धक्का देते हुए दिखाई दे रहा है। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। हालांकि पुलिस पूरे वीडियो और घटनाक्रम की जांच कर रही है।

झगड़े के दौरान एक महिला ने विरोधी पक्ष पर मारपीट का आरोप लगाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला जोर-जोर से चिल्लाते हुए अपना हाथ टूटने की बात कह रही थी। घटना के दौरान महिलाओं और बच्चों के मौजूद रहने से क्षेत्र में भय और तनाव का माहौल बन गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वन विभाग की सरकारी भूमि पर कब्जे को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। इस संबंध में पहले भी शिकायतें सामने आ चुकी हैं। विवाद का समाधान नहीं होने के कारण रविवार को स्थिति बिगड़ गई और दोनों पक्षों के बीच संघर्ष हो गया।

सूचना मिलने पर गलता गेट थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को अलग कर स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद क्षेत्र में शांति व्यवस्था बहाल कराई गई।

गलता गेट थानाधिकारी धर्म सिंह ने बताया कि नागतलाई क्षेत्र में झगड़े की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर भेजी गई थी। मामले में कार्रवाई करते हुए चार लोगों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस वायरल वीडियो सहित पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

उपमुख्यमंत्री ने स्वच्छता कर्मियों का सम्मान किया

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा एवं जनकल्याण को समर्पित 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के खातीपुरा मंडल में विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों में सहभागिता की। इस अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण और हरित राजस्थान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पौधारोपण किया गया। साथ ही भीषण गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए पानी के परिंडे भी लगाए गए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण हम सभी की साझा जिम्मेदारी है तथा छोटे-छोटे प्रयास भी पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से स्वच्छता अभियान भी आयोजित किया गया। इस अभियान में भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के स्वच्छता कर्मियों का सम्मान एवं अभिनंदन किया।

दो दिवसीय गुर्जर शिक्षाविद् सम्मेलन संपन्न

- **देशभर के उच्च शिक्षा से जुड़े शिक्षक एवं शोधार्थी जयपुर में जुटे**

जयपुर । राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर स्थित देराश्री शिक्षक सदन में आयोजित दो दिवसीय गुर्जर शिक्षाविद् सम्मेलन उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सम्मेलन के संयोजक प्रो. जगराम गुर्जर ने बताया कि इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों एवं क्षेत्रों से आए शिक्षाविदों, प्रोफेसरों, शोधकर्ताओं, शिक्षकों तथा समाज चिंतकों ने भाग लेकर शिक्षा, इतिहास, संस्कृति, सामाजिक विकास तथा नई पीढ़ी की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया।

दो दिवसीय इस सम्मेलन में पूर्व न्यायाधीश वी.एस. सराधना तथा सांसद के पूर्व संयुक्त सचिव डॉ. सत्यप्रकाश खटाना ने भी अपनी सहभागिता दर्ज कराई। सम्मेलन के दौरान पद्मश्री एवं पूर्व कृषि वैज्ञानिक प्रो. डी.आर. भूमला स्मृति व्याख्यान तथा प्रो. जगदीप एस. छोकर स्मृति व्याख्यान आयोजित किए गए। प्रो. डी.आर. भूमला की पुत्री डॉ. प्रमिला बजाड़ ने प्रो. डी.आर. भूमला स्मृति व्याख्यान प्रस्तुत किया, जबकि वरिष्ठ समाजसेवी राजीव वर्मा ने प्रो. जगदीप एस. छोकर स्मृति व्याख्यान दिया।

सम्मेलन में पूर्व न्यायाधीश वी.एस. सराधना, डॉ. सज्जन पोसवाल, डॉ. आर.के. गुर्जर, डॉ. प्रमिला बजाड़, डॉ. अंजू तवर, रामफूल गुर्जर (पीआरओ), पी.डी. कसाना, डॉ. मनोज, डॉ. सतपाल, राजीव वर्मा, हरिशंकर गुर्जर, डॉ. डी.के. गुर्जर, डॉ. सत्यनारायण, नाथूलाल, बचन सिंह, डॉ. भूमला, ब्रह्म सिंह, डॉ. पी.एस. वर्मा, डॉ. गोपाल, मोहनलाल वर्मा, डॉ. कुलदीप, प्रशांत गुर्जर, डॉ. नादान सिंह, डॉ. कैलाश, डॉ. नरेंद्र भड़ाना, राकेश राणा, डॉ. फूलचंद, डॉ. अंजू तथा डॉ. देवेंद्र सहित अनेक वक्ताओं ने शिक्षा को समाज की प्रगति का मूल आधार बताते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने पर बल दिया।

वक्ताओं ने समाज की गौरवशाली ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए आधुनिक शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से जुड़ने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

सार-समाचार

29वां पाटोत्सव मनाया

जयपुर। दिल्ली रोड स्थित खोले के हनुमानजी मंदिर में भगवान सियाराम के 29वें पाटोत्सव का बुधवार को श्रीगणेश हुआ। सुबह श्री सियारामजी का 108 औषधि द्रव्य, सरयू जल, शीतल फल रस, पंचामृत और दूध से अभिषेक किया गया। वेद पाठी बालकों ने सस्वर वेद पाठ किया। इसके बाद श्री वाल्मीकि रामायण का अखंड पारायण प्रारंभ हुआ। वेद मंत्रोच्चार से षोडशोपचार पूजन के बाद पुष्पों से श्रृंगार किया गया। राजभोग झांकी के दौरान विभिन्न संतों-महंतों ने विशेष उत्सव आरती की। नरवर आश्रम सेवा समिति प्रन्यास के अध्यक्ष गिरधारी लाल शर्मा, महामंत्री ब्रज मोहन शर्मा एवं अन्य पदाधिकारियों ने संतों-महंतों का सम्मान किया। इस मौके शुक संप्रदाय पीठाधीश्वर अलबेली माधुरी शरण महाराज, काले हनुमान मंरि के महंत गोपाल दास महाराज, महंत मनोहरदास महाराज, घाट के बालाजी के स्वामी सुदर्शनाचार्य, राधा दामोदर जी मंदिर के महंत मलय गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में संत-महंत उपस्थित रहे। युवा सत्संग रामायण सेवा समिति के सत्यनारायण ठाकुरिया के संयोजन में दोपहर को सामूहिक सुन्दरकांड पाठ किए गए। समिति के महामंत्री बृजमोहन शर्मा ने बताया कि 18 जून को हरिनाम संकीर्तन और बधाई गायन होगा। सुबह 8 बजे बलराम दास सत्संग मंडल जयपुर की प्रस्तुति और शाम 7 बजे भजन होंगे। बधाई गायन शिव शान्तानन्द आश्रम गोनेर और भगवत कृपा परिवार जयपुर की ओर से किया जाएगा।

दिया कुमारी ने समाजसेवा के लिए पूर्व सैनिकों का सम्मान किया

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पूर्व सैनिक, समाजसेवी एवं उत्थान सेवा संस्थान के अध्यक्ष कैप्टन शीशराम चौधरी सहित अन्य का समाजसेवा के उल्लेखनीय कार्य पर शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उन्होंने समाजोपयोगी कार्यों के लिए बधाई देते हुए सामाजिक कार्यों को करते रहने के लिए प्रेरित किया। पूनिया ने संस्थान द्वारा संचालित निःशुल्क योग, पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा के प्रकल्पों की जानकारी दी। इस अवसर पर पूर्व पार्षद कौशल किशोर शर्मा, योग प्रशिक्षक शिवानन्द त्रिपाठी, राजेश कौशिक, धर्मेंद्र मिश्रा एवं अन्य उपस्थित रहे। इससे पूर्व दिया कुमारी ने राजस्थानी लोक गायक मुन्ना लाल कुमावत से उनके निवास पर भेंट कर सम्मानित किया।

विधानसभा में योग कार्यक्रम कल

जयपुर। विधानसभा के कर्तव्य द्वार पर शुक्रवार 19 जून को प्रातः 6 बजे सामूहिक योग कार्यक्रम होगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की अगुवाई में इस योग कार्यक्रम में विधान सभा सचिवालय के अधिकारीगण व कर्मचारीगण सक्रिय भागीदारी निभायेंगे। कार्यक्रम में सभी विधायकगण को आमंत्रित किया गया है। स्पीकर देवनानी ने कहा कि स्वस्थ शरीर, संतुलित मन एवं सकारात्मक जीवन दृष्टि योग से मिलती है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के उपलक्ष्य में आयोजित यह सामूहिक योग कार्यक्रम स्वास्थ्य, अनुशासन एवं सामूहिक सहभागिता के संदेश को सुदृढ़ करेगा। देवनानी ने कहा कि योग शारीरिक समन्वय को बढाता है।

बैंक पात्र डवलपर्स को त्वरित ऋण प्रदान करें : चेयरमैन डिस्कॉम

- **'बैंक सुगम प्रक्रिया अपनाकर लोन स्वीकृति में तेजी लाएं'**

जयपुर। पीएम-कुसुम (प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान) योजना के तहत सौर ऊर्जा परियोजनाओं के क्रियान्वयन की गति बढ़ाने के लिए राजस्थान डिस्कॉम्स ने महत्वपूर्ण पहल की है। इसके अन्तर्गत डिस्कॉम्स चेयरमैन एवं जयपुर विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक आरती डोगरा ने ऋण लेने में आ रही व्यावहारिक दिक्कतों और बाधाओं को दूर करने के लिए बैंकिंग संस्थानों के प्रतिनिधियों तथा सोलर पावर डवलपर्स के साथ बुधवार को विद्युत भवन में बैठक की।

जयपुर विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक आरती डोगरा ने सोलर पावर डवलपर्स एवं बैंक प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की।

इस दौरान चेयरमैन डिस्कॉम्स ने कहा कि पीएम-कुसुम भारत सरकार द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय महत्व की योजना है। इसका उद्देश्य ऊर्जा के क्षेत्र में किसानों को आत्मनिर्भर बनाना और कृषि में हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना है। ऐसे में इस योजना की सफलता में बैंकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। डिस्कॉम्स चेयरमैन ने बैंकिंग संस्थानों के प्रतिनिधियों से कहा कि वे सोलर पावर डवलपर्स के ऋण आवेदनों पर सकारात्मक रुख अपनाएं। उन्होंने कहा कि बैंक अपनी आवश्यक औपचारिकताएं और प्रक्रिया जरूर पूर्ण करें, लेकिन पात्र आवेदकों को जटिल लोन मिलने में बेवजह देरी न हो। प्रक्रिया को जितना हो सके सुगम और त्वरित बनाया जाए ताकि पात्र डवलपर्स को समय पर वित्तीय मदद मिल सके। इससे प्लांट्स के स्थापित होने की रफ्तार और तेज होगी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री कुसुम योजना में राजस्थान देश का अग्रणी राज्य है। प्रदेष में कुसुम कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी में 4468 मेगावाट के 2034 प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं।

अब जुलाई माह से प्रत्येक माह निगम के जोनल स्तर पर शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में बैंकों के प्रतिनिधि, सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए ऋण आवेदन करने वाले डवलपर्स तथा डिस्कॉम के अधिकारियों की उपस्थिति में ऋण आवेदनों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करेंगे।

एसीबी ने केवल एफआईआर व धाराओं का उल्लेख कर गिरफ्तारी की : हाईकोर्ट

- **हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन घोटाले में एसीबी की ओर से पूर्व मंत्री महेश जोशी की गिरफ्तारी को लेकर टिप्पणी की**

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन घोटाले से जुडे मामले में एसीबी की ओर से पूर्व मंत्री महेश जोशी की गिरफ्तारी को लेकर कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि गिरफ्तारी का कारण और गिरफ्तारी का आधार अलग-अलग बातें हैं। एसीबी ने केवल एफआईआर व धाराओं का उल्लेख कर गिरफ्तारी की, जबकि आरोपी को यह बताना जरूरी है कि उसकी भूमिका क्या है और गिरफ्तारी क्यों जरूरी है। ऐसा लगता है कि एसीबी को गिरफ्तारी करने के कारणों की मूलभूत समझ तक नहीं है। वहीं अदालत ने एसीबी कोर्ट के पीठासीन अधिकारी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि आरोपी की ओर से 7 मई को ही प्रार्थना पत्र पेश कर गिरफ्तारी की वैधता पर आपत्ति उठाई गई थी, लेकिन संबंधित पीठासीन अधिकारी ने रिमांड देते हुए प्रार्थना पत्र को 31 दिन तक लंबित रखा। अदालत ने पुलिस और न्यायिक अधिकारियों को प्रशिक्षण की जरूरत बताते हुए आदेश की कॉपी को हाईकोर्ट प्रशासन व एसीएस गृह को भेजी है। जस्टिस उमाशंकर व्यास और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह आदेश रोहित जोशी की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर विस्तृत आदेश जारी करते हुए दिए। हालांकि अदालत ने कहा कि एक बार न्यायिक रिमांड हो जाने के बाद बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका के जरिए शुरूआती गिरफ्तारी की वैधता को सीधे चुनौती नहीं दी जा सकती। अदालत ने कहा कि एसीबी कोर्ट की ओर से प्रार्थना पत्र तय करने वाले गत 8 जून के आदेश को अलग से चुनौती दी जा सकती है। अदालत ने कहा कि ऐसा कोई रिकॉर्ड पेश नहीं किया गया, जिससे साबित हो कि गिरफ्तारी के आधार बताए गए हो। केवल गिरफ्तारी के आधार बताना पर्याप्त नहीं है।

याचिका में अधिवक्ता स्नेहदीप ने बताया की याचिकाकर्ता के पिता को गिरफ्तार करते हुए एसीबी की ओर से गिरफ्तारी के आधार नहीं बताए गए, जबकि कानूनन इसके आधार बताना जरूरी है। इसलिए गिरफ्तारी अवैध होने के कारण उसके पिता को रिहा किया जाए।

‘सभी नागरिक महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्रोत्थान का संकल्प लें’

हल्दीघाटी विजय के 450 वर्ष पूर्ण होने पर उदयपुर में ‘‘राष्ट्र चेतना संकल्प सभा’’ का आयोजन

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, निम्बार्काचार्य श्रीजी श्याम शरण देवाचार्य आदि मौजूद रहे।

- **दुनिया में कहीं अकबर की जयंती नहीं मनाई जाती, जबकि महाराणा प्रताप का स्मरण आज भी जन-जन करता है : डॉ. मोहन भागवत**

उदयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत का इतिहास पराधीनता का नहीं, बल्कि विदेशी आक्रांताओं के विरुद्ध निरंतर चले संघर्ष, प्रतिरोध और आत्मगौरव का इतिहास है। हल्दीघाटी का युद्ध केवल दो सेनाओं का युद्ध नहीं था, बल्कि राष्ट्रचेतना और स्वाभिमान की रक्षा के लिए संपूर्ण समाज द्वारा लड़ा गया महासंग्राम था। हल्दीघाटी विजय के 450 वर्ष पूर्ण होने और वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती के अवसर पर उदयपुर के गांधी ग्राउंड में प्रताप गौरव केन्द्र राष्ट्रीय तीर्थ के तत्वावधान में आयोजित विशाल ‘‘राष्ट्र चेतना संकल्प सभा’’ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी की विजय इसलिए हुई क्योंकि महाराणा प्रताप का जन्म हुआ था। उन्होंने कहा कि यदि युद्ध के बाद भी शत्रु भय और असुरक्षा की स्थिति में रहा, तो वास्तविक विजय किसकी थी, इसका निर्णय इतिहास स्वयं करता है।

डॉ. भागवत ने कहा, दुनिया में कहीं अकबर की जयंती नहीं मनाई जाती, जबकि महाराणा प्रताप का स्मरण आज भी जन-जन करता है। इतिहास का यह लोकनिर्णय स्वयं बताता है कि विजय किसकी हुई थी। सरसंघचालक ने कहा कि भारत की शक्ति उसकी एकता, समरसता और आत्मविश्वास में निहित है। केवल संकट के समय ही नहीं, बल्कि सामान्य परिस्थितियों में भी समाज को संगठित और जागृत रहना होगा। उन्होंने कहा कि स्वाभिमान और ‘स्व’ का भाव जब तक जीवित रहेगा, तब तक भारत हर चुनौती का सामना करते हुए विजय की नई गाथाएं रचता रहेगा। उन्होंने उपस्थित जनसमूह का आव्हान करते हुए कहा कि सभी नागरिक महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्रोत्थान, समाज संगठन और विश्वकल्याण का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि भारत का उत्थान ही विश्व के कल्याण का मार्ग है और इसी दिशा में कार्य करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

समारोह में विशिष्ट अतिथि निम्बार्काचार्य श्रीजी श्याम शरण देवाचार्य ने कहा कि यह आयोजन केवल एक ऐतिहासिक स्मरण नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान और सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का महापर्व है। उन्होंने कहा कि वर्षों से इतिहास के संबंध में फैलाई गई भ्रांतियों का निराकरण अब समाज के सामने हो रहा है और महाराणा प्रताप के वास्तविक गौरव को पुनः स्थापित किया जा रहा है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति के अध्यक्ष डॉ. भगवती प्रकाश शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि अब समय आ गया है कि हल्दीघाटी युद्ध के वास्तविक इतिहास को जन-जन तक पहुंचाया जाए और उन भ्रांतियों का निराकरण किया जाए जो वर्षों से समाज में प्रचारित की जाती रही हैं। डॉ. शर्मा ने समाज के सभी वर्गों से आव्हान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर हल्दीघाटी विजय के ऐतिहासिक सत्य को नई पीढ़ी तक पहुंचाएं। इससे पूर्व, आरंभ में प्रताप गौरव केन्द्र के निदेशक अनुराग सक्सेना ने सभी का स्वागत करते हुए वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति व समिति के अंतर्गत संचालित प्रताप गौरव केन्द्र का परिचय दिया। उन्होंने युवा पीढ़ी से हल्दीघाटी विजय का उद्घोष पूरे विश्व में गुंजाने का प्रण लेने का आव्हान किया।

राष्ट्र चेतना संकल्प सभा में मेवाड़-वागड़ के कई संत-महंतों का सान्निध्य प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, भागीरथ चौधरी, उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन सिंह राठौड़, सांसद सीपी जोशी, डॉ. मन्नालाल रावत, राज्यसभा सांसद सतीश पूनिया, धरोहर संरक्षण प्राधिकरण अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत आदि उपस्थित थे। विशेष रूप से नाथद्वारा विधायक व मेवाड़ राजपरिवार के महाराणा विश्वराज सिंह मेवाड़ भी उपस्थित थे। सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ भी सभा में उपस्थित थीं।

झुंझुनूं में अन्नपूर्णा रसोई योजना में फर्जीवाड़े का मामला सामने आया

जिले की तीन संस्थाओं को स्वायत्त शासन विभाग ने ब्लैकलिस्ट किया

झुंझुनूं, (निसं)। गरीब और जरूरतमंद लोगों को सस्ती दर पर भोजन उपलब्ध कराने के लिए संचालित अन्नपूर्णा रसोई योजना में फर्जीवाड़े का बड़ा मामला सामने आया है। गरीबों के नाम पर सरकारी धन हड़पने की कोशिश करने वाली झुंझुनूं जिले की तीन संस्थाओं पर स्वायत्त शासन विभाग ने कार्रवाई करते हुए उन्हें ब्लैकलिस्ट कर दिया है। साथ ही प्रत्येक संस्था पर एक-एक लाख रुपए की पेनल्टी भी लगाई गई है।

कार्रवाई के दौरान सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि फर्जीवाड़ा पकड़े जाने पर संस्थाओं ने ऐसे-ऐसे तर्क दिए, जिन्हें पढ़कर विभागीय अधिकारी भी चौंक गए। विभाग ने इन जवाबों को असंतोषप्रद, अतार्किक और तथ्यहीन मानते हुए खारिज कर दिया। विभाग की आईटी टीम ने मार्च और अप्रैल माह में काटे गए भोजन कूपनों की जांच की। जांच में सामने आया कि झुंझुनूं नगर परिषद क्षेत्र की रसोई संख्या 1520 और पिलानी नगर पालिका क्षेत्र की रसोई संख्या 1271 में एक ही फोटो की फोटो खींचकर नए लाभार्थी दिखाए गए और फर्जी कूपन काटे गए, ताकि अधिक से अधिक भुगतान उठाया जा सके।

जब झुंझुनूं की रसोई संचालित करने वाली संस्था से जवाब मांगा गया तो उसने दावा किया कि कच्ची बस्तियों और झुग्गी-झोपड़ियों के लोग प्रतिदिन भोजन करने आते हैं। इसलिए फोटो एक जैसी दिखाई दे रही हैं। विभाग ने इस तर्क को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। इसी तरह पिलानी की रसोई में गड़बड़ी सामने आने पर संचालक संस्था ने पूरा दोष कंप्यूटर ऑपरेटर पर मढ़ दिया। लेकिन विभाग ने साफ कहा कि फर्जी कूपनों का आर्थिक लाभ संस्था को मिलता है। कंप्यूटर ऑपरेटर को नहीं। सबसे दिलचस्प जवाब चिड़ावा नगरपालिका क्षेत्र की रसोई संख्या 439 के मामले में सामने आया। यहां जांच में पाया गया कि लाभार्थियों की पुरानी तस्वीरें सुरक्षित रखकर उन्हें बार-बार अपलोड कर फर्जी कूपन काटे गए। इस पर संस्था ने सफाई दी कि उनके यहां आने वाले लाभार्थी इतने गरीब हैं कि उनके पास पर्याप्त कपड़े नहीं हैं और वे रोज एक ही कपड़े पहनकर भोजन करने आते हैं। विभाग ने इस जवाब को भी तथ्यहीन और हास्यास्पद मानते हुए खारिज कर दिया। तीनों मामलों में दोषी पाई गई संस्थाओं को ब्लैकलिस्ट करते हुए संबंधित निकायों को रसोई संचालन नियमित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही एक-एक लाख रुपए की पेनल्टी लगाने के आदेश जारी किए गए हैं। यह राशि संस्थाओं के बिलों से समायोजित की जाएगी या फिर पीडीआर एक्ट के तहत वसूली जाएगी। जानकारों का कहना है कि यह कार्रवाई मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जीरो टॉलरेंस नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ''ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा'' संकल्प के अनुरूप की गई है। कार्रवाई के बाद जिलेभर में अन्नपूर्णा रसोई संचालित करने वाली संस्थाओं में हड़कंप मचा हुआ है। वहीं चर्चा है कि अन्य रसोइयों की जांच में भी इसी तरह की गड़बड़ियां सामने आ सकती हैं।

श्रीडूंगरगढ़ में हुये हादसे में दूसरे घायल ने भी दम तोड़ा

- **दो दिन में हुये सड़क हादसों में नौ लोगों की मौत हो चुकी है**

बीकानेर, (निसं) जिले के श्रीडूंगरगढ़ में कालू रोड पर मंगलवार शाम हुए सड़क हादसे में घायल दूसरे सगे भाई की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे में पहले रामकुमार सारस्वत की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि गंभीर रूप से घायल उनके भाई देवकरण उर्फ रामरख सारस्वत को पीबीएम अस्पताल रेफर किया गया था। बुधवार को उपचार के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। इसके साथ ही इस हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर दो हो गई है।

देवकरण (रामरख) के साथ पीबीएम अस्पताल पहुंचे परिजनों ने ट्रॉमा सेंटर पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि समय पर उचित उपचार नहीं मिलने के कारण उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। हालांकि इस मामले में अस्पताल प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। कालू रोड पर गुसाईंसर बड़ा के पास मारुति एर्टिका कार और पिकअप-कैम्पर के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई थी। हादसा इतना भीषण था कि कार सवार राजेरा गांव निवासी रामकुमार सारस्वत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके भाई देवकरण उर्फ रामरख गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बाद में इलाज के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद पिकअप वाहन भी पलट गया। हादसे में गांव सातलेरा निवासी गिरधारीलाल जाखड़, उनकी पत्नी शारदा जाखड़, बेनीसर निवासी संतोष जाखड़ और श्रीडूंगरगढ़ निवासी गौरव टाडा भी घायल हो गए। सभी घायलों का उपचार कराया गया और गंभीर घायलों को बीकानेर रेफर किया गया। हादसे की सूचना मिलते ही डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम वेलफेयर सोसायटी और आपणों गांव सेवा समिति की एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई। सेवादारों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को श्रीडूंगरगढ़ उपजिला अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद पांचों घायलों को बेहतर इलाज के लिए बीकानेर रेफर किया गया।

हादसे की जानकारी मिलते ही पूर्व विधायक गिरधारीलाल महिया, विधायक ताराचंद सारस्वत के पुत्र शिव सारस्वत, आरएलपी नेता विवेक माचरा, दलित नेता राजेंद्र बापेऊ और कॉमरेड सीमा जैन सहित कई जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता पीबीएम ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। सभी ने घायलों और मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। लगातार दो दिनों के भीतर सड़क हादसों में 9 लोगों की मौत ने पूरे श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। इससे पहले सोमवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के सात लोगों की जान चली गई थी। अब कालू रोड हादसे में दो सगे भाइयों की मौत के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है और लोग लगातार हो रहे सड़क हादसों को लेकर चिंता जता रहे हैं।

बीकानेर के पीबीएम में प्रसूताओं की किडनी फेल होने के मामले की दिल्ली एम्स ने समीक्षा की

- **नई दिल्ली एम्स की हाई लेवल विशेषज्ञ समिति और बीकानेर के सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के सीनियर डॉक्टरों के बीच वर्चुअल बैठक हुई**
- **बैठक में एम्स की प्रसूति एवं स्त्री रोग विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. नीना मल्होत्रा ने पूरे मामले की समीक्षा की।सामने आया कि पीबीएम में भर्ती प्रसूताओं की हालत पहले से ही गंभीर थी**

बीकानेर, (निसं)। पीबीएम अस्पताल में गंभीर प्रसूताओं के मामले में अब देश के सबसे बड़े मेडिकल एक्सपर्ट्स की एंट्री हो गई है। नई दिल्ली एम्स की हाई लेवल विशेषज्ञ समिति और बीकानेर के सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के सीनियर डॉक्टरों के बीच एक बेहद महत्वपूर्ण टेली कंसल्टेशन (वर्चुअल) बैठक हुई। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल भी वर्चुअल शामिल हुए।

जानकारी के अनुसार मंत्री मेघवाल पीबीएम अस्पताल पहुंचे थे, तब उन्होंने पीड़ित परिवारों से वादा किया था कि वे इस मामले में देश के सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरों का मार्गदर्शन दिलवाएंगे। महज 48 घंटे के भीतर दिल्ली एम्स के निदेशक ने चार सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की एक हाई लेवल कमेटी गठित कर दी, जिसने मंगलवार को सीधे बीकानेर के डॉक्टरों से संवाद किया। बैठक में एम्स की प्रसूति एवं स्त्री रोग विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. नीना मल्होत्रा ने पूरे मामले की समीक्षा की। सामने आया कि पीबीएम अस्पताल में भर्ती प्रसूताओं की हालत पहले से ही अत्यधिक गंभीर थी। इन महिलाओं ने प्रसव से पहले (एंटीनेटल) न तो जरूरी चेकअप करवाए थे और न ही समय पर आवश्यक दवाइयां ली थीं। जब इन्हें निचले अस्पतालों से पीबीएम रेफर किया गया, तब इनका हीमोग्लोबिन बेहद कम और ब्लड प्रेशर खतरनाक स्तर तक बढ़ा हुआ था। जटिलताएं अधिक होने के कारण केस बिगड़े।

एम्स की कमेटी ने इस बैठक में बीकानेर संभाग के चिकित्सा ढांचे को लेकर एक बड़ा सुझाव दिया है। डॉ. नीना मल्होत्रा ने कहा कि भविष्य में ऐसे गंभीर मामलों को रोकने के लिए ग्रामीण और ब्लॉक स्तर के चिकित्सा संस्थानों जैसे पीएचसी, सीएचसी और अन्य निचले अस्पतालों को और अधिक सुदृढ़ करने की जरूरत है, ताकि मरीजों को शुरुआती स्तर पर ही सही इलाज और सलाह मिल सके। प्रो. डॉ. नीना मल्होत्रा (विभागाध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्री रोग की अध्यक्षता में गठित एम्स की टीम में प्रो. डॉ. विमी रेवारी (एनेस्थीसिया एवं क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ), प्रो. डॉ. संदीप महाजन, प्रो. डॉ. हेमचंद्र पांडे शामिल थे। मेडिकल कॉलेज की टीम में प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र वर्मा के साथ डॉ. परमिंदर सिरोही, डॉ. जितेंद्र फलोदिया, डॉ. रवि चांडक, डॉ. जिनेश, डॉ. खेताराम, डॉ. सुमन बुडानिया सहित कई वरिष्ठ चिकित्सक मौजूद रहे। बीकानेर के डॉक्टरों के लिए राहत की बात यह रही कि एम्स की विशेषज्ञ टीम ने पीबीएम अस्पताल द्वारा अब तक किए गए इलाज और केयर पर पूरी तरह संतोष जताया।

सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र वर्मा ने बैठक में बताया कि पीबीएम के वरिष्ठ व अनुभवी डॉक्टरों की टीम लगातार मॉनिटरिंग कर रही है। इसका असर यह है कि दो गंभीर प्रसूताओं की स्थिति में अब तेजी से सुधार हो रहा है और उन्हें आने वाले कुछ दिनों में अस्पताल से डिस्चार्ज (छुट्टी) कर दिया जाएगा।

हादसे में युवक की मौत

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा जिले के रिफाइनरी क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब पचपदरा से बाडमेर जा रही एक बस ने साभंरा के पास बाइक को टक्कर मार दी।

जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान रमेश पुत्र शोमाराम भील निवासी साभंरा के रूप में हुई है। रमेश साभंरा स्थित बालाजी गौशाला में कार्यरत था और गौशाला में दूध सप्लाई का काम करता था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस की टक्कर इतनी जोरदार थी कि रमेश गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पचपदरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

एनजीटी के आदेशों की पालना व ओवरलोड ट्रकों को बंद करवाने की मांग

- **जोधपुरा संघर्ष समिति का अनिश्चितकालीन धरना 1286 वें दिन जारी भी रहा**
- **‘अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के ओवरलोड वाहनों से ग्रामीणों को भारी परेशनी का सामना करना पड़ रहा है’**

कोटपूतली, (निसं)। जोधपुरा संघर्ष समिति द्वारा दिया जा रहा अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को लगातार 1286 वें दिन भी जारी रहा। समिति द्वारा एनजीटी के आदेशों की पालना व गांव की आबादी से गुजरने वाले ओवरलोड ट्रकों को पूर्णतः बंद करवाने की मांग को लेकर बुधवार को जिला कलैक्टर के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया।

सचिव कैलाश यादव व उपाध्यक्ष सतपाल यादव ने बताया कि एनजीटी के आदेशों की पालना नहीं होने एवं अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के ओवरलोड वाहनों से ग्रामीणों को भारी परेशनी का सामना करना पड़ रहा है। प्लांट के निकट आबादी क्षेत्र में संचालित क्रेशर एवं खनन क्षेत्र में होने वाली ब्लास्टिंग के कारण स्थानीय ग्रामीणों का जीवन अत्यंत प्रभावित हो रहा है। इस संबंध में ग्रामीणों द्वारा अनेक बार प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा भी ग्रामीणों के पक्ष में आदेश पारित किए जा चुके हैं, किन्तु उनका प्रभावी पालन नहीं हो रहा है। वर्तमान में प्लांट परिसर एवं खनन क्षेत्र तथा क्रेशर क्षेत्र में रात्रिकाल में हाई मास्ट लाईटों के अत्यधिक उपयोग से आसपास के निवासियों की नींद प्रभावित हो रही है। साथ ही धूल एवं प्रदूषण के कारण बच्चों, बुजुर्गों तथा अन्य ग्रामीणों में एलर्जी, दमा एवं श्वास संबंधी बीमारियों की शिकायतें बढ़ रही हैं। एनजीटी न्यायालय ने आबादी, स्कूल व मंदिर से 500 मीटर की दूरी छोड़कर ब्लास्टिंग किए जाने के आदेश दिए हैं, फिर भी अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट द्वारा 250 से 300 मीटर की दूरी पर ब्लास्टिंग की जा रही है। सीमेंट प्लांट से संबंधित ओवरलोड ट्रक एवं भारी वाहन ग्रामीण सड़क से गुजरते हैं, जिससे अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण उत्पन्न होता है। यह सड़क मूल रूप से ग्रामीण उपयोग हेतु निर्मित है तथा इसके आसपास आबादी, विद्यालय एवं खेल मैदान स्थित हैं। भारी वाहनों के आवागमन से दुर्घटना का गंभीर खतरा बना रहता है तथा ग्रामीणों में भय एवं असुरक्षा का वातावरण है।

सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम शुक्लावास ने सीमेंट प्लांट एवं क्रेशर से संबंधित ओवरलोड वाहनों की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्यवाही, आबादी क्षेत्र, विद्यालय एवं खेल मैदान के निकट से भारी वाहनों के आवागमन पर तत्काल रोक अथवा वैकल्पिक मार्ग निर्धारित करने, एनजीटी के आदेशों की प्रभावी पालना, रात्रिकालीन ध्वनि एवं प्रकाश प्रदूषण पर नियंत्रण हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित करने, ग्रामीणों के जीवन, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा की रक्षा हेतु आवश्यक प्रशासनिक कदम उठाने की मांग की हैं।

राधेशाम शुक्लावास ने कहा कि यदि शीघ्र उचित कार्यवाही नहीं की जाती है तो ग्रामीण लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन अब सड़क पर बैठक करने के लिए बाध्य होंगे। आबादी व स्कूल के बीचों बीच भारी वाहनों को नहीं चलने दिया जायेगा। ऐसी स्थिति में कानून-व्यवस्था संबंधी किसी भी अप्रिय परिस्थिति की जिम्मेदारी प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों की होगी। इस दौरान कृष्ण रावत, भूपसिंह धानका, ग्यारसी लाल सहित जोधपुरा संघर्ष समिति के अनेक लोग मौजूद रहे।

चेन चोरी का खुलासा, दो महिलायें गिरफ्तार

सरवाड़/ अजमेर। सरवाड़ कस्बे में आयोजित अमृतराम महाराज की कथा के दौरान महिलाओं के गले से सोने की चेन चोरी करने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक सोने की चेन भी बरामद की है। फिलहाल दोनों महिलाओं से पूछताछ जारी है।

जानकारी के अनुसार, सरवाड़ के खिरिया गेट स्थित माली भवन में आयोजित अमृतराम महाराज की कथा के दौरान माया देवी माली और विमला देवी शर्मा के गले से सोने की चेन चोरी हो गई थी। दोनों महिलाओं ने सरवाड़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि कथा सुनने के दौरान अज्ञात लोगों ने उनके गले से चेन पार कर दी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा जांच शुरू की। मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दिल्ली निवासी चांदनी और अंबिका को कोटा से हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद दोनों महिलाओं को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से एक सोने की चेन बरामद कर ली गई है। मामले में अन्य वारदातों और संभावित सहयोगियों के संबंध में भी जांच की जा रही है।

मसूदा के पुराने बस स्टैंड पर जाम से परेशानी

मसूदा, (निसं)। मसूदा का पुराना बस स्टैंड और आसपास का क्षेत्र इन दिनों अव्यवस्थित पार्किंग के कारण गंभीर यातायात समस्या का सामना कर रहा है। सड़क किनारे खड़े वाहनों के चलते दिनभर जाम जैसे हालात बने रहते हैं और आमजन को परेशानी उठानी पड़ रही है। मुख्य बाजार और प्रशासनिक केंद्र होने के कारण इस क्षेत्र में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बसों, टैक्सियों, ऑटो रिक्शा, टेम्पो और निजी वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग व्यवस्था नहीं होने से चालक सड़क किनारे ही वाहन खड़े कर सवारियां भरते हैं। इससे मार्ग संकरा हो जाता है और बड़े वाहनों की आवाजाही प्रभावित होती है।

बूंदी के भोपतपुरा गांव के लोगों ने गिद्धों को बचाने की अभिनव पहल शुरु की

भोपतपुरा के रेंजर जनक सिंह ने ग्रामीणों के साथ मिलकर गिद्धों के भोजन के लिए व्यवस्था की।

- **एक साल से जंगल में बसे सुंठी गांव के निकट गिद्धों के भोजन के लिए मृत स्वस्थ नर मवेशियों को डालने की शुरुआत की**
- **राज्य में बढ़ रही है गिद्धों की तादात, लेकिन इनके पुनर्वास के लिए योजना नहीं बनी है**

बूंदी, (निसं)। हाड़ौती सहित राजस्थान में लगभग 30 साल पहले तक बड़े आकार वाले गिद्ध पक्षी हर गांव और शहर के आसपास सहज रूप से नजर आ जाते थे। सड़क किनारे किसी मृत जानवर की खाल उतारने से पहले ये पक्षी आकाश में मंडराते हुए आसपास जमा हो जाते और तत्काल मृत शरीर पर टूट पड़ते। देखते ही देखते चंद घंटों में पूरे मवेशी के मांस को खाकर उसे कंकाल में बदल देते थे। जंगल या खेत के ऊपर यदि कोई गिद्ध समूह चक्कर लगाता दिखता तो लोग अनुमान लगा लेते थे कि वहां कोई मवेशी मरा हुआ है। तीन दशक पहले तक आसमान में गोल-गोल चक्कर काटते गिद्धों का समूह दिखना एक आम बात थी, लेकिन देखते ही देखते अचानक से ये पक्षी गायब हो गए और जो बचे वो भी गांव शहर से दूर पहाड़ी कंदराओं तक सिमट कर अपनी प्रजाती का अस्तित्व बचाने की मशक्कत कर रहे हैं।

विलुप्त होने के गंभीर संकट के बीच इन्होंने जंगल में वन्यजीवों की मौत या किसी हिंसक जीव के बचे शिकार से अपना अस्तित्व बचाए रखा, लेकिन जंगलों में भी अब वन्यजीवों की संख्या कम होने से ये पक्षी भूख-प्यास से दम तोड़ने लगे हैं जो एक चिंतनीय पहलू है। यदि समय रहते इनके भोजन व संरक्षण के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो वो दिन दूर नहीं जब केवल ये पक्षी चित्रों में ही देखने को मिलेंगे।

कागजों से बाहर नहीं निकला गिद्ध बचाओ अभियान :- राजस्थान के जंगलों में तीन दशक पहले गिद्धों की सभी प्रजातियां मौजूद थी, लेकिन अचानक से इनके गायब होने के बाद गिद्ध संरक्षण के लिए बनी योजनाओं पर राज्य में बीकानेर के अलावा अन्य जगहों पर कोई उल्लेखनीय काम नहीं हुआ। इस मामले में मध्यप्रदेश में सराहनीय प्रयास हुए हैं, जिससे वहां गिद्धों के संरक्षण की प्रभावी योजना बनी है। राजस्थान में हाड़ौती के सभी जिलों में इनकी मौजूदगी दर्ज की गई है। कोटा, झालावाड़ व बारां के अलावा बूंदी की चंबल नदी घाटी, बरड़, भीमलत, कालदां, तलवास, व रामगढ़-विषधारी टाइगर रिजर्व क्षेत्र में इनकी तीन-चार प्रजातियां बची हुई हैं जिनके लिए कार्य योजना बनाई जानी चाहिए।

भोपतपुरा रेंजर ने की गिद्ध संरक्षण की पहल, किए पुख्ता प्रबंध :- जिले के रामगढ़-विषधारी टाइगर रिजर्व के बफर जोन भीमलत क्षेत्र में गिद्धों की उपस्थिति को देखते हुए भोपतपुरा के रेंजर जनक सिंह ने ग्रामीणों के साथ मिलकर अभिनव पहल की है। एक साल से जंगल में बसे सुंठी गांव के निकट गिद्धों के भोजन के लिए मृत स्वस्थ नर मवेशियों को डालने की शुरुआत की। इसके लिए उन्होंने ग्रामीणों से समझाइश कर मृत मवेशी की सूचना देने का अनुरोध किया। मृत मवेशी डालने का काम भी वन विभाग ही करता है तथा कैमरे लगाकर इसकी निगरानी भी की जा रही है। इसके परिणाम भी सुखद रहे और क्षेत्र में इन दुर्लभ जीवों की संख्या बढ़ने लगी है। आवश्यकता इस बात की है कि इस तरह के प्रयोग सरकारी स्तर पर अन्य गिद्ध उपस्थिति वाले क्षेत्रों में भी किया जाना चाहिए।

हाईवे की सर्विस रोड पर खड़े ट्रेलर में आग लगी, बड़ा हादसा टला

पावटा, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर पाथरेड़ी पुलिया के समीप सर्विस रोड पर खड़े एक ट्रेलर में अचानक आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। हालांकि समय रहते आग पर काबू पा लिए जाने से बड़ा हादसा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेलर सर्विस रोड किनारे खड़ा था, तभी उसमें से धुआं उठता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग ने ट्रेलर के एक हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। बाद में कोटपुतली नगर परिषद व पावटा प्रागपुरा नगरपालिका दमकल कर्मियों की सहायता से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया। वहीं प्रागपुरा थाना पुलिस व सरुंड थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

प्रागपुरा थाना पुलिस एएसआई कंवर सिंह ने बताया कि सुबह 11.50 पर ट्रेलर में आग लगने की सूचना मिली जिस पर मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की व ट्रेलर नंबरों से मालिक का पता लगाकर उसको सूचना दी गई। आग लगने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट अथवा तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है। घटना में ट्रेलर को आंशिक नुकसान पहुंचा है। राहत की बात यह रही कि आग लगने के समय ट्रेलर के आसपास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे जनहानि नहीं हुई। घटना के दौरान कुछ समय के लिए सर्विस रोड पर यातायात प्रभावित रहा, लेकिन प्रशासन और स्थानीय लोगों की तत्परता से स्थिति जल्द ही सामान्य कर दी गई। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच में जुटे हुए हैं। स्थानीय लोगों ने हाईवे और सर्विस रोड पर खड़े भारी वाहनों की नियमित जांच तथा सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

मेसी के बारे में क्या कहूं, शब्द ही नहीं है। हर फुटबॉलप्रेमी उसे खेलते देखना चाहता है और उसके खेल का आनंद लेता है।'' विश्व कप में लगातार पांचवें मैच में मेस्सी ने गोल दागा है।
- लियोनेल स्कालोनी

अर्जेंटीना के कोच, मेस्सी के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

श्रेयस अय्यर

श्रेयस अय्यर ने छोटी लेकिन असरदार पारी खेली और 24 गेंदों में 26 रन बनाए। अय्यर ने अपने वनडे करियर में 3000 रन पूरे किए और ऐसा करके वे भारतीय क्रिकेट इतिहास में संयुक्त रूप से दूसरे सबसे तेज़ी से यह उपलब्धि हासिल करने वाले खिलाड़ी बन गए। खास बात यह है कि अय्यर ने सबसे कम पारियों में 3000 वनडे रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की लिस्ट में शिखर धवन की बराबरी कर ली है। धवन और अय्यर, दोनों ने यह मुकाम हासिल करने के लिए 72 पारियां लीं, जबकि शुभमन गिल 62 पारियों के साथ इस लिस्ट में टॉप पर हैं।

क्या आप जानते हैं ?... ब्राज़ील: 5 बार (1958, 1962, 1970, 1994, 2002)। ब्राज़ील एकमात्र ऐसी टीम है जो हर फीफा विश्व कप (1930-2026) में शामिल रही है।

FIFA WORLD CUP 2026

आज के मैच

इंग्लैंड बनाम क्रोएशिया
सुबह 1.30 बजे

घाना बनाम पनामा
सुबह 4.30 बजे

उज्बेकिस्तान बनाम कोलंबिया
सुबह 7.30 बजे

चेकिया बनाम दक्षिण अफ्रीका
सुबह 9.30 बजे

मेसी की हैट्रिक से अर्जेंटीना की शानदार शुरुआत, अल्जीरिया को 3-0 से हराया

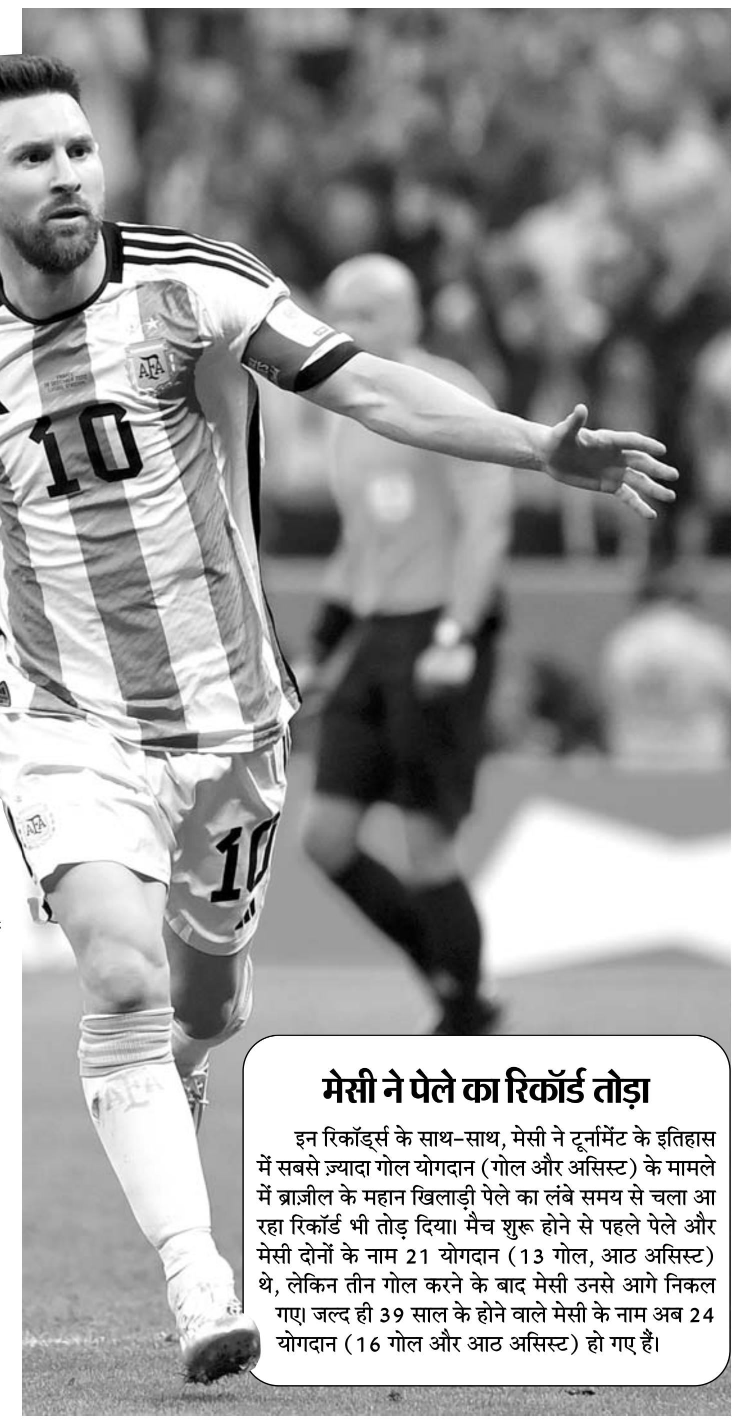

सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी
- मिरोस्लाव क्लोज़ (जर्मनी) - 16
- लियोनेल मेसी (अर्जेंटीना) - 16
- रोनाल्डो (ब्राज़ील) - 15
- गर्ड मुलर (जर्मनी) - 14
- काइलियन एम्बाप्पे (फ्रांस) - 14

कैन्सस सिटी, 17 जून। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम करते हुए फीफा विश्व कप 2026 के पहले मुकाबले में हैट्रिक लगाई और अर्जेंटीना को अल्जीरिया पर 3-0 की शानदार जीत दिलाई। 38 वर्षीय मेसी ने मैच में तीन गोल दागकर न केवल टीम को जीत दिलाई, बल्कि विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली। मेसी अब विश्व कप में 16 गोल के साथ जर्मनी के पूर्व स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोज़े के बराबर पहुंच गए हैं। इसके साथ ही मेसी विश्व कप के इतिहास में पांच अलग-अलग विश्व कप संस्करणों में गोल करने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए। इससे पहले यह उपलब्धि क्रिस्टियानो रोनाल्डो हासिल कर चुके हैं। अर्जेंटीना ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और मेसी ने अपनी शानदार लय जारी रखते हुए अल्जीरिया की रक्षा पंक्ति को लगातार परेशान किया। उनके तीनों गोलों ने स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को रोमांचित कर दिया। मेसी ने इस मुकाबले के साथ एक और रिकॉर्ड बनाया। वह विश्व कप में हैट्रिक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए और इस मामले में उन्होंने क्रिस्टियानो रोनाल्डो का रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिया। विश्व चैंपियन अर्जेंटीना ने इस जीत के साथ अपने अभियान की दमदार शुरुआत की है और टीम ने खिताब बचाने की दिशा में मजबूत संकेत दिए हैं। अब अर्जेंटीना अपने अगले मुकाबले में इसी लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगा, जबकि अल्जीरिया वापसी की उम्मीद के साथ अगले मैच की तैयारी करेगा। मंगलवार को अल्जीरिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 3-0 से जीत के साथ अपने 2026 वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करते हुए, 38 साल और 357 दिन के लियोनेल मेसी वर्ल्ड कप में हैट्रिक लगाने वाले सबसे उम्रदराज़ खिलाड़ी बन गए। फॉक्स स्पोर्ट्स के अनुसार, मेसी ने रूस में हुए 2018 फीफा वर्ल्ड कप में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बनाए पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया; उस समय 33 साल के रोनाल्डो ने स्पेन के खिलाफ हैट्रिक लगाई थी। अर्जेंटीना के लिए अपने 200वें मैच में मेसी ने तीन अलग-अलग तरह के गोल किए। यह उपलब्धि मेसी के पहले वर्ल्ड कप गोल के ठीक 20 साल बाद मिली जो उन्होंने 2006 वर्ल्ड कप में सर्बिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 6-0 से जीत के दौरान किया था। मेसी ने इस मैच में शानदार हैट्रिक लगाई और ज़बरदस्त शॉट मारकर अपना दबदबा कायम किया।

मेसी ने पेले का रिकॉर्ड तोड़ा

इन रिकॉर्ड्स के साथ-साथ, मेसी ने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज़्यादा गोल योगदान (गोल और असिस्ट) के मामले में ब्राज़ील के महान खिलाड़ी पेले का लंबे समय से चला आ रहा रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। मैच शुरू होने से पहले पेले और मेसी दोनों के नाम 21 योगदान (13 गोल, आठ असिस्ट) थे, लेकिन तीन गोल करने के बाद मेसी उनसे आगे निकल गए। जल्द ही 39 साल के होने वाले मेसी के नाम अब 24 योगदान (16 गोल और आठ असिस्ट) हो गए हैं।

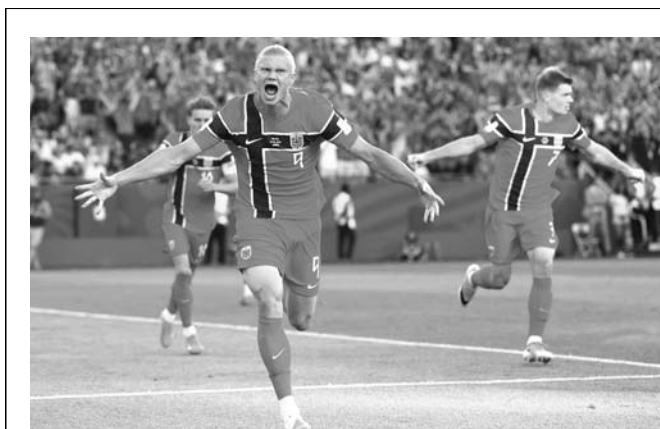

नॉर्वे ने इराक को 4-1 से हराकर की विजयी शुरुआत

बोस्टन, 17 जून। स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालांड के शानदार दो गोलों की बदौलत नॉर्वे ने फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-आई मुकाबले में मंगलवार को इराक को 4-1 से हराकर टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की। 28 वर्षों बाद विश्व कप में लौटी नॉर्वे की टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पूरे अंक अपने नाम किए। मुकाबले में नॉर्वे ने 29वें मिनट में बढ़त बनाई, जब हालांड ने पहला गोल दागकर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। हालांकि इराक ने हार नहीं मानी और 39वें मिनट में अयमन हुसैन ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। लेकिन बराबरी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। पहले हाफ के अंत से ठीक पहले इराक की रक्षा पंक्ति की एक बड़ी गलती का फायदा उठाते हुए हालांड ने गलत बैकपास पर तेजी दिखाकर गेंद को जाल में पहुंचाया और नॉर्वे को फिर से बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में नॉर्वे ने खेल पर पकड़ मजबूत बनाए रखी। 76वें मिनट में लियो ओस्टिगार्ड ने कॉर्नर पर शानदार हेडर लगाकर टीम का तीसरा गोल किया। इसके बाद अतिरिक्त समय में इराक के खिलाड़ी अयमन के आत्मघाती गोल ने नॉर्वे की जीत पर मुहर लगा दी और मुकाबला 4-1 से समाप्त हुआ। इस जीत के साथ नॉर्वे ने बेहतर गोल अंतर के आधार पर ग्रुप-आई में फ्रांस को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। वहीं इराक को अगले मुकाबले में वापसी के लिए बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

एम्बाप्पे के दो गोल की बदौलत फ्रांस ने सेनेगल को 3-1 से हराया

न्यूयॉर्क, 17 जून। दो बार की विश्व चैंपियन फ्रांस ने फीफा विश्व कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। मंगलवार को खेले गए ग्रुप-आई मुकाबले में फ्रांस ने सेनेगल को 3-1 से हराया, जिसमें स्टार स्ट्राइकर किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल दागकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। पहले हाफ में सेनेगल ने फ्रांस को कड़ी चुनौती दी और कई मौके भी बनाए, लेकिन गोल करने में नाकाम रही। फ्रांस की टीम भी शुरुआती 45 मिनट में संघर्ष करती नजर आई। दूसरे हाफ में कोच दिदिए देशां की रणनीति काम आई। माइकल ओलीसे को दाएं विंग से बीच में लाने के बाद फ्रांस के आक्रमण में तेजी आई। इसका फायदा 66वें मिनट में मिला जब ओलीसे के शानदार पास पर एम्बाप्पे ने बॉक्स में दौड़ लगाते हुए गोल कर फ्रांस को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद फ्रांस ने दबाव बनाए रखा और मैच के अंतिम चरण में ब्रैडली बारकोला ने दूसरा गोल कर बढ़त को दोगुना कर दिया। हालांकि अतिरिक्त समय में सेनेगल के लिए इब्राहिम एमबाये ने एक गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया, लेकिन फ्रांस की बढ़त ज्यादा देर तक खतरे में नहीं रही। मैच के 96वें मिनट में एम्बाप्पे ने लंबी दूरी से शानदार शॉट लगाकर अपना दूसरा और टीम का तीसरा गोल दाग दिया। इस गोल के साथ एम्बाप्पे फ्रांस के सर्वकालिक सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। उनके नाम अब अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 58 गोल हो गए हैं। विश्व कप इतिहास में भी एम्बाप्पे ने नया मुकाम हासिल किया। उनके विश्व कप गोलों की संख्या 14 हो गई है और अब वह सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी मिरोस्लाव क्लोज़े (16 गोल) से सिर्फ दो गोल पीछे हैं। एम्बाप्पे ने इस सूची में पेले, लियोनेल मेसी और जस्ट फोंटेन को पीछे छोड़ दिया है। फ्रांस अब अपने अगले मुकाबले में इराक से भिड़ेगा, जबकि उसके बाद उसका सामना एरलिंग हालांड की टीम नॉर्वे से होगा। वहीं सेनेगल को नॉकआउट दौर की उम्मीद बनाए रखने के लिए आगामी मैचों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

भारत-ए ने अफगानिस्तान-ए को 101 रन से रौंदा, फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली, 17 जून। भारत ए ने त्रिकोणीय श्रृंखला के अपने अंतिम लीग मुकाबले में अफगानिस्तान ए को 101 रन से हराकर फाइनल में शानदार अंदाज में प्रवेश कर लिया। बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम ने एकतरफा जीत दर्ज की और खिताबी मुकाबले का टिकट पक्का कर लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ए ने निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट पर 319 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से प्रियांश आर्य, कप्तान तिलक वर्मा और कुमार कुशाग्र ने शानदार अर्धशतकीय पारियां खेलीं। सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 42 गेंदों पर 58 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया। उनके साथ वैभव सूर्यवंशी ने 38 रन का योगदान देकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 75 रन जोड़कर मजबूत नींव रखी। मध्यक्रम में कप्तान तिलक वर्मा और कुमार कुशाग्र ने जिम्मेदारी संभाली। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए 104 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को बड़े स्कोर की ओर अग्रसर किया। तिलक ने 75 गेंदों पर 59 रन बनाए, जबकि कुशाग्र ने 67 गेंदों में 58 रन की उपयोगी पारी खेली। अंत में विपराज निगम ने 20 गेंदों पर 30 रन बनाकर टीम का स्कोर 300 के पार पहुंचाया। 320 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान ए की शुरुआत सकारात्मक रही, लेकिन वह बड़ी साझेदारियां बनाने में नाकाम रही। कप्तान इमरान मीर ने 32 रन बनाए, जबकि फैसल शिनोजादा और बहिर शाह ने टीम को संभालने का प्रयास किया। दोनों के बीच 87 रन की साझेदारी हुई, जिससे मुकाबले में कुछ समय के लिए रोमांच बना रहा। हालांकि भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट हासिल कर अफगानिस्तान को वापसी का मौका नहीं दिया। बहिर शाह ने सर्वाधिक 57 रन बनाए, लेकिन उनके आउट होते ही अफगानिस्तान की उम्मीदें भी समाप्त हो गईं। भारत की ओर से निशांत सिंधु ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 31 रन देकर 4 विकेट झटके और विपक्षी बल्लेबाजी क्रम की कमर तोड़ दी। यश ठाकुर ने दो विकेट हासिल किए। अफगानिस्तान ए की पूरी टीम 36.5 ओवर में 218 रन पर सिमट गई और भारत ए ने 101 रन की बड़ी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने फाइनल में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है, जबकि अफगानिस्तान ए के लिए अब फाइनल की राह बेहद कठिन हो गई है।

भारत की अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में धमाकेदार जीत, गिल और ईशान ने जड़े शतक

लखनऊ, 17 जून। टीम इंडिया ने बुधवार को दूसरे वनडे में अफगानिस्तान के परखच्चे उड़ा दिए। भारत ने लखनऊ के मैदान पर 170 रनों से दमदार जीत हासिल की। शुभमन गिल और ईशान किशन ने शतकीय बम फोड़े, जिससे भारत ने 403 रन का विशाल टारगेट दिया। जवाब में अफगानिस्तान टीम 44.3 ओवर में 232 रन ही जुटा सकी। दरविश रसूली (6) रिटायर्ड आउट हुए। अफगानिस्तान की ओर से सर्वाधिक रन रहमत शाह (89 गेंदों में 79, आठ चौके) ने बनाए। भारत के लिए गुरनूर बराड़ और अर्शदीप सिंह ने तीन-तीन शिकार किए।

डेब्यूटेंट प्रिंस यादव को दो सफलता मिली। वॉशिंगटन सुंदर ने एक विकेट हासिल किया। विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान ने सधी हुई शुरुआत की। रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान ने पहले विकेट के लिए 52 रनों की साझेदारी की। गुरनूर बराड़ ने आठवें ओवर में गुरबाज का शिकार किया। उन्होंने 33 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 41 रन बनाए। अर्शदीप सिंह ने 14वें ओवर में इब्राहिम जादरान (31 गेंदों में 21) को पवेलियन भेजा। वॉशिंगटन सुंदर ने 24वें ओवर में सेदिकुल्लाह अटल (50 गेंदों में 42) को एलबीडब्ल्यू किया। उन्होंने रहमत शाह के संग तीसरे विकेट के लिए 47 रनों की साझेदारी की।

दरविश रसूली (6) रिटायर्ड हर्ट हो गए हैं। गुरनूर ने 26वें ओवर में कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी (4) को बोल्ड किया। डेब्यूटेंट प्रिंस यादव ने 31वें ओवर में नांगेयालिया खरोटी (6) को बोल्ड किया। राशिद खान (12), सलीम सफी (9) और अल्लाह गनजफर (1) सस्ते में लौटे। प्रिंस ने रहमत शाह को गुरनूर के हाथों लपकवाया और अफगानिस्तान की पारी को समेटा। इससे पहले, भारतीय टीम 49.5 ओवर में 402 पर सिमटी। शुभमन गिल और ईशान किशन ने अफगानी गेंदबाजों को कूटा। दोनों ने शतकीय पारी खेली। भारत ने आठवीं बार वनडे क्रिकेट में 400 रनों का आंकड़ा पार किया है।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन व एडहॉक कमेटी के जयपुर, उदयपुर स्टेडियम निर्माण के प्रयासों को जिला संघों प्रतिनिधियों ने सराहा : डॉ. मोहित

जयपुर, 17 जून। डॉ मोहित जसवंत यादव, संयोजक आरसीए एडहॉक कमेटी ने बताया के हमारी एडहॉक कमेटी ने पदभार ग्रहण करने के साथ ही राजस्थान की क्रिकेट को पुनः पटरी पर लाने, उच्च स्तरीय खेल इंफ्रास्ट्रक्चर व सुविधाओं सहित सरल पारदर्शी खेल माहौल व समन्वय को विकसित करने के लिए हर स्तर पर सभी जिला संघोव खिलाडियों से समन्वय व उनके महत्वपूर्ण सुझावों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

संयोजक के अनुसार आज विभिन्न जिला क्रिकेट संघआरसीए एडहॉक कमेटी के साथ जिला क्रिकेट संघ प्रतिनिधि विमल शर्मा, सचिव, जैसलमेर जिला क्रिकेट संघ, देवाराम चौधरी, सचिव, बाड़मेर जिला क्रिकेट संघ, राजकुमार माथुर, सचिव, बूंदी जिला क्रिकेट संघ, धर्मवीर सिंह शेखावत, सचिव, पाली जिला क्रिकेट संघ, मनोज चौधरी, सचिव, उदयपुर जिला क्रिकेट संघ ने आरसीए ऑफिस, सवाईमान सिंह स्टेडियम मेंआरसीएएडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव, सदस्य आशीष तिवाड़ी, सुशील जैन से राज्य में खेल इंफ्रास्ट्रक्चर के उच्च स्तर पर विकसित करने व युवा खिलाड़ियों के लिए बेहतर क्रिकेट गतिविधियों के आयोजन व जयपुर, उदयपुर में आरसीए के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम तथा जोधपुर के बरकतउल्लाह खान स्टेडियम को आरसीए खेल गतिविधियों के अनुरूप जल्द से जल्द उपलब्ध करने के लिए गहन चर्चा की।

एडहॉक सदस्य आशीष तिवाड़ी के अनुसार जिला संघ प्रतिनिधयों ने आरसीए एडहॉक कमेटी द्वारा राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के फॉर्मेट को बीसीसीआई द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिताओं के फॉर्मेट के अनुसार आयोजित करने के निर्णय को सराहा व साथ ही इसे राज्य के युवा खिलाडियों को के अपने प्रदर्शन को हर फॉर्मेट के अनुसार प्रदर्शित करने का एक सुनहरा अवसर बताया।

एडहॉक कमेटी सदस्य सुशील जैन के अनुसार जिला क्रिकेट संघ प्रतिनिधियों ने मुलाकात के दौरान विशेष रूप से आरसीए एडहॉक कमेटी द्वारा जयपुर के निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीयक्रिकेट स्टेडियम के निर्माण को जल्द से जल्द प्रगति पर लाने, उदयपुर में आरसीए के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण हेतु सहयोगियों से चर्चा के निर्माण को धरातल पर लाने के लिए किये जा रहे प्रयासों तथा जोधपुर के बरकतउल्लाह खान स्टेडियम मैदान व विकेट को आरसीए खेल गतिविधियों के अनुरूप जल्द से जल्द उपलब्ध करने के लिए किये गए कार्यों के लिए धन्यवाद दिया।

कबड्डी खिलाड़ियों का दमखम बढ़ा रहा आवासीय शिविर

जयपुर, 17 जून। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के 66वें केंद्रीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर में कबड्डी की गूंज सुनाई दे रही है। सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में चल रहे इस शिविर में प्रदेश के 15 बालक एवं 15 बालिका कबड्डी खिलाड़ियों को मैट पर तराशा जा रहा है। शिविर का उद्देश्य खिलाड़ियों को प्रो-कबड्डी के स्तर की फिटनेस, चपलता और मैच टेम्परामेंट से लैस करना है।

इस शिविर में अंडर-17 स्कूल नेशनल में रजत पदक जीत चुकीं तानिया गुर्जर, स्कूल नेशनल में राज्य का प्रतिनिधित्व कर चुकीं समिस्ता तथा जूनियर नेशनल की रजत पदक विजेता खुशबू जोशी विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। इनके साथ राज्य स्तर पर रजत पदक जीत चुकीं दिव्या, रिद्धिमा, तनु, नेहा, निचिता, निकिता, आयुषी व मोनिका सहित अन्य प्रतिभाएं भी मैट पर पसीना बहा रही हैं।

खिलाड़ी राज्य क्रीड़ा परिषद की अनुभवी कबड्डी प्रशिक्षका सरस्वती मुंडे के निर्देशन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। कोच सरस्वती ने बताया कि सुबह के सत्र में स्ट्रेंथ, एंड्योरेंस और एजिलिटी पर काम किया जाता है। वहीं शाम को बोनस लाइन क्रॉस, डू-ऑर-डाई रेड, चेन टैकल, एंकल होल्ड, डैश और ब्लॉक जैसी मैच सिचुएशन ड्रिल्स करवाई जाती हैं।

खिलाड़ी तानिया गुर्जर ने कहा, यहां हमें डिफेंस में पोजिशनिंग और रेड में फुटवर्क की छोटी-छोटी गलतियों को सुधारने का मौका मिल रहा है। मैट पर रोजाना 6 घंटे के अभ्यास से आत्मविश्वास बढ़ा है। प्रशिक्षका सरस्वती मुंडे ने कहा कि सभी खिलाड़ियों का फिटनेस डाटा व स्किल चार्ट तैयार किया जा रहा है। शिविर के बाद प्रत्येक खिलाड़ी को व्यक्तिगत सुधार योजना दी जाएगी ताकि वे आगामी खेलो इंडिया, जूनियर नेशनल और सीनियर नेशनल के लिए बेहतर तैयारी कर सकें। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद का यह प्रयास ग्रामीण अंचल से आने वाली कबड्डी प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच के लिए तैयार करने की दिशा में अहम कदम है। शिविर के समापन पर चयनित खिलाड़ियों का ट्रायल लेकर स्टेट कैंप के लिए कोर ग्रुप भी बनाया जाएगा।

हाफ-टाइम तक पुर्तगाल और कॉन्गो 1-1 की बराबरी पर, जोआओ नेव्स के बाद वीसा ने दागा गोल

हुआस्टन, 17 जून। पुर्तगाल और डीआर कॉन्गो के बीच मुकाबला शुरुआत से ही रोमांचक स्थिति में बना हुआ है। जोआओ नेव्स ने छठवें मिनट में ही हेडर के जरिए गोल दागकर पुर्तगाल को 1-0 की बढ़त दिला दी थी। पुर्तगाल और कॉन्गो के बीच जारी मुकाबले में 24 मिनट का खेल पूरा हो चुका है और पहला हाइड्रेशन ब्रेक लिया गया है। पुर्तगाल ने छठवें मिनट में जोआओ नेव्स के गोल की मदद से 1-0 की बढ़त बना रखी है। हाफ-टाइम तक पुर्तगाल और कॉन्गो 1-1 की बराबरी पर हैं। मुकाबले की शुरुआत में पुर्तगाल के लिए छठवें मिनट में ही जोआओ नेव्स ने हेडर के जरिए गोल दागा। इसके बाद 45 प्लस 5 मिनट में योन वीसा ने हेडर के जरिए गोल दागकर कॉन्गो को 1-1 की बराबरी पर पहुंचा दिया। अब सभी की नजरें दूसरे हाफ पर होंगी।

मनीष के ऑलराउंड प्रदर्शन से जीती द राजस्थान क्रिकेट अकादमी

जयपुर, 17 जून। 16 समर कप में द राजस्थान क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 39.4 ओवर में 270 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं! मनीष ने 62, रवि कश्यप ने 55 और अमान ने 46 रनों का योगदान दिया! शास्त्री क्रिकेट अकादमी की ओर से मोहित कुमार, आसिफ पठान, अमित मीणा और अर्णव ने 2-2 विकेट लिए! लक्ष्य का पीछा करने उतरी शास्त्री क्रिकेट अकादमी 13 ओवर मैं मात्र 25 रन पर ही ऑल आउट हो गई! द राजस्थान क्रिकेट अकादमी की ओर से मनीष ने 6 और राहुल मीणा ने 3 विकेट लिए! मैन ऑफ द मैच मनीष को चुना गया!

राजस्थान स्टेट रेफरीज क्लिनिक का शुभारंभ

जयपुर, 17 जून। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के तत्वावधान में उदयपुर जिला हैंडबॉल एसोसिएशन की मेजबानी में पांच दिवसीय राज्य स्तरीय रेफ़रीज़ क्लिनिक का आज भव्य शुभारंभ हुआ। 21 जून तक चलने वाले इस आवासीय क्लिनिक में प्रदेशभर से कुल 97 रेफ़री प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें 16 महिला एवं 81 पुरुष रेफ़री शामिल हैं। क्लिनिक का उद्घाटन समारोह सीपीएस स्कूल परिसर में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उदयपुर जिला हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष वीरमदेव सिंह कृष्णावत ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविरों से रेफ़रियों को नवीनतम अंतर्राष्ट्रीय नियमों, मैच संचालन की तकनीकों एवं आधुनिक तकनीकी सहायता प्रणाली से अवगत कराया जाता है, जिससे खेलों का स्तर ऊंचा उठता है।

भारत ने नीदरलैंड को 95 रनों से हराया

नई दिल्ली, 17 जून। महिला टी-20 विश्व कप 2026 के अपने दूसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने नीदरलैंड को 95 रनों से हरा दिया है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 209 रन बनाए थे और 210 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में नीदरलैंड की टीम 17.3 ओवर में 114 रनों पर ही सिमट गई। टॉस गंवाकर बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 209 रन जुटाए। भारत ने महिला टी20 वर्ल्ड कप में पहली बार 200 का आंकड़ा छुआ है। स्मृति मंधाना (74) और शेफाली वर्मा (55) ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। दोनों ने 115 रनों की साझेदारी कर भारत को दमदार शुरुआत दिलाई। जेमिमा रोड्रिग्स ने 19 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 12 रनों का योगदान दिया। विकेटकीपर ऋचा घोष 20 और दीप्ति शर्मा 10 रन बनाकर नाबाद रहीं। नीदरलैंड के लिए कैरोलीन डे लांगे ने दो जबकि मायर्थे वैन डेन राड, हीदर सीगर्स और आइरिस ज्विलिंग ने एक-एक विकेट हासिल किया।

मुख्यमंत्री ने उदयपुर में शहरी सेवा शिविर में पट्टे, प्रमाण पत्र, चैक वितरित किए

उन्होंने शिविर में उपस्थित लाभार्थियों से संवाद कर सरकार की योजनाओं का फीडबैक लिया

उदयपुर/जयपुर, 17 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को उदयपुर में शहरी सेवा शिविर का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने उदयपुर विकास प्राधिकरण परिसर में आयोजित शिविर में उपस्थित लाभार्थियों से संवाद कर

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आमजन से अपील की कि वे जरुरतमंद लोगों को शिविर में पहुँचाने में सहयोग करें, ताकि पात्र व्यक्ति को योजनाओं और सेवाओं का लाभ मिलना सुनिश्चित हो।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को उदयपुर में शहरी सेवा शिविर का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सहायत प्रदान की।

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं शिविर के संबंध में फीडबैक लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सरकारी सेवाओं का लाभ पहुंचाना है। इसी उद्देश्य से प्रदेशभर में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित हो।

उन्होंने कहा कि आवश्यक जांच अथवा प्रक्रिया के कारण, अतिरिक्त समय की जरुरत वाले प्रकरणों के निस्तारण के लिए फॉलोअप शिविर भी आयोजित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने आमजन से आव्हान किया कि वे अपने आसपास के जरूरतमंद लोगों को शिविरों तक पहुंचाने में सहयोग करें, ताकि पात्र व्यक्ति योजनाओं और सेवाओं का लाभ ले सकें।

मुख्यमंत्री ने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉल्स का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को पट्टे, प्रमाण पत्र, भवन निर्माण स्वीकृति एवं सहायता राशि के चेक तथा दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण भी प्रदान किए।

इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, विधायक ताराचंद जैन, फूल सिंह मीणा, उदयलाल डांगी, श्रीचंद कृपलानी सहित, अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं आमजन उपस्थित थे।

'शांति समझौते का मसौदा पसंद नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फिर से पूरी तरह खुल जाएगा, लेकिन शिपिंग कंपनियाँ अभी भी सतर्क हैं और युद्धविराम की स्थिरता देखने के बाद ही, सामान्य संचालन शुरू करना चाहती हैं।

इस बीच, समझौते को लेकर होने वाली संभावित आलोचना से ध्यान हटाने के लिए ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा पर 2015 के परमाणु समझौते के दौरान ईरान को "रिश्वत" देने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि ओबामा प्रशासन ने तेहरान को 1.7 अरब डॉलर नकद भेजे थे। ट्रम्प को डील की आलोचना की आशंका इसलिए है, क्योंकि इसमें कमोबेश वही बिन्दु हैं, जिन पर तेहरान, फरवरी में उस पर हुए यूएस-इज़रायल हमले से पहले, सहमत था।

फ्रांस में जी-7 सम्मेलन में बोले हुये, ट्रंप ने कहा कि उन्होंने वर्तमान वार्ताओं में ऐसा कोई कदम नहीं उठाया है और उन्होंने ईरान के साथ संबंधों को संभालने के तरीके को लेकर ओबामा की आलोचना की। ट्रंप ने 2015 के ईरान परमाणु समझौते की आलोचना की तथा समझौते की हैन्डलिंग को लेकर ओबामा पर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि वार्ता के दौरान ईरानी ओबामा का मजाक उड़ाते थे। ट्रंप के अनुसार, ईरानी उन्हें "बहुत मूर्ख व्यक्ति" कहते थे।

उधर, संयुक्त राष्ट्र में इज़रायल के राजदूत डैनी डैनन ने अस्तित्व में आ रहे अमेरिका-ईरान समझौते की आलोचना करते हुए, इसे इज़रायल, अमेरिका और खाड़ी देशों के लिए "बहुत खराब" बताया। चैनल 14 से बातचीत में उन्होंने कहा कि समझौ के इस फ्रेमवर्क से ईरान की स्थिति मजबूत हो सकती है, क्योंकि वॉशिंगटन बातचीत को जल्दी समाप्त करना चाहता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अभी कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ है और यह केवल आगे की वार्ताओं के लिए एक रूपरेखा भर है।

बैन के खिलाफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा, लेकिन उन्होंने नहीं किया। टेलीग्राम के एक चैनल को जब बंद किया जाता है तो दूसरा चैनल शुरु हो जाता है। क्यूआर कोड जारी होता है और उस पर भुगतान होता है।

यूपी में गैर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समुदायों पर केन्द्रित है, जो कई क्षेत्रों में निर्णायक भूमिका निभाते हैं- कुर्मी: 5.0 प्रतिशत, कुशवाहा: 4.6 प्रतिशत, राजभर: 4.0 प्रतिशत, प्रजापति: 3.9 प्रतिशत, पाल: 3.7 प्रतिशत, निषाद 10.25 प्रतिशत, विश्वकर्मा (लोहार): 3.3 प्रतिशत, चौहान: 2.2 प्रतिशत, बिंद: 1.9 प्रतिशत, अरकवंशी: 1.9 प्रतिशत,

2027 की लड़ाई कुछ खास क्षेत्रों में लड़ी जाएगी, जहां ये समुदाय निर्णायक प्रभाव रखते हैं: 1. पूर्वांचल: इसके मुख्य रणभूमि रहने की संभावना है। यहां राजभर, निषाद, कुशवाहा और मौर्य समुदायों की बड़ी आबादी है, जो चुनावी जीत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। 2. मध्य यूपी और अवध: लखनऊ, सीतापुर, हरदोई और उन्नाव जैसे जिलों में मौर्य और शाक्य समुदाय प्रभावशाली हैं। यहां समाजवादी पार्टी भाजपा के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश करेगी। 3. पश्चिमी यूपी: गुर्जर, कश्यप और सैनी समुदायों के समर्थन के लिए मुकाबला तेज हो रहा है, खासकर किसानों से जुड़े सामाजिक-राजनीतिक आंदोलनों के कारण बदलती स्थानीय परिस्थितियों के चलते। 4. बुंदेलखंड: यहां लोधी समुदाय और अन्य स्थानीय ओबीसी समूह राजनीतिक शक्ति का महत्वपूर्ण आधार बने हुए हैं।

निर्धारित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हरिद्वार में कुंभ 14 जनवरी 2027 से 20 अप्रैल 2027 तक कुंभ मेला आयोजित होगा। इसी कारण यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि चुनाव इस साल के अंत तक हो सकते हैं।

लेकिन सूत्रों के अनुसार, विधानसभा चुनाव मूल समय-सारणी के अनुसार ही कराए जाएंगे।

पांच राज्यों की विधानसभाओं का कार्यकाल मार्च से मई के बीच समाप्त होगा। मणिपुर का कार्यकाल 13 मार्च, गोवा का 14 मार्च, पंजाब का 16 मार्च, उत्तर प्रदेश का 22 मई और उत्तराखंड का 28 मई को समाप्त होगा।

सूत्रों ने कहा कि चुनाव कार्यक्रम इस तरह तैयार किया जा सकता है कि उत्तराखंड में मतदान सबसे अंत में हो, ताकि कुंभ की व्यवस्थाओं में कोई बाधा न आए।

शंकाओं के बावजूद सफल रहा कोटा में राहुल गांधी का स्टूडेंट संवाद अभियान

यह आशंका व्यक्त की जा रही थी कि नीट की पुनः परीक्षा के कारण अधिक संख्या में स्टूडेंट नहीं आ पायेंगे

कोटा, 17 जून (निसं)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने कोटा के दशहरा मैदान श्री राम रंगमंच से पेपर लीक मामले में छात्रों से संवाद अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान में उनका पहला संवाद कार्यक्रम कोटा में आयोजित किया गया।

ज्ञातव्य है कि कोटा मेडिकल और इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षाओं की

- **एक आशंका यह भी थी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के साथ निकट संबंध के कारण बड़े कोचिंग सैंटर इस आयोजन से दूरी रखेंगे।**
- **पर आयोजकों की मेहनत तथा राहुल गांधी की टीम की सक्रियता के कारण छात्रों, युवाओं ने उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।**

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने कोटा के दशहरा मैदान से पेपर लीक मामले में छात्रों से संवाद अभियान की शुरुआत की है।

तैयारी का कोचिंग हब है और देश की संसद के स्पीकर ओम बिड़ला कोटा से ही सांसद हैं। राहुल गांधी के इस अभियान की घोषणा के साथ ही ज्यादातर लोगों के मन में यह शंका थी कि कोटा में उनका अभियान शायद उतना सफल न रहे, जितनी अपेक्षा की जा रही है। इसके पीछे कारण माना जा रहा था कि 21 जून को नीट का री-एग्ज़ाम है तो ज्यादातर स्टूडेंट इस कार्यक्रम से दूरी बनाए रखेंगे। एक शंका यह भी थी कि लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला के कारण कोटा के बड़े कोचिंग इंस्टिट्यूट राहुल गांधी के इस आयोजन से दूरी बनाकर रखेंगे। पर कार्यक्रम स्थल पर इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करने वाले स्टूडेंट पर्याप्त संख्या में नजर आए। छात्रों में पेपर लीक को लेकर भारी रोष नज़र आया।

निर्धारित समय शाम 8 बजे राहुल गांधी कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और उन्होंने मंच पर छात्रों से संवाद शुरू किया। राहुल गांधी ने एक छात्र से पूछा कि नीट और जेईई की तैयारी में आपका कितना पैसा खर्च हो जाता है। इस पर स्टूडेंट्स ने बताया कि 1 साल में करीब 4 लाख रुपए खर्च होता है, जिसके लिए हमारे परिवार को लोन तक लेना पड़ा है। राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था सलेक्शन की नहीं, रिजेक्शन की व्यवस्था है। एजुकेशन सिस्टम पैसा कमाने का जरिया बन चुका है।

पाक ने भारतीय विमानों पर हवाई प्रतिबंध बढ़ाया

कराची, 17 जून। पाकिस्तान ने भारतीय पंजीकृत विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र पर लगाए गए प्रतिबंध को 24 जुलाई तक बढ़ा दिया है। पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी (पीएए) ने मंगलवार को जारी नोटिस टू एयरमेन (नोटम) के माध्यम से इसकी जानकारी दी। जारी सलाह के अनुसार, भारतीय नागरिक और सैन्य विमानों के लिए पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। नया प्रतिबंध 16 जून की शाम से प्रभावी होकर 24 जुलाई की सुबह तक लागू रहेगा।

तृणमूल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गलियारों में यह चर्चा भी तेज हो गई है कि आने वाले दिनों में समाजवादी पार्टी में भी इसी तरह की टूट हो सकती है। एनडीए के सहयोगी और नेता ओम प्रकाश राजभर ने दावा किया है कि समाजवादी पार्टी में बड़ा विभाजन निकट है और कई सांसद तथा विधायक भाजपा में शामिल होने के लिए तैयार हैं।

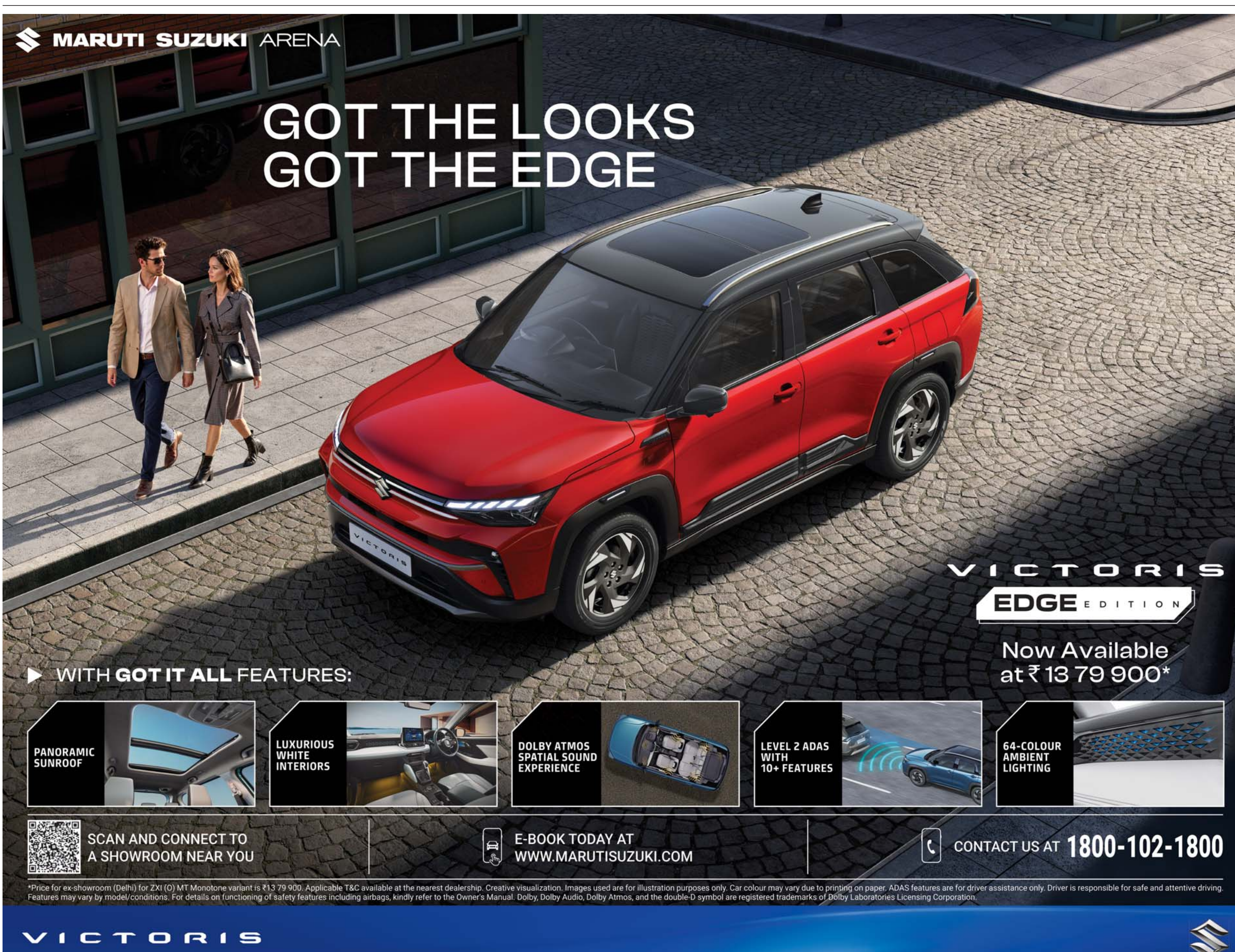

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908